

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 21, 1987 (फाल्गुन 2, 1908)
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 21, 1987 (PHALGUNA 2, 1908)

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गयी विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	185	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (जैसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*	
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	193	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*	
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	3	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	143 1	
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	259	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गयी पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	13 1	
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1	
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	1009	
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर मसिनियों के बिल तथा रिपोर्टें	*	भाग IV—	नैर-सरकारी व्यक्तियों और नैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	25
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं)	*	भाग V—	अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के प्रमाणों को दिखाने वाला अनुपूरक	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*			

पृष्ठ संख्या प्राग्गती है ।

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

CONTENTS

	PAGE		PAGE
SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	185	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	193	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	3	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	1431
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	259	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs ..	131
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notification issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	1
PART II—SECTION 1A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	1009
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies ..	25
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई
विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by
the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and
by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

सं० 16-प्रेम/87—राष्ट्रपति मणिपुर राइफलस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री लक्ष्मण प्रधान,
नायक सं० 1681,
मणिपुर राइफलस,
मणिपुर।

श्री दम्बर बहादुर,
राइफलमैन सं० 13084,
मणिपुर राइफलस,
मणिपुर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

12 नवम्बर, 1985 को कावेवेकाचिंग मणिपुर राइफलस चौकी के मामले एक वाहन देखा गया। इस चौकी की स्थापना कावेवेकाचिंग चीनी मिल की फैक्टरी के लिए चल रहे निर्माण कार्य की सुरक्षा के लिए की गयी थी। वाहन अचानक मणिपुर राइफलस चौकी के मामले रुका और उसमें बैठे स्टेनगनों से लैस दो व्यक्ति नीचे कूदे तथा चौकी की ओर भागकर संतरी राइफलमैन दम्बर बहादुर जो उस समय ड्यूटी पर था, पर गोली चलाई। गोली लगने से संतरी का कूल्हा जखमी हो गया लेकिन अपना धैर्य खोये बगैर उन्होंने धायल होने के बावजूद अपने सविम रिवाल्वर से जबाब में तुरन्त गोली चलाई जिससे हमलावर घात हो गये। गोली-बारी की आवाज सुनकर चौकी के ड्यूटी एन० सी० ओ० नायक लक्ष्मण प्रधान अपनी स्टेनगन लेकर वंकर से तुरन्त बाहर आये और हमलावरों पर गोली चलाकर संतरी की सहायता की। तब तक दो अन्य राइफलमैन चौकी पर उग्रवादियों के हमले को रोकने के लिए नायक और संतरी से मिल गये। श्री लक्ष्मण प्रधान की गोलियों जल्दी ही समाप्त हो गयीं और वंकरों की आड़ लेकर वे शीघ्र वंकर में वापस गये और एल० एम० जी० ले आये तथा अपराधियों पर गोली चलानी शुरू की। नायक और तीन राइफलमैन के कड़े मुकाबले से हमला नही रुक सका तो नायक लक्ष्मण प्रधान अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करके वंकर से बाहर आये और हमलावरों पर आक्रमण कर दिया। अधिकारी

का माहम और अमाधारण श्रमता देखकर उग्रवादियों की हिम्मत पस्त हो गई और वे पीछे हट गये। फिर भी श्री लक्ष्मण प्रधान ने अपराधियों का पीछा किया और भागते हुए उग्रवादियों पर गोली चलाई जिसके परिणाम स्वरूप एक उग्रवादी धायल हो गया और अन्त में जख्मों के कारण उसकी मृत्यु हो गई। उग्रवादी की बाद में प्रेमाक संगठन नेता आर० के० तुलाचन्द्र सिंह के रूप में शिनाख्त की गई। लेकिन अन्य उग्रवादी बच कर भाग गये। मृत उग्रवादी के पास 8 राउन्ड गोला बारूद के साथ एक एम० के० II स्टेनगन पाई गई।

इस मुठभेड़ में, श्री लक्ष्मण प्रधान, नायक; और श्री दम्बर बहादुर, राइफलमैन ने उत्कृष्ट वीरता, माहम और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फल-स्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता दिनांक 12 नवम्बर, 1985 से दिया जाएगा।

सं० 17-प्रेम/87—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक का बार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अंजनी कुमार सिन्हा,
पुलिस निरीक्षक,
खजेकला पुलिस स्टेशन।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

31 अक्तूबर, 1985 को, श्री अंजनी कुमार सिन्हा, पुलिस निरीक्षक, को डकैती डाले जाने के बारे में सूचना मिली। कि बिहारजी जो मिल्म के प्रबन्धक सं बन्दूक की नोक पर 90,000 रुपये लूट लिए गए हैं तथा डकैत ए० 6 टेम्पो में मंगल टैंक की ओर भाग रहे हैं। श्री सिन्हा, श्री एम० के० कुमार सिंह तथा श्री डी० के० अम्बस्था, उप निरीक्षकों, तथा 4 होम गार्डों के साथ जी० में मंगल टैंक की ओर रवाना हुए। श्री सिन्हा ने जाते हुए टेम्पो को चिल्लाकर वाहन को रोकने के लिए कहा, परन्तु जबाब में उन्होंने पुलिस दल को धमकी दी। धमकी से पुलिस दल विचलित नहीं हुआ और अपराधियों का पीछा करता रहा। तत्काल कुछ अपराधी टेम्पो से नीचे उतरे तथा उन्होंने पुलिस की जीप कर बम फेंके जो पुलिस

की जीप के दाहिने पहिए के निकट गिरे तथा फट गये। श्री सिन्हा की दाहिनी जांघ में चोट लगी और जीप को भी क्षति पहुंची। पुलिस दल लगातार अपराधियों का पीछा करता रहा। कुछ अपराधी "भिक्षुक सुधारालय" की ओर भागे और अन्य टेम्पो से शाह कमल रोड़ पर जाते हुए पुलिस दल पर लगातार गोली-बारी करते रहे। श्री सिन्हा ने उप निरीक्षक अम्बस्था को जाते हुए टेम्पो का पीछा करने का निदेश दिया और स्वयं उप निरीक्षक एम० के० कुमार सिंह के साथ उन अपराधियों का पीछा करने लगे जो बम फेंक रहे थे। एक अपराधी ने "भिक्षुक सुधारालय" से बम फेंका जो श्री एम० के० कुमार सिंह की दाहिनी टांग के घुटने पर लगा तथा वे घायल हो गए। पुलिस दल के जीवन को खतरे में देखकर श्री सिन्हा ने श्री एम० के० कुमार सिंह को गोली-बारी जारी करने का आदेश दिया तथा दोनों अधिकारियों ने अपनी-अपनी सविस रिवाल्वर से गोलियां चलाई। एक अपराधी जो बम फेंक रहा था, गोली से घायल हो गया तथा नीचे गिर पड़ा। घायल हो जाने के कारण बाद में उसकी अस्पताल में मृत्यु हो गई। बाद में उसकी शिनाख्त हो गई कि वह चुटुकिया बाजार का गुरु माझो है और अनेक मामलों में उसकी तलाश थी। उसके कब्जे से लूटे हुए 80,200 रुपये तथा पांच देशी बम बरामद हुए।

उप निरीक्षक डी० के० अम्बस्था के नेतृत्व वाले दूसरे पुलिस दल ने भागते हुए अपराधियों का लगातार पीछा किया तथा एक अपराधी नामतः महेश को टेम्पो सहित पकड़ने में सफल हुआ। उसके कब्जे से 10,000 रुपये तथा देश में बनी हुई एक पिस्तौल, जो .315 बोर सक्रिय कारतूसों से भरी हुई थी, बरामद की गई। इस प्रकार से लूटी गई समस्त 90,200 रुपये की धन राशि बरामद कर ली गई।

इस मुठभेड़ में, श्री अंजनी कुमार सिन्हा, पुलिस निरीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस तथा उच्चकोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक का बार नियमावली के नियम 4 (1) के अर्न्तगत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अर्न्तगत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 31 अक्टूबर, 1985 से दिया जाएगा।

सं० 18 प्रेज/87—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री महाराजा कनिष्क कुमार सिंह,
पुलिस उप निरीक्षक,
खजेकला पुलिस स्टेशन।
श्री दीपक कुमार अम्बस्था,
पुलिस उप निरीक्षक,
खजेकला पुलिस स्टेशन।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

31 अक्टूबर, 1985, को श्री अंजनी कुमार सिन्हा, पुलिस निरीक्षक, को डकैती डाले जाने के बार में सूचना मिली

कि बिहारीजी मिल्स के प्रबन्धक से बन्दूक की नोक पर 90,000 रुपये लूट लिए गए हैं। तथा डकैत एक टेम्पो में मंगल टैंक की ओर भाग रहे हैं। श्री सिन्हा, श्री महाराजा कनिष्क कुमार सिंह तथा श्री दीपक कुमार अम्बस्था, उप निरीक्षकों, तथा 4 होम गार्डों के साथ जीप में मंगल टैंक की ओर खाना हुए। श्री सिन्हा ने जाते हुए टेम्पो को चिल्लाकर वाहन को रोकने के लिए कहा, परन्तु जबाब में उन्होंने पुलिस दल को धमकी दी। धमकी से पुलिस दल विचलित नहीं हुआ और अपराधियों को पीछा करता रहा। तत्काल कुछ अपराधी टेम्पो से नीचे उतरे और उन्होंने पुलिस की जीप पर बम फेंके जो पुलिस की जीप के दाहिने पहिए के निकट गिरे तथा फट गये। श्री सिन्हा की दाहिनी जांघ में चोट लगी और जीप को भी क्षति पहुंची। पुलिस दल लगातार अपराधियों का पीछा करता रहा। कुछ अपराधी "भिक्षुक सुधारालय" की ओर भागे और अन्य टेम्पो से शाह कमल रोड़ पर जाते हुए पुलिस दल पर लगातार गोली-बारी करते रहे। श्री सिन्हा ने उप निरीक्षक अम्बस्था को जाते हुए टेम्पो का पीछा करने का निदेश दिया और स्वयं उप निरीक्षक एम० के० कुमार सिंह के साथ उन अपराधियों का पीछा करने लगे जो बम फेंक रहे थे। एक अपराधी ने "भिक्षुक सुधारालय" से बम फेंका जो श्री एम० के० कुमार सिंह की दाहिनी टांग के घुटने पर लगा तथा वे घायल हो गये। पुलिस दल के जीवन को खतरे में देखकर श्री सिन्हा ने श्री एम० के० कुमार सिंह को गोली-बारी जारी करने का आदेश दिया तथा दोनों अधिकारियों ने अपनी-अपनी सविस रिवाल्वर से गोलियां चलाई। एक अपराधी जो बम फेंक रहा था, गोली से घायल हो गया तथा नीचे गिर पड़ा। घायल हो जाने के कारण बाद में उसकी अस्पताल में मृत्यु हो गई। बाद में उसकी शिनाख्त हो गई कि वह चुटुकिया बाजार का गुरु माझो है और अनेक मामलों में उसकी तलाश थी। उसके कब्जे से लूटे हुए 80,200 रुपये तथा पांच देशी बम बरामद हुए।

उप निरीक्षक डी० के० अम्बस्था के नेतृत्व वाले दूसरे पुलिस दल ने भागते हुए अपराधियों का लगातार पीछा किया तथा एक अपराधी नामतः महेश को टेम्पो सहित पकड़ने में सफल हुआ। उसके कब्जे से 10,000 रुपये तथा देश में बनी हुई एक पिस्तौल जो .315 बोर सक्रिय कारतूसों से भरी हुई थी, बरामद की गई। इस प्रकार से लूटी गई समस्त 90,200 रुपये की धन राशि बरामद कर ली गई।

इस मुठभेड़ में महाराजा कनिष्क कुमार सिंह, पुलिस उप निरीक्षक तथा श्री दीपक कुमार अम्बस्था, पुलिस उप निरीक्षक ने उत्कृष्ट वीरता, साहस तथा उच्चकोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अर्न्तगत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अर्न्तगत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 31 अक्टूबर, 1985 से दिया जायेगा।

सं० 19-प्रेज/87—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उम्मीदवारी के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करने हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री ओम प्रकाश राठौड़,
पुलिस अधीक्षक,
जिला स्थानियर,
मध्य प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

18 अप्रैल, 1985 की रात श्री ओम प्रकाश राठौड़, पुलिस अधीक्षक स्थानियर, को डाकू राम किशन काछी के दल की ग्राम मुख्या पाठा के निकट जंगल के किनारे उपस्थित होने की सूचना प्राप्त हुई, कि यह दल अर्ध रात्रि के पश्चात् पुरानी णतुता का बदला लेने के लिए डाका डालने/कत्ल करने की योजना बना रहा है। श्री राठौड़ तुरन्त घटना स्थाना पहुँचे और उपलब्ध बल को एकत्र किया और डाकूओं के दल के छिपने के स्थान की ओर खाना हुए। डाकूओं के दल के छिपने के स्थान से गांव को जाने वाली पगडण्डी पर अपने छोटे से पुलिस दल को घात लगा कर हमले करने के लिए तैनात किया और स्वयं ने एक छोटी माड़ी के पीछे ठीक रास्ते पर मोर्चा सम्भाला। लम्बे अर्ध रात्रि को उन्होंने अपने मोर्चे की ओर आते हुए कुछ आदमियों के कदमों की आवाज सुनी। जब डाकू उनके स्थान से मुश्किल से लगभग 10 गज की दूरी पर थे, तो श्री राठौड़ ने उन्हें आत्म समर्पण करने के लिए ललकारा लेकिन डाकूओं ने इसका जवाब गोलीयों की बौछार से दिया। चूंकि डाकू हमके लिए तैयार नहीं थे, अतः उनके निशाने ठीक नहीं लग सके। श्री राठौड़, जो बाल-बाल बचे, ने अपने बचाव में गोली चलाई तथा डाकूओं के दल के नेता रामकिशन काछी को मार गिराया, जिसके पास एक 12 बोर की बन्दूक/गोला बारूद था, अन्य डाकू अंधेरे का लाभ उठाते हुए वच निकले।

इस मुठभेड़ में, श्री ओम प्रकाश राठौड़, पुलिस अधीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस तथा उच्चकोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विधेय स्वीकृत भत्ता भी दिफलस्वरूप अप्रैल, दिनांक 18 1985 से दिया जाएगा।

(मु० नीलकण्ठन),
राष्ट्रपति का उप सचिव

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1987

के नियम

नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1987

सं० 9/2/86-के० मे० (II)—कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, कर्मचारी चयन आयोग द्वारा मन् 1987 में

निम्नलिखित सेवाओं/पदों (तथा उन अन्य सेवाओं/पदों के लिए, जो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाले विज्ञापन में सम्मिलित किए जाएंगे) में अस्थायी रिक्तियों का भरण के लिए ली जाने वाली प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के नियम सर्वसाधारण को सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-VI
- (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा ग्रेड-II
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा-अवर श्रेणी ग्रेड
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा-अवर श्रेणी ग्रेड
- (v) भारत के निर्वाचन आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद
- (vi) संसदीय कार्य विभाग, नई दिल्ली में अवर श्रेणी लिपिक के पद
- (vii) महानिरीक्षक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस दिल्ली के कार्यालय में अवर श्रेणी लिपिक के पद
- (viii) केन्द्रीय स्तर्कता आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद

उपरोक्त सेवाओं/पदों के लिए अधिमान आयोग द्वारा केवल उन्हीं उम्मीदवारों से आमंत्रित किए जाएंगे जो टंकण परीक्षा में प्रविष्ट किए जाने के पात्र होंगे। किन्तु, उम्मीदवार लिखित परीक्षा देने की तारीख से पहले एक बार वरीयता क्रम में परिवर्तन कर सकता है।

2. भारत सरकार द्वारा निर्धारित रिक्तियों में भूतपूर्व सैनिक तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों तथा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों केवल (बहरे तथा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति) के लिए आरक्षण किया जाएगा।

3. (1) भूतपूर्व सैनिक से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेवाओं में, जिनके अन्तर्गत भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेनाएं भी शामिल हैं, किन्तु जिनके अन्तर्गत आक्षाम राइफल, सेना सुरक्षा कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियरी बल, लोक सहायक सेना और प्रादेशिक सेना नहीं आते, शपथ ग्रहण करने के पश्चात् कम से कम छह मास की निरन्तर अवधि तक किसी रैंक में (चाहे थोड़ा के रूप में या गैर-थोड़ा के रूप में) की है, और

(क) जिसे/उसके अपने अनुरोध पर या कदाचार अथवा अक्षता के कारण पदच्युति या बर्खास्तगी के कारण के अलावा अन्य किसी रूप में निर्मुक्त कर दिया गया है, अथवा ऐसी निर्मुक्ति तक के लिए रिजर्व को स्थानान्तरित कर दिया गया है, या

(ख) जिसे यथा पूर्वोक्त निर्मुक्त या रिजर्व को स्थानान्तरित किए जाने के लिए हकदार बनने के लिए अवधि से अवधि पूरी करने के लिए अधिक से अधिक छह मास सेवा करनी है; या

(ग) जिसे संघ की सशस्त्र सेनाओं में पाँच वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के पश्चात् उसके अपने ही अनुरोध पर निर्मुक्त कर दिया गया है।

(II) संविधान अनुसूचित जाति आदेश 1950 संविधान (अनुसूचित जन जाति) आदेश, 1950, संविधान [अनुसूचित (संघ राज्य क्षेत्र), आदेश 1951, संविधान] अनुसूचित जन जाति (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 [अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति (सूचियाँ) संशोधन] आदेश 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित) संविधान (जम्मू तथा कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1959, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति आदेश (संशोधन अधिनियम 1976 द्वारा यथा-संशोधित संविधान) (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जाति आदेश 1962, संविधान (पॉण्डिचेरी अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान गोआ, दमन और दीव (अनुसूचित जाति) आदेश 1968 तथा संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1970, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 संविधान (मिज़ोरम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978 तथा संविधान (मिज़ोरम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978।

(III) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति से अभिप्राय निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी से सम्बद्ध व्यक्ति में है :—

(क) बहुरे:—वह व्यक्ति ऐसे व्यक्ति है जिनको जीवन के सामान्य प्रयोजन के लिए सुनने का बोधन हो, उच्च स्तर के साफ बोलने पर वे न तो बिल्कुल सुन सकते हों और न ध्वनि को समझ सकते हों, इस वर्ग में ऐसे मामले भी शामिल हैं जो ठीक कान (गम्भीर रूप से अस्मर्थ) 90 डेसीबल से अधिक नहीं सुन सकते हों अथवा दोनों कानों से पूर्ण रूप से नहीं सुन सकते हों।

(ख) शारीरिक रूप से विकलांग:—शारीरिक रूप से विकलांग ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें शारीरिक दोष हो अथवा अंग-विकृति हो जिससे कार्य करने में हड्डी, पेशियाँ तथा जोड़ों में सामान्य रूप से बाधा पैदा होती हो।

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिशिष्ट-I में विहित विधि से किया जाएगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आ गया हो, या

(ङ) ऐसा मूल भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका तथा पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तांगानिका व जेजी-बार) जाम्बिया, मलावी, जाम्बे इथोपिया और वियतनाम से आया हो।

(1) परन्तु ऊपर की श्रेणी (ख), (ग), (घ) और (ङ) से संबंधित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

(2) परन्तु यह भी शर्त है कि ऊपर की श्रेणी (ख), (ग), तथा (घ) से संबंधित उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-(VI) में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे।

किसी ऐसे उम्मीदवार को, जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है, परन्तु उसे नियुक्ति पत्र नहीं दिया जा सकता है जब उसे वह मंत्रालय/विभाग आवश्यक प्रमाण पत्र दे दे जो उस पद से सम्बद्ध हो जहाँ उम्मीदवार की नियुक्ति की संभावना हो।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए जरूरी है कि पहली अगस्त, 1987 को उम्मीदवार की आयु पूरे 18 वर्ष की हो गई हो और पूरी 25 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1962 से पहले और पहली अगस्त, 1969 के बाद न हुआ हो।

(ख) उन भूतपूर्व सैनिकों के मामलों में जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेना में कम से कम छः महीने की निरन्तर सेवा की हो उनकी सशस्त्र सेना की कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि तक ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

इस आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित अथवा अनारक्षित सभी रिक्तियों के लिए प्रतियोगी होने के हकदार होंगे।

टिप्पणी 1:—भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्नियोजन के लिए ऐसे भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने उनको भूतपूर्व सैनिकों के रूप में दिए गए लाभों की प्राप्ति करने के बाद सिविल सेवा में सरकारी रोजगार में पहले ही कार्यभार ग्रहण कर लिया है वे आयु सीमा में छूट पाने के पात्र नहीं हैं।

टिप्पणी 2:—उपरोक्त नियम 5(ख) के प्रयोजन के लिए किसी भूतपूर्व कर्मचारी की सशस्त्र सेना में आवाहन पर सेवा (काल आफ सर्विस) की अवधि भी सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में समझी जाएगी।

टिप्पणी 3:—आरक्षण की प्रसुविधाओं को प्राप्त करने के प्रयोजन से संघ की तीनों सशस्त्र सेनाओं के किसी भी सैनिक को भूतपूर्व सैनिक के रूप में माने जाने के लिए यह आवश्यक है कि उसने पद/सेवा के लिए अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के संगत समय पर भूतपूर्व सैनिक का दर्जा पहले ही प्राप्त कर लिया होगा तथा, अथवा वह सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त दस्तावेजी साक्ष्य द्वारा प्राप्त हकदारी को साबित करने की स्थिति में होगा कि वह अपने कार्य के पूरा होने की छह मास की निश्चित अवधि के भीतर सशस्त्र सेनाओं में कार्यमुक्त/सेवामुक्त हो जाएगा। (इस प्रयोजन के लिए परीक्षा की तारीख तनिक भी प्रसंगिक नहीं है)

(ग) इन सभी मामलों में ऊपरलिखित ऊपरी आयु-सीमा में निम्नलिखित और छूट होगी :—

(I) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(II) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(III) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भावित विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(IV) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(V) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 को भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(VI) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया उगांडा, तंजानिया, संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो।

(VII) यदि उम्मीदवार बर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(VIII) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(IX) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही और शांति-काल दोनों के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कामिकों को अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(X) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कामिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(XI) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए सीमा-सुरक्षा बल के रक्षा कामिकों के लिए अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(XII) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कामिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के हों, अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(XIII) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय परिपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(XIV) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग हो अर्थात् जिसका कोई अंग विकृत है तो अधिक से अधिक 10 वर्ष (अनुसूचित जातियों व जनजातियों के उन उम्मीदवारों के लिए, जो शारीरिक रूप से विकलांग भी हैं, शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को मिलने वाली 10 वर्ष की आयु-छूट उन्हें खण्ड (1) के अंतर्गत मिलने वाली आयु-छूट के अतिरिक्त होगी) और

(XV) ऐसी विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं और न्यायिक तौर पर अपने पतियों से अलग हुई महिलाओं के मामले में जिन्होंने पुनर्विवाह नहीं किया है 35 वर्ष की आयु (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए 40 वर्ष तक)।

(XVI) उन व्यक्तियों के लिए ऊपरी आयु सीमा में अधिक से अधिक छह वर्ष की छूट है जो पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 85 की अवधि के दौरान साधारणतः अरुण राज्य में रहे हों। यह छूट उसे (क) जिला मजिस्ट्रेट जिसके क्षेत्राधिकार में वह साधारणतः रहा हो अथवा (ख) अरुण सरकार द्वारा इस संबंध में पदनामित किसी अन्य प्राधिकारी से प्रमाण-पत्र के प्रस्तुत करने पर ही दी जाएगी।

(घ) उक्त ऊपरी आयु-सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष तक की आयु की छूट दी जाएगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों में तथा निर्वाचन आयोग के कार्यालयों में लिपिकों/नहायकों/संकलकों/भंडार रक्षकों के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त हैं और 1-8-86 को जिन्होंने लिपिकों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते आ रहे हैं।

परन्तु यह भी शर्त है कि उक्त आयु की छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो मंत्रालयों/विभागों और सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों में (1) केन्द्रीय सचिवालय सेवा और (2) भारतीय विदेश सेवा (ख) (3) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा और (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में लिपिकों के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा उन व्यक्तियों को जो भूतपूर्व सैनिक हैं, और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए परीक्षा में बैठ रहे हैं।

(ङ) उक्त ऊपरी आयु-सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष की आयु तक छूट दी जाएगी जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और संबद्ध कार्यालयों में हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकक के पदों पर नियुक्त हैं और 1-8-1986 को जिन्होंने हिन्दी लिपिकों/हिन्दी टंककों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते आ रहे हैं।

परन्तु शर्त यह है कि उक्त आयु की छूट के अंतर्गत परीक्षा में प्रविष्ट हिन्दी लिपिक, हिन्दी टंकक केवल केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता के पात्र होंगे।

(च) ऊपरी आयु सीमा में सैनिक-लिपिकों को 45 वर्ष की आयु तक की छूट दी जाएगी जो सशस्त्र सेना में अपनी कलर सेवा के अंतिम वर्ष में है अर्थात् उनकी जो सेना से 2 अगस्त 1987 से पहली अगस्त 1988 की अवधि में निवृत्त होने वाले हैं ऐसे उम्मीदवारों को शुल्क में कोई छूट नहीं दी जाएगी।

परन्तु शर्त यह है कि उक्त आयु की छूट के अंतर्गत परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को केवल सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर्सेवा संगठनों में रिक्त स्थानों के लिए ही जो भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित नहीं हैं प्रतियोगिता के पात्र होंगे।

(छ) उन टेलीफोन आपरेटरों के लिए कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं होगी जो दिनांक पहली अगस्त 1987 को विदेश मंत्रालय में नियुक्त होंगे और जिनकी नियुक्ति यथावत जारी रहेगी।

(ज) कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के दिनांक 4-7-1983 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 22011/15/81-स्थापना (घ) के अनुसार उन स्टाफ कार ड्राइवरों के लिए 35 वर्ष तक की ऊपरी आयु सीमा में छूट दी गई है जो अवर श्रेणी लिपिक के पद पर नियुक्ति के लिए शैक्षिक रूप से अर्हता रखते हों और जिन्होंने उक्त ग्रेड में कम से कम 3 वर्ष की नियमित सेवा कर ली हो।

टिप्पणी 1:—डाक विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल डाक छंटाईकारों की सेवा उपर्युक्त नियम 5(घ) के प्रयोजन के लिए लिपिक के ग्रेड में की गई मानी जाएगी।

टिप्पणी 2:—यदि किसी उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5(ग) नियम 5(घ) और नियम 5(छ) में उल्लिखित आयु संबंधी गियायतों के अंतर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो और यदि आवेदन-पत्र देने के बाद परीक्षा में बैठने से पहले या बाद में वह नौकरी से त्यागपत्र दे दे या उसके विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएं तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है लेकिन यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद सेवा या पद से उसकी छंटनी हो जाए तो वह पात्र बना रहेगा।

टिप्पणी 3:—किसी लिपिक को जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसर्वग पद (एक्स-केडर-पोस्ट) पर प्रतिनियुक्त हो अन्य सब प्रकार से पात्र होने पर परीक्षा में बैठने दिया जाएगा।

टिप्पणी 4:—विदेश मंत्रालय में भाग ले रहे कार्यालयों/विभागों में काम कर रहा कोई स्थाई अथवा अस्थायी टेलीफोन आपरेटर इस परीक्षा में बैठने का पात्र होगा परन्तु किसी टेलीफोन आपरेटर को परीक्षा पास करने के लिए दो से अधिक अवसर प्रदान नहीं किए जाएंगे।

जो टेलीफोन आपरेटर सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से अन्य असर्वग पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हो वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र होंगे यदि वे अन्यथा पात्र हों। यह उस व्यक्ति पर भी लागू होगा जो किसी अन्य असर्वग पद या स्थानांतरण पर किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है यदि उस समय टेलीफोन आपरेटर के पद में उसका पूर्णग्रहणाधिकार है।

टिप्पणी 5:—जहाँ तक इस नियम की उक्त श्रेणी (छ) के अन्तर्गत आने वाले व्यक्तियों का संबंध है यह परीक्षा अर्हक होगी प्रतियोगितात्मक नहीं। उनको टंकण परीक्षा में नहीं बैठना होगा। जो इस परीक्षा का एक भाग है। उन्होंने पहले से टंकण परीक्षा पास नहीं कर रखी होगी तो उन्हें इस आयोग द्वारा नी गई कोई आवर्ती टंकण परीक्षा निम्न श्रेणी लिपिक के रूप में उसकी नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के अन्दर पास करनी होगी। यदि वे यह परीक्षा पास नहीं करेंगे तो उन्हें कोई वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं दी जाएगी। जब तक कि वे कथित परीक्षा पास नहीं कर लेंगे। आयोग द्वारा सिफारिश किया गया टेलीफोन अपरेटर केवल भारतीय विदेश सेवा ख ग्रेड—VI में लिया जाएगा।

ऊपर बताई स्थितियों के अलावा निर्धारित आयु-सीमाओं में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी। “भूतपूर्व सैनिकों के पुत्रों तथा पुत्रियों” तथा पिछड़े वर्ग से संबंधित व्यक्तियों को आयु में कोई रियायत अनुज्ञेय नहीं है।

6. भारत में केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक की परीक्षा अथवा माध्यमिक विद्यालय उच्च विद्यालय के अन्त में किसी राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा सी जाने वाली परीक्षा या कोई अन्य प्रमाण-पत्र जो उस राज्य सरकार/भारत सरकार द्वारा सेवाओं में प्रवेश के लिए मैट्रिक प्रमाण-पत्र के समकक्ष माना जाता हो वह परीक्षा उम्मीदवारों द्वारा आवश्यक पास की होनी चाहिए।

टिप्पणी 1:—यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिस के पास करने से वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पात्र हो जाएगा परन्तु जिसका परिणाम उसे सूचित न किया गया हो तथा ऐसा उम्मीदवार भी जो किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का विचार कर रहा हो वह आयोग की परीक्षा में प्रवेश का पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी 2:—कुछ विशिष्ट मामलों में जहाँ कि उम्मीदवार के पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है केन्द्रीय सरकार उसे अर्हता प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है बशर्ते कि वह उस स्तर तक अर्हता प्राप्त हो जो उस सरकार की राज्य में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथा-यथोचित है।

7. (1) जिस व्यक्ति ने:—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह अनुबन्ध किया है जिसका/जिसकी पति/पत्नी जीवित है या

(ख) जिसने जीवित पति या पत्नी के होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है

तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए तब तक पात्र नहीं माना जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसे व्यक्ति को विवाह के हमारे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार ऐसा विवाह स्वीकार है तथा ऐसा करने के अन्य कारण हैं और जब तक उसको इस नियम से छूट न दे दें।

2. जिस व्यक्ति ने विदेशी राष्ट्रिक से विवाह किया है वह भारतीय विदेश सेवा ख ग्रेड—VI की नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

3. जो उम्मीदवार पहले से स्थायी या अस्थायी रूप से सरकारी नौकरी में हो वह परीक्षा में बैठने के लिए सीधे आवेदन कर सकता है परन्तु उसे टंकण परीक्षा में बैठने की अनुमति से पहले अपने कार्यालय से एक अनापत्ति प्रमाण-पत्र भेजना होगा।

9. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्मियों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हों। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जाएगी जिन पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने की संभावना होगी।

टिप्पणी:—अशक्त भूतपूर्व रक्षा व्यक्तियों/कामिकों के मामले में रक्षा सेवा के सैन्य विघटन डाक्टरी बोर्ड (डीयाबोलाइजेशन मैडिकल बोर्ड) द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण-पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

10. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

11. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश-पत्र (अटिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

12. रक्षेत्र सेना में निवृत्त भूतपूर्व सैनिक तथा जिन्हें आयोग के विज्ञापन के अंतर्गत शुल्क की छूट दी गई है, को छोड़ कर सभी उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क देना होगा।

13. यदि उम्मीदवार ने अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी प्रकार की सहायता प्राप्त करने का यत्न किया तो उसे परीक्षा में प्रवेश के लिए अयोग्य माना जा सकता है।

14. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्न-लिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो जबकि उसने:—

(i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा

- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य माधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों का विगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाए हैं, अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में किसी भी तरीके से अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (ix) आयोग द्वारा अपनी परीक्षाएं आयोजित करने के लिए, उनके द्वारा तैनात कर्मचारियों को तंग करना अथवा शारीरिक रूप से हानि पहुंचाना; अथवा
- (x) उम्मीदवारों की परीक्षा में बैठने की अनुमति देने वाले उनके प्रवेश प्रमाण पत्रों के साथ, उम्मीदवारों को जारी किए गए, किन्हीं अनुदेशों का उल्लंघन करने; अथवा
- (xi) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को किसी प्रतिवद्धता अथवा जैसा भी मामला हो, किसी भी प्रकार अवहेलित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अभियोगी (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे:—
 - (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
 - (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए
 - (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
 - (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और
 - (ग) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है यदि वह पहले से सरकारी नौकरी में हो,

15. परीक्षा के बाद उन उम्मीदवारों को जो टंकण परीक्षा में पास होंगे अथवा जिनको छूट मिल जाएगी लिखित परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार को अंतिम रूप में दिए गए कुल अंकों के आधार पर बने श्रेष्ठता-क्रम में रखा जाएगा तथा उसी क्रम में जितने उम्मीदवार आयोग द्वारा परीक्षाओं में पास हुए पाए जाएंगे उनकी अनारक्षित रिक्तियों की संख्या तक नियुक्ति के लिए भिफारिश की जाएगी।

लेकिन यह भी शर्तें हैं कि अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के अथवा भूतपूर्व सैनिकों अथवा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुसार न भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए आयोग निर्धारित सामान्य स्तर में रियायत देकर भी अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्यों अथवा भूतपूर्व सैनिकों अथवा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर परीक्षा में उनके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान दिए बिना ही, उनकी नियुक्ति के लिए भिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के योग्य हों।

आगे यह भी शर्तें हैं कि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति अथवा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुसार न भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए आयोग सामान्य स्तर में रियायत देकर भी भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित स्थानों में से अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति एवं शारीरिक रूप से विकलांग भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर, परीक्षा में उनके योग्यता क्रम पर ध्यान दिए बिना ही उनकी नियुक्ति के लिए भिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के योग्य हों।

16. परीक्षा-परिणाम के आधार पर नियुक्तियां करते समय किसी उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र देते समय विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताई गई प्राथमिकताओं का समुचित ध्यान रखा जाएगा।

17. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परीक्षा-फल के संबंध में उससे कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

18. आवश्यक जांच के बाद जब तक सरकार संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है, तब तक परीक्षा में पाए जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

एच० जी० मण्डल, अवर सचिव

परिशिष्ट-1

परीक्षा दो भागों में ली जाएगी अर्थात् भाग-I लिखित परीक्षा और भाग-II टंकण परीक्षा।

भाग-1 लिखित परीक्षा:—लिखित परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए अनुमत समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे:—

प्रश्न पत्र संख्या	विषय	पूर्णांक	अनुमत समय
1.	सामान्य बुद्धिमत्ता	50	
2.	अंग्रेजी भाषा	50	दो घंटे
3.	संख्यात्मक अभिरुचि	50	
4.	लिपिकीय ग्राम रुचि	50	
कुल		200	

टिप्पणी:—सभी चारों विषयों के प्रश्न "यस्तुनिष्ठ बहु-विकल्प प्रकार" के होंगे। उम्मीदवारों द्वारा सभी चारों विषयों में, अलग-अलग रूप में, अर्हता प्राप्त करना अनिवार्य होगा। आयोग अपने विवेकानुसार सभी चारों विषयों की परीक्षा के न्यूनतम अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

भाग-II: टंकण परीक्षा : टंकण परीक्षा में लगातार टाइप करने की सामग्री (रॉनिंग मैटर) का एक 10 मिनट की अवधि का पेपर होगा।

2. टंकण परीक्षा अर्थात् परीक्षा की योजना के भाग-II में बैठने के लिए केवल वही उम्मीदवार पात्र होंगे जो ऊपर उल्लिखित चारों विषयों में उत्तीर्ण होने के साथ-साथ लिखित परीक्षा में आयोग के विवेकानुसार निश्चित किया गया एक न्यूनतम मानक प्राप्त करेंगे।

3. परीक्षा के नियमों के नियम 15 के अनुसार केवल वे ही उम्मीदवार नियुक्ति के लिए सिफारिश के पात्र होंगे जो अंग्रेजी में कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी में कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट की गति से टंकण परीक्षा पास करेंगे। (यह विदेश मंत्रालय में नियुक्त टेलीफोन अपरेटरों के मामले में लागू नहीं होता)।

टिप्पणी 1:—जिन उम्मीदवारों ने मध्य लोक सेवा आयोग अथवा सचिवालय प्रशिक्षणशाला अथवा सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान अथवा अधीनस्थ सेवा आयोग अथवा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित कोई आवधिक टंकण परीक्षा अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट की गति से पहले ही पास कर रखी हो उन्हें इस परीक्षा की टंकण परीक्षा में बैठने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे उम्मीदवारों को पास की गई टंकण परीक्षा में अपना रोल नम्बर तथा परीक्षा की तारीख अवश्य सूचित करनी होगी।

टिप्पणी 2:—जो उम्मीदवार किसी शारीरिक अशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करने के लिए स्थायी रूप से अयोग्य होने का दावा करता

है, उसे अध्यक्ष, कर्मचारी चयन आयोग के पूर्वानुमोदन से इस परीक्षा के देने और पास करने की शर्त से छूट दी जा सकती है बशर्ते कि ऐसे उम्मीदवार को जब टंकण परीक्षा देने के लिए कहा जाए, तो वह सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी अर्थात् सिविल सर्जन से (निर्धारित प्रपत्र में) एक प्रमाण पत्र आयोग को प्रस्तुत करें जिसमें उनकी किसी शारीरिक अशक्तता के कारण उसे टंकण परीक्षा पास करने के लिए स्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया गया हो।

4. उम्मीदवारों को टंकण परीक्षा के लिए अपनी टाईप मशीन लानी होगी। स्टैण्डर्ड साईज के रोलर वाली मशीन टाइप के लिए काम दे सकेगी।

5. उम्मीदवारों को छूट होगी कि टंकण परीक्षा हिन्दी (देवनागरी लिपि) में दें अथवा अंग्रेजी में।

6. हिन्दी (देवनागरी लिपि) में टंकण परीक्षा में बैठने का विकल्प देने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्र में ऐसा करने की अपनी इच्छा निर्दिष्ट करनी चाहिए नहीं तो यह मान लिया जाएगा कि वह अंग्रेजी में टंकण-परीक्षा में बैठेगा। एक बार दिया गया विकल्प अन्तिम माना जाएगा और विकल्प में कोई परिवर्तन करने के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। जिन भाषा की टंकण परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार ने अपना विकल्प दिया हो, उससे इतर भाषा की टंकण परीक्षा में बैठने पर कोई श्रेय नहीं दिया जाएगा।

7. लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में दर्शाया जाएगा।

8. उम्मीदवार प्रश्न पत्र स्वयं अपने हाथ से लिखेंगे। किसी भी परिस्थिति में उन्हें अपने प्रश्न पत्रों को लिखने के लिए किसी लेखक की सहायता अनुज्ञेय नहीं होगी।

9. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक विषय अथवा सभी विषयों में अर्हक अंक निर्धारित करेगा।

अनुसूची

भाग-1 लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषयों का पाठ्यक्रम

1. सामान्य बुद्धिमत्ता—इस परीक्षा में दिए जाने वाले प्रश्न अनुदेशों को समझने, सम्बन्ध, समानताएं, सुसंगति निर्धारित करने, निष्कर्ष निकालने और इसी प्रकार के बौद्धिक कार्यकलापों पर आधारित होंगे।

2. अंग्रेजी भाषा—इस परीक्षा में प्रश्न अंग्रेजी भाषा के शब्द ज्ञान, व्याकरण, वाक्य गठन, पर्यायवाची, विलोम आदि के ज्ञान का मूल्यांकन करने के लिए तैयार किए जाएंगे। इस प्रश्नपत्र में एक प्रश्न अपठित गद्यांश का होगा।

3. संख्यात्मक अभिरूचि—प्रश्न इस तरह तैयार किए जाएंगे जिन्हें कि सम्पूर्ण संख्याओं, दशमलवों और भिन्नों तथा संख्याओं के बीच संबंध के बारे में अंकगणित सम्बन्धी गणना की योग्यता की परीक्षा की जा सके। प्रश्न अंकगणित की जटिल गणनाओं पर नहीं बल्कि अंकगणित संबंधी अवधारणों तथा संख्याओं के बीच संबंध पर आधारित होंगे।

4. लिपिकीय अभिरूचि—यह परीक्षा उम्मीदवार की प्रत्यक्ष-ज्ञानात्मक शुद्धता तथा अभिरूचि की जांच करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। ये ऐसे योग्यता हैं जिसमें नामों और संख्याओं के युग्मों की समानता तथा भिन्नता का पता चलता है। लिपिकीय अभिरूचि से संबंधित प्रश्नों से प्रत्यक्ष-ज्ञानात्मक शुद्धता तथा अभिरूचि के अलावा फार्मिंग, संक्षेपण सूचक तैयार करने आदि जैसे नेमी ढंग के कार्यालयी कामकाज निपटाने की योग्यता की भी जांच की जाएगी।

परिशिष्ट-II

उन सेवाओं/पदों से संबंधित संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

(क) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा

केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के निम्नलिखित दो ग्रेड हैं :—

1. उच्च श्रेणी ग्रेड ह० 1200-30-1560-द० र०-40-2040।

2. अवर श्रेणी ग्रेड ह० 950-20-1150-द० र०-25-1500।

2. अवर श्रेणी ग्रेड में नियुक्त व्यक्ति इस अवधि के दौरान परिवीक्षाधीन रहेंगे, सरकार द्वारा यथानिर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और विभागीय परीक्षाएं पास करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखाने पर या परीक्षाएं पास न कर सकने पर परिवीक्षाधीन व्यक्ति नौकरी से हटाया जा सकता है।

3. परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार परिवीक्षाधीन लिपिक की पुष्टि कर सकती है या यदि उसका कार्य या आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो, उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा की अवधि जितनी बढ़ाना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

4. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यकर्ता कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। उनकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय या कार्यालय में बदली भी हो सकती है जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग ले रहे हों।

5. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ग्रेड में पदोन्नति किए जाने के पात्र होंगे। स्थायी या नियमित रूप से नियुक्त किए गए अस्थायी अवर श्रेणी लिपिक, जो सरकार द्वारा इस संबंध में यथानिर्दिष्ट निर्णायक तारीख को 5 वर्ष की अनुमोदित या निरन्तर सेवा अवधि पूरी कर चुकेंगे, वे उच्च श्रेणी लिपिक की सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

6. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में सरकार द्वारा निर्धारित तारीख को कम से कम दो वर्ष अनुमोदित तथा निरन्तर सेवा करने के बाद श्रेणी "घ" के आशुलिपिकों की परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिए अधिकतम आयु सीमा निर्णायक तारीख को 50 वर्ष होनी चाहिए।

7. जिन लोगों की नियुक्ति केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में उनकी इच्छा के अनुसार की जाएगी, वे उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के काडर में अथवा रेलवे बोर्ड के सचिवालय लिपिक सेवा योजना में शामिल किसी पद पर स्थानांतरण या नियुक्ति की मांग नहीं कर सकेंगे।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा

रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय में नियुक्ति अवर श्रेणी लिपिकों की सेवा की शर्त नियुक्ति, प्रशिक्षण, पदोन्नति, आदि रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1970 से जो समय-समय पर बने हैं, संचालित होती हैं।

2. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की निम्नलिखित दो श्रेणियां हैं :—

उच्च श्रेणी लिपिक ह० 1200-30-1560-द० र०-40-2040।

अवर श्रेणी लिपिक ह० 950-20-1150-द० र०-25-1500।

3. सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणी लिपिकों के ग्रेड में ही की जाती है। अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती हुए व्यक्ति दो साल के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे और इस अवधि में उन्हें वैसे प्रशिक्षण प्राप्त करने होंगे और वैसे विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना होगा जो सरकार द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखाने पर अथवा परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर उन्हें सेवा से हटाया जा सकता है।

4. निम्न श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे। ऐसे स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त निम्न श्रेणी लिपिक, जो इस संबंध में सरकार द्वारा निर्धारित निर्णायक तारीख को रेलवे

बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुके हों, रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की उच्च श्रेणी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

5. निम्न श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में सरकार द्वारा यथानिर्धारित निर्णायक तारीख को कम से कम 2 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुकने के बाद, रेल मंत्रालय द्वारा रेलवे बोर्ड सचिवालय आणुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ख' के लिए नी जाने वाली सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिए ऊपरी आयु सीमा निर्णायक तारीख को 45 वर्ष है।

6. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय तक सीमित है और उसके कर्मचारी केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की भांति अन्य मंत्रालयों में स्थानान्तरित नहीं हो सकते हैं।

7. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के सदस्य जो इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए हैं—

- (1) पेंशन के लाभों के हकदार होंगे, और
- (2) जब वे नौकरी में नियुक्त हुए हों, खप तारीख को नियुक्त रेलवे कर्मचारियों के लिए लागू और अंश-दायी राज्य रेलवे भविष्य निधि के नियमों के अधीन उम निधि में अंशदान करेंगे।

8. रेल मंत्रालय में नियुक्त कर्मचारी अन्य रेलवे कर्मचारियों की भांति ही बराबर की मात्रा में प्रिविलेज पासों और प्रिविलेज टिकट आर्डरों के हकदार होंगे।

9. जहां तक छुट्टी तथा सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल कर्मचारियों को, उसी प्रकार की सुविधाएं हैं जैसी कि अन्य रेल कर्मचारियों को, किन्तु चिकित्सा सुविधाएं उन्हें दूसरे केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी, जिनका मुख्यालय, नई दिल्ली है, के समान है।

ग. भारतीय विदेश सेवा (ख)—ग्रेड-IV

वेतनमान: रु० 950-20-1150-२० रु०-25-1500

भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-VI में नियुक्त किए गए अधिकारी उक्त ग्रेड में आठ वर्षों की सेवा पूरी करने पर रु० 1200-30-1560-२० रु०-40-2040 के वेतनमान में ग्रेड-V में पदोन्नति के लिए पात्र हैं।

2. भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-V अधिकारी उक्त ग्रेड में पांच वर्षों की सेवा पूरी करने पर रु० 1400-40-1600-50-2300-२० रु०-60-2600 के वेतनमान में अपनी पारी पर उक्त सेवा के ग्रेड-IV में नियुक्ति के लिए पात्र होंगे।

3. भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-VI के अधिकारी, रु० 1200-30-1560-२० रु०-40-2040 के वेतनमान में उक्त ग्रेड में अपेक्षित वर्षों की सेवा पूरी करने पर सीमित विभागीय परीक्षा के आधार पर सेवा के उप-संवर्ग में आणुलिपिकों के ग्रेड-III में पदोन्नति के लिए पात्र होंगे।

4. ग्रेड-VI के ऐसे अधिकारी जो स्नातक हैं, रु० 1400-40-1600-50-2300-२० रु०-60-2600 के वेतनमान में, उक्त ग्रेड में अपेक्षित वर्षों की सेवा पूरी करने पर सीमित विभागीय परीक्षा के माध्यम से भा०वि०से० (ख) के उप-संवर्ग में सहायक के ग्रेड में पदोन्नति के लिए पात्र होंगे।

5. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त किए गए उम्मीदवार या तो मुख्यालय पर भारत के किसी भी स्थान में अथवा विदेश में जहां नियंत्रक प्राधिकारी द्वारा उन्हें तैनात किया जाता है, किसी पद पर सेवा करनी होगी।

6. विदेश सेवा के दौरान, भा०वि०से० (ख) के अधिकारियों को, उनके मूल वेतन के अतिरिक्त, उन दरों पर विदेश भत्ता मंजूर किया जाएगा जो संबंधित मुल्कों के निर्वाह व्यय आदि के आधार पर समय-समय पर मंजूर किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियम 1961 के अनुसार, जो भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों के लिए लागू है, विदेश सेवा के दौरान निम्नलिखित रियायतें भी स्वीकार्य होंगी—

- (i) सरकार द्वारा निर्धारित मानदण्ड के आधार पर निःशुल्क आवास।
- (ii) सहयोजित चिकित्सा परिचर्या योजना के अधीन चिकित्सा परिचर्या सुविधाएं।
- (iii) भारत में किसी निकट संबंधी, जिसका निर्धारण सरकार करेगी, की मृत्यु अथवा गंभीर बीमारी जैसी संकटकालीन परिस्थितियों के लिए अधिकारी की सेवा के दौरान ड्यूटी स्थान से भारत में आने और वापस जाने संबंधी अधिकतम दो बार वापसी हवाई यात्रा व्यय।
- (iv) कतिपय शर्तों पर, भारत में अध्ययन कर रहे 6 से 22 वर्ष की आयु वाले बच्चों को छुट्टी के दौरान अपने माता-पिता के पास जाने के लिए वापिक वापसी हवाई किराया।
- (v) कतिपय शर्तों पर, अधिकारी के विदेशों में तैनाती स्थान पर अध्ययन कर रहे 5 से 18 वर्ष की आयु के बीच वाले अधिकतम दो बच्चों के शिक्षा संबंध व्यय को सरकार पूरा करती है।
- (vi) विद्यमान अनुदेशों के अनुसार विदेश में तैनाती के लिए परिधान भत्ता।
- (vii) निर्धारित नियमों के अनुसार अधिकारी और उसके परिवार के लिए स्वदेश छुट्टी यात्रा व्यय।

7. सेवा में नियुक्ति, स्थायीकरण और वरिष्ठता संबंधी शर्तें भारतीय विदेश सेवा (ख) (भर्ती संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियम, 1964 के संगत उपबंधों और

किन्हीं अन्य नियमों अथवा आदेशों जिन्हें सरकार बाद में बनाए, द्वारा भी शामिल होंगी।

(घ) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा

सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में निम्नलिखित ग्रेड हैं :—

उच्च श्रेणी ग्रेड : रु० 1200-30-1560-द० रो०-40-2040।

अवर श्रेणी ग्रेड : रु० 950-20-1150-द० रो०-25-1500।

उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में पद अवर श्रेणी लिपिकों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणी ग्रेड में ही की जाती है।

2. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि तक परीक्षाधीन रहेंगे। यह अवधि सक्षम अधिकारी के विवेक पर बढ़ाई जा सकती है। इस अवधि में असंतोषजनक सेवा रिकार्ड के परिणामस्वरूप परीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से हटाया जा सकता है। परीक्षा की अवधि में उन्हें समय-समय पर यथाविहित प्रशिक्षण लेना पड़ सकता है तथा परीक्षा भी पास करनी पड़ सकती है।

3. अवर श्रेणी लिपिक समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार पुष्टिकरण तथा पदोन्नति के पात्र होंगे।

4. सशस्त्र सेना मुख्यालय में भर्ती किए गए अवर श्रेणी लिपिक आमतौर पर दिल्ली/नई दिल्ली स्थित सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अंतर सेवा संगठनों के किसी कार्यालय में नियुक्त किए जाएंगे। किन्तु लोक हित में भारत में कहीं भी उनकी बदली की जा सकती है।

5. छुट्टी चिकित्सा महायता तथा सेवा की अन्य शर्तें वही हैं जो सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अंतर सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारियों पर लागू होती हैं।

(ङ) संसदीय मामलों का विभाग

इस विभाग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पदों का वेतनमान रु० 950-20-1150-द० रो०-25-1500 है।

प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से चुनाव करके सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रखा जाएगा।

(च) भारत-तिब्बत सीमा पुलिस

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस में निम्न श्रेणी लिपिक का वेतनमान रु० 950-20-1150-द० रो०-25-1500 है।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर पदों पर नियुक्त उम्मीदवार दो वर्ष तक परीक्षाधीन होंगे।

(छ) केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा निर्वाचन आयोग

1. आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद का वेतनमान रु० 950-20-1150-द० रो०-25-1500 है।

2. केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा निर्वाचन आयोग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पद के० स० लि० से० में शामिल नहीं हैं।

3. नियुक्त किए गए व्यक्ति 2 वर्ष की अवधि तक परीक्षाधीन होंगे।

4. केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 5 वर्ष तथा निर्वाचन आयोग में 8 वर्ष की सेवा पूरी करने के पश्चात् वे उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में पदोन्नति के लिए पात्र होंगे।

तकनीकी विकास महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1986

संकल्प

(स्टील कास्टिंग उद्योग को छोड़कर फाउन्ड्री उद्योग की पैनल का गठन)

सं० फर० इन्ड०-1/11(32)/85-86—फाउन्ड्री उद्योग के बढ़ते हुए महत्व तथा अर्थ व्यवस्था में अभियांत्रिकी तथा पूंजीगत माल क्षेत्र के समर्थन में उमे जो भूमिका निभानी है एवं इस क्षेत्र में आधुनिकीकरण, प्रौद्योगिकीय निर्यात, पर्यावरण प्रदूषण नियन्त्रण आदि की सतत समीक्षा की आवश्यकता के परिप्रेक्ष्य में सरकार ने फाउन्ड्री उद्योग (कास्टिंग को छोड़कर) जिसके लिए एक अलग पैनल है के पैनल का पुनर्गठन करने का निर्णय किया है। फाउन्ड्री उद्योग के पूर्ववर्ती पैनल जिसका गठन नवम्बर 1984 में किया था, का कार्यकाल '26-11-86 को समाप्त हो गया था।

2. इस पैनल में निम्नलिखित शामिल हैं :—

1. श्री पी० आर० लाटे, अध्यक्ष
सचिव (त० वि०), तथा महा निदेशक (त० वि०),
त० वि० म० नि०,
उद्योग भवन,
नई दिल्ली।

2. श्री ए० वी० गोकाक, सदस्य
संयुक्त सचिव,
औद्योगिक विकास विभाग,
उद्योग मंत्रालय,
उद्योग भवन,
नई दिल्ली।

3. श्री बी० डी० जैथरा, " " " "
संयुक्त मलाहकार (इंजीनियरिंग);
योजना आयोग,
योजना भवन,
नई दिल्ली।

4. श्री एल० मिश्रा, " " " "
औद्योगिक मलाहकार,
त० वि० म० नि०,
उद्योग भवन,
नई दिल्ली।

5. श्री के० राघवेन्द्रन, निदेशक (एम० तथा एम०), भारतीय मानक संस्थान, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली ।	सदस्य	14. डा० बी० जी० घाटे, नोडोन फाउन्डर्स महाराष्ट्रा, लिमि०, न० 2, रहीम मेन्शन, कुलाबा कॉम्पे, बम्बई-400039	सदस्य
6. श्री डी० वसुदेव राव, प्रबन्ध निदेशक, इनीर फाउन्डरीज लिमिटेड, इनोर ।	"	15. श्री ए० गुहा, अध्यक्ष, इन्स्टीच्यूट ऑफ इन्डियन फाउन्डरीमैन, मिडिलटॉन स्ट्रीट (पहला मल), 4/2, मिडिलटॉन स्ट्रीट, कलकत्ता-700001	"
7. श्री जे० बी० पटेल, अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, घाटेज पाटिल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, ऊंचा गांव, कोल्हापुर-416005	"	16. श्री डी० पी० बोस, सहायक निदेशक (मैटालोरजी) स्माल इन्डस्ट्रीज सर्विस इन्स्टीच्यूट, उद्योग मंत्रालय गुण्डी, मद्रास ।	"
8. श्री यी० के० दीक्षित, उपाध्यक्ष, मैसूर किरलोस्कर लिमिटेड, पी० ओ० यान्त्रापुर, हरीहर-577602	"	17. श्री एम० एम० पलवकर, मुख्य कार्यकारी, शिवाजी वर्क्स लिमि०, शिवा साही, सोलापुर-413224	"
9. श्री वी० के० शर्मा, महाप्रबन्धक, डी० सी० एम० इंजी० प्रोजेक्ट्स, पोस्ट बाक्स नं० 5, रोपड़-140001 (पंजाब) ।	"	18. श्री बाई० एम० मेहता अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, पाइनियर इक्विपमेन्ट कम्पनी प्रा० लिमि०, पडरा रोड, सोसायटी बडोवरा-390005	"
10. श्री बी० जी० शास्त्री, प्रबन्ध निदेशक, डेक्टोन कार्स्टिंग लिमि०, बी-15, औद्योगिक विकास क्षेत्र, उप्पल, हैदराबाद-500039	"	19. डा० पी० एन० भगवती, भगवती स्फोकोस्ट लिमि०, 1, कृष्णा सोसायटी, एलिसब्रिज, अहमदाबाद-380006	"
11. श्री पी० सी० नियोगी, निदेशक, हैवी इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लिमि० (फाउन्ड्री एन्ड फोरेज प्लांट) रांची-834004	"	20. प्रो० डा० एच० मी० रोशन, डिपार्टमेन्ट ऑफ मेटालर्जिकल इंजीनियरिंग, आई० आई० टी०, मद्रास ।	"
12. श्री टी० के० बनर्जी, उप महा प्रबन्धक, ऑर्डेनेन्स फैक्टरीज, ग्रे ग्राइरन फाउन्डरी, जबलपुर-482009	"	21. श्री वी० कुमार, एजुकटिव निदेशक (ई० ई० पी० सी०); वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर, सीसरी मंजिल, 14/1-बी, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता-700001	"
13. श्री बी० एम० कुमार, महा प्रबन्धक (फाउन्डरी टेक्नालाजी), एच० एम० टी० लिमिटेड, 10/ए, कस्तूरबा रोड, बंगलूर-560001	"	22. प्रो० डा० ए० के० पटवर्धन, हैड, मेटालर्जिकल इंजी०, यूनिवर्सिटी ऑफ रुड़की, रुड़की ।	"
		23. श्री एस० एस० खोसला, विकास अधिकारी, त० वि० म० नि०, उद्योग भवन, नई दिल्ली ।	सदस्य-सचिव

24. जहाँ कहीं आवश्यक हो दूसरे सदस्यों का सहयोजन आग्रह की गठमति में किया जा सकता है।

3. इस पेनल के विचारणीय विषय निम्नलिखित हैं :—

(क) उद्योग की वर्तमान स्थिति तथा मापेक्ष महत्व की दृष्टि में तथा संबंधित क्षेत्रों जैसे मोटरकार, मशीनी औजार, आर्थोगिक मशीनरी के विकास कार्यक्रमों की ध्यान में रखते हुए उसके प्रगति के मापदण्ड सुझाना।

(ख) प्रौद्योगिकी के वर्तमान स्तर का मूल्यांकन करना तथा उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर विशेषतः गुणवत्ता नियन्त्रण, उर्जा/सामग्री, संरक्षण, उत्पादन, प्रदूषण, नियन्त्रण, उत्पादकता में सुधार के समक्ष लाने के मापदण्ड सुझाना।

(ग) मानकीकरण किस सीमा तक हुआ है इसकी जांच करना तथा भारतीय मानक संस्थान की सलाह से और अधिक मानकीकरण के लिए विशिष्ट कार्यक्रमों की खोज करना। जिसके लिए कुछ बड़े उपभोक्ता क्षेत्रों का पता लगाना होगा।

(घ) फाउन्डी उद्योग की आधुनिक बनाने के नये लक्ष्यों पर प्रकाश डालना।

(ङ) निर्यात वृद्धि के उपायों की सिफारिश करना।

(च) अनुसंधान तथा विकास।

(छ) उद्योग की स्थिति तथा विकास में संबंधित कोई अन्य पहलू।

4. इस पेनल का कार्यकाल 2 वर्ष रहेगा।

5. यह परामर्शी पेनल, अध्यक्ष द्वारा निदेशित स्थान पर छह माह में एक बार या यदि आवश्यकता हो, अधिक बार, स्थिति की समीक्षा करने हेतु बैठक करेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को इस संकल्प की एक प्रति प्रेषित की जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० सी० गंजवाल, निदेशक (प्रशासन)
एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1987

संकल्प

सं० 48-124/86-भेड़—भारत सरकार ने परिस्थितिकीय दृष्टि से क्षीण प्रक्षेत्र में भेड़ और बकरी पालन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक कतक बल (स्टाक फोर्मे), गठित करने का निर्णय लिया है।

2. कृतक बल में निम्नलिखित शामिल होंगे :—

1. प्रो० सी० एच० हनुमंता राव अध्यक्ष
आर्थिक विकास संस्थान
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली।

2. श्री राजिन्द्र जैन,
सचिव, सिचाई विभाग,
राजस्थान सरकार,
जयपुर।

3. श्री रमाकान्त राय सदस्य
प्रायुक्त सचिव,
सामुदायिक विकास तथा
ग्रामीण पुनर्गठन विभाग,
उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर।

4. श्री इन्द्रजीत खन्ना, सदस्य
संयुक्त सचिव (आई० आर० डी०),
ग्राम विकास विभाग,
नई दिल्ली।

5. श्री चण्डी प्रसाद भट्ट, सदस्य
पर्यावरण विज्ञानी,
दसोली ग्राम, स्वराज मण्डल,
गोपेश्वर (उ० प्र०)।

6. श्री पंजाब सिंह, सदस्य
निदेशक, भारतीय चरागाह, तथा
चारा अनुसंधान संस्थान,
झांसी।

7. डा० के० ए० शंकर नारायण, सदस्य
निदेशक, केन्द्रीय मूखा अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर।

8. श्री ओ० एन० कौल, सदस्य
महावनपाल एवं सचिव (वन),
मिजोरम, एजवाल।

9. डा० सी० कृष्णराव सदस्य
भूतपूर्व पशु पालन आयुक्त एवं कुलपति
आन्ध्र प्रदेश विश्वविद्यालय,
39, शक्ति नगर, हैदराबाद।

10. डा० जी० ए० पाण्डेय, सदस्य
सेवानिवृत्त सलाहकार,
पशुपालन, जम्मू और कश्मीर सरकार।

11. श्री एन० एम० जोधा, सदस्य
वरिष्ठ अर्थ विज्ञानी,
आई० सी० आर० आई० एम० ए० टी०,
हैदराबाद।

12. संयुक्त आयुक्त (भेड़ और बकरी), सदस्य सचिव
कृषि और सहकारिता विभाग,
भारत सरकार।

3. इस कृतक बल के विचारार्थ, विषय निम्नलिखित होंगे :—

(1) बकरी और भेड़ पालकों के आर्थिक कल्याण में बकरियों और भेड़ों के योगदान तथा पर्यावरण पर इनके प्रभाव को ध्यान में रखते हुए पारिस्थितिकीय दृष्टि से क्षीण प्रक्षेत्रों में बकरी तथा भेड़ पालन के प्रभाव का मूल्यांकन करना।

(2) यदि यह समझा जाता है कि परिस्थितिकीय दृष्टि से क्षीण प्रक्षेत्रों में बकरी तथा भेड़ पालन पर प्रतिबन्ध होना चाहिए अथवा इसका निषेध होना चाहिए तो ऐसे प्रक्षेत्रों का निर्धारण करना।

(3) ऐसे क्षेत्रों में बकरियों और भेड़ों के पालने पर प्रतिबन्ध लगाने या हतोत्साहित करने के लिए किए जाने वाले उपायों और ऐसे उपायों की लागत के सम्बन्ध में सुझाव देना।

(4) ऐसे क्षेत्र जहाँ यह व्यवसाय चालू रखा जाना है में परिस्थितिकी को होने वाली हानि को कम करने हेतु भेड़ और बकरियों से संबंधित पद्धतियों में परिवर्तन करने की सिफारिश करना।

(5) ऐसे क्षेत्रों में जहाँ भेड़/बकरी पालने पर प्रतिबन्ध लगाना है संरक्षण और पारिस्थितिकी में सामंजस्य रखते हुए गरीबी हटाओ कार्यक्रमों के लिए कोई संभव विकल्प व्यवसाय सुझाना।

(6) उपर्युक्त के सम्बन्ध में प्रासंगिक या आवर्ती किसी अन्य मामले की जांच करना।

4. कृतक बल स्वयं अपना प्रणाली विज्ञान निर्धारित कर सकता है। यह अन्य बातों के साथ-साथ यदि आवश्यक हो तो अध्ययन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा और प्रभावित व्यक्तियों और अन्य विशेषज्ञों के साथ परामर्श कर सकता है।

5. प्रभावित क्षेत्रों के दौरे सहित यदि आवश्यक हो तो बैठकों में भाग लेने के लिए निम्न प्रकार से टी० ए०/डी० ए० लिया जाए।

(क) भारत सरकार और राज्य सरकारों/संगठनों से संबंधित अधिकारियों के टी० ए०/डी० ए० उन क्षेत्रों में पूरे किए जाएं जहाँ से उनके वेतन और भत्ते लिए जाते हैं।

(ख) गैर सरकारी व्यक्तियों के मामले में टी० ए०/डी० ए० इस विभाग द्वारा वहन किय जायेंगे। इस प्रयोजन के लिए उन्हें भारत सरकार के ग्रेड-1 अधिकारी के बराबर समझा जाएगा।

6. कृतक बल अपने गठन की तारीख से चार माह की अवधि के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि प्रस्ताव की एक-एक प्रति सभी सचिवों और सभी राज्य सरकारों के निदेशक, पशुपालन, मधु शासित क्षेत्रों के प्रजासभों और विभागों और भारत सरकार के मंत्रालयों, योजना आयोग, मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधान मंत्री के कार्यालय लोक सभा सचिवालय और राज्य सभा सचिवालय को भेजा जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह प्रस्ताव भारत सरकार के राजपत्र में भी प्रकाशित किया जाए।

बी० बी० महाजन, अपर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1987

सं० 21-13/84-उर्वरक आयोग-डा० जी० बी० के० राव की अध्यक्षता में गठित उर्वरक उपभोक्ता मूल्य समिति के नाम से जानी जाने वाली उच्च शक्ति प्राप्त समिति के गठन के सम्बन्ध में इस मंत्रालय के दिनांक 23 जुलाई, 7 अक्टूबर 1985, 6 मार्च और 26 अगस्त 1986 के समसंख्यक संकल्प के क्रम ने इस समिति का कार्यकाल 1 जनवरी 1987 से 30 जून 1987 तक बढ़ाये जाने का निर्णय किया गया है। इसके अतिरिक्त डा० बी० के० धर मंगुक्त आयुक्त (उर्वरक) को इस समिति के सदस्य के रूप में काम करने के लिए मनोनीत करने का निर्णय भी लिया गया है। वे इस समिति के मंगुक्त सचिव के रूप में भी कार्य करने रहेंगे।

समिति की अन्य शर्तें वही रहेंगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इसकी एक प्रति सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को भेज दी जाये।

आदेश दिया जाता है कि इसे ग्राम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

जे० के० अरोड़ा

मंगुक्त सचिव (उर्वरक व बीज)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1987

शुद्धि-पत्र

विषय:—तरक्की-ए-उर्दू बोर्ड का पुनर्गठन

सं० एफ-3-2/85 डैस्क-III(भा०)—उपरोक्त विषय पर इस मंत्रालय के दिनांक 17-12-1986 के समसंख्यक संकल्प का आंशिक संशोधन करते हुए संकल्प की संरचना में पैरा 4 में विभिन्न विषयों/संकायों से छः उर्दू अध्येता—नामक—उपशीर्ष (iii) के अर्न्तगत क्रम सं० 2 की वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जायेगा:—

(2) डा० आनन्दराज वर्मा हैदराबाद

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस शुद्धि-पत्र को सूचनार्थ भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस शुद्धिपत्र की प्रतियां तरक्की-ए-उर्दू बोर्ड के सभी सदस्यों, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग के अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के महानिदेशक, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, राष्ट्रीय अंग्रेजी और विदेशी भाषा संस्थान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के अध्यक्षों, सभी कुलपतियों प्रधानमन्त्री के कार्यालय, मंसदीय कार्याविभाग, लोक सभा

सचिवालय, राज्यभाषा सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, योजना आयोग और भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों को भेज दी जाए।

टी० एन० धर

संयुक्त शिक्षा मन्त्रालय भारत सरकार

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी

संकल्प

सं० हिन्दी/समिति/86/38/6—भारत सरकार ने रेल मंत्रालय के दिनांक 3-10-1983 के संकल्प संख्या हिन्दी/समिति/83/38/5 के अधीन गठित रेलवे हिन्दी सलाकार समिति (जिसका कार्यकाल 2-10-1986 को समाप्त हो गया था) का तत्काल पुनर्गठन करने का विनिश्चय किया है। पुनर्गठित समिति का गठन निम्नलिखित प्रकार से होगा :—

(1) गठन :

सरकारी सदस्य—

- | | |
|--|---------|
| 1. रेल राज्य मंत्री | अध्यक्ष |
| 2. अध्यक्ष रेलवे बोर्ड | सदस्य |
| 3. वित्त आयुक्त (रेलवे बोर्ड) | सदस्य |
| 4. सदस्य कार्मिक, रेलवे बोर्ड | सदस्य |
| 5. सदस्य यातायात, रेलवे बोर्ड | सदस्य |
| 6. सदस्य इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड | सदस्य |
| 7. सदस्य यांत्रिक, रेलवे बोर्ड | सदस्य |
| 8. सचिव राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय | सदस्य |
| 9. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय | सदस्य |
| 10. सचिव, रेलवे बोर्ड | सदस्य |
| 11. कार्यकारी निदेशक, प्रवक्ता सेवाएं, रेलवे बोर्ड | सदस्य |
| 12. अध्यक्ष, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद | सदस्य |
| 13. निदेशक राजभाषा, रेलवे बोर्ड संसद सदस्य सरस्य-निवि | |
| 14. श्री एन० तोम्बी सिंह, संसद सदस्य (राज्य सभा) संसदीय राजभाषा समिति के प्रतिनिधि | सदस्य |
| 15. श्री अमराय प्रधान, संसद सदस्य (राज्य सभा) संसदीय राजभाषा समिति के प्रतिनिधि | सदस्य |

गैर सरकारी सदस्य—

16. श्री गंगा शरण सिंह, अध्यक्ष, अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ 12, राजेन्द्र नगर, पटना-800016
17. श्री कन्हैया लाल नन्दन, सम्पादक, फील्ड, टाइम्स आफ इंडिया, 7-10 ब्रह्मदुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002।
18. श्री जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, टी-2/55, काका नगर, नई दिल्ली-110003।

19. श्री वेलामुधन नायरन मंत्री, केरल हिन्दी प्रचार सभा, त्रिवेन्द्रम-695014।

20. श्री चन्द्रकान्त देवनाले, जी-6 शासकीय आवास गृह, श्री माधव नगर, उज्जैन-456001।

21. डा० राममूर्ति त्रिपाठी, हिन्दी विभागाध्यक्ष, विश्वविद्यालय, उज्जैन।

22. डा० प्रभात शास्त्री, प्रधान मंत्री, हिन्दी साहित्य सम्मेलन मार्ग सम्मेलन, 12 सम्मेलन मार्ग, इलाहाबाद-30।

23. डा० बलदेव वंशी, ए-3/283, पश्चिम बिहार, नई दिल्ली-110063।

24. आचार्य राम किशोर शास्त्री, अमेठी, मुलतानपुर (उत्तर प्रदेश)।

25. श्री सुरेन्द्र प्रताप सिंह, कार्यकारी सम्पादक, नव-भारत टाइम्स, टाइम्स आफ इण्डिया बिल्डिंग, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002।

26. श्रीबशीर अहमद म्यूख, 2 एल-17, विज्ञान नगर, कोटा (राजस्थान)।

27. श्री पी० अनन्तकृष्णन, प्रधान सचिव, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, त्यागराज नगर, मद्रास-600017।

28. डा० लक्ष्मी नारायण दूबे, रोडर, हिन्दी विभाग, डा० हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्य प्रदेश)।

29. डा० एम० एन० गुणेशन, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, मेरीना, मद्रास-600005।

30. श्री प्रकाश उपाध्याय, प्रतिनिधि—नई दुनिया, कटारिया भवन, नयी मंडूक, रतलाम-457001।

31. श्री वेमुरि राधाकृष्णन मूर्ति बी-4/एफ-2, उद्योग नगर कालोनी, पंजागुटा हैदराबाद-500048 (आन्ध्रप्रदेश)।

32. श्री हीरालाल चौबे, "विन्ध्याचल" बी-19, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली।

33. श्री सुरेश उपाध्याय, कोठी बाजार, हौशंगाबाद (मध्य प्रदेश)।

34. श्री पारसनाथ, पूर्व प्राचार्य, सतीश चन्द्र पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, चित्तगुप्त मार्ग, भृगु आश्रम, बलिया (उत्तर प्रदेश)।

35. डा० रामकुमार चतुर्वेदी, "चंचल", कोठी नं० 12, ए० बी० रोड, शिवपुरी (मध्य प्रदेश)।

36. श्री देवकर्ण सिंह राठौर, भूपाल नोबल्स कालेज, उदयपुर (राजस्थान)।

37. श्री रत्नचन्द धीर, 29 गोर पार्क, डी० ए० बी० कालेज कालोनी, जी० टी० रोड, जालन्धर-141008।

38. श्री प्रेम नारायण नागर, न्यू ब्लॉक, फिदपुरी, (मध्य-प्रदेश-473551)।

39. श्री भारत भूषण न्यागी, मोहरकर की गली, नया बाजार, लखनऊ, बालियर-9 (मध्य प्रदेश)।

40. श्री गंगा प्रसाद पांडेय, 56, पूरा पडायन, दारगंज, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)।

41. श्री शिवाजी राव आयदे, संस्थापक सचिव, मजकलहक मेमोरियल ट्रस्ट, छपरा (बिहार)।

42. श्री रामानन्द सिंह, मार्ग-3, राजेन्द्र नगर, पटना-800016।

43. श्री देवेन्द्र नारायण वर्मा, ई-1, थाटीपुर, ज्वालियर (मध्य प्रदेश-474011)।

44. श्री राम नारायण दूबे, नोवा बिला, धौलोली, नागपुर (महाराष्ट्र-440012)।

45. प्रो० नामवर सिंह, भारतीय भाषा केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, न्यू महगौली रोड, नई दिल्ली-110067।

46. श्री मुधाकर पाण्डेय, प्रधानमंत्री, नागरी प्रचारिणी-सभा, काशी, दिव्येश्वरगंज, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)।

47. श्री इन्द्रजीत सिंह, 49/46, हरपाल नगर, शि राज होटल के पीछे, लुधियाना (पंजाब)।

48. श्री ए० जी० कृष्णा, एम० आई० जी० 2, ब्लॉक 38, फ्लैट नं० 1, बाग लिंगमपल्लि, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश-500027।

49. श्री रवि कृष्ण दत्ता, कृष्ण विलास, गाजीपुर (उत्तर प्रदेश)

50. श्री रमानाथ अक्मशी, 23, पटौदी हाउस, नयी दिल्ली।

51. श्री धिनोद कुमार मिश्र, सम्पादक "दैनिक हिन्दुस्तान" हिन्दुस्तान टाइम्स हाउस, 18-20, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नयी दिल्ली।

(2) समिति के कार्य :

यह समिति केन्द्रीय हिन्दी समिति और राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर निर्धारित नितियों के अनुसार इस मंत्रालय के कामकाज में हिन्दी के प्रभावी प्रयोग में सम्बन्धित मामलों में सलाह देगी।

(3) कार्यकाल :

समिति के सदस्यों का कार्यकाल सामान्यता : समिति के गठन की तारीख से तीन वर्ष होगा, बशर्ते कि :—

(क) जो संसद सदस्य समिति के सदस्य हैं, वे संसद सदस्य न रहने पर इस समिति के सदस्य नहीं रहेंगे।

(ख) जो संसद सदस्य, संसदीय राजभाषा समिति के सदस्य होने की हैसियत से इस समिति के सदस्य हैं, वे संसदीय राजभाषा समिति के सदस्य न रहने पर इस समिति के सदस्य नहीं रहेंगे।

(ग) समिति के पदेन सदस्य अपने पद पर कार्य करते रहने तक समिति के सदस्य रहेंगे।

(घ) यदि किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने के कारण अथवा समिति की सदस्यता से त्यागपत्र दे देने के कारण स्थान खाली होता है, तो उस स्थान पर नियुक्त सदस्य तीन वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिए ही सदस्य रहेगा।

(4) सामान्य :

(1) समिति अनिवारित सदस्यों को भी सहयोजित सदस्यों के रूप में नामांकित कर सकती है और

समय-समय पर आवश्यकता अनुसार अपनी बैठकों में विशेषज्ञों को भी आमंत्रित कर सकती है। अथवा उप-समितियाँ नियुक्त कर सकती है।

(2) समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा किन्तु समिति अपनी बैठकें किसी अन्य स्थान पर भी कर सकती है।

(5) यात्रा भत्ता तथा अन्य भत्ते :

गैर-सरकारी सदस्य समिति तथा इसकी उप-समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए भारत सरकार (रेल मंत्रालय) द्वारा समय-समय पर निश्चित दरों पर यात्रा तथा दैनिक भत्ता प्राप्त करने के पात्र होंगे। समिति के अधिष्ठित काम, बैठकों आदि के विषय में उन्हें रेल यात्रा के लिए पहले दर्जे का रेलवे पास दिया जाएगा।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा तथा राज्य सभा सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेज दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

सतीश मोहन वेंश
सचिव, रेलवे बोर्ड
तथा

भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)
नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1987
नियमावली

सं० 86/ई (जी० आर०) 1/2/9—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियाँ भरने के लिए 1987 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा—इंजीनियरी सेवा परीक्षा की नियमावली मंत्रालयों/विभागों की सहमति से सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :—

वर्ग 1—सिविल इंजीनियरी

ग्रुप क सेवाएं/पद

- (1) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (3) केन्द्रीय इंजीनियरी पद
- (4) सैनिक इंजीनियरी सेवा (भवन तथा सड़क संवर्ग)
- (5) सैन्य इंजीनियरी सेवा (निर्माण सर्वेक्षक संवर्ग)
- (6) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (7) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- (8) सहायक इंजीनियर (मिविल), डाक-तार मिविल इंजीनियरी स्कन्ध।

- (9) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियर शाखा)
सिविल इंजीनियरी पद ।

ग्रुप ख सेवाएं/पद

- (10) सहायक इंजीनियर (सिविल), सिविल निर्माण स्कन्ध,
आकाशवाणी ।

वर्ग 2—यांत्रिक इंजीनियरी

ग्रुप क सेवाएं/पद

- (1) यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भण्डार सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (3) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (4) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (5) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा)
(यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (6) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा, (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (7) सहायक प्रबन्धक (कारखाना) (डाक-तार दूर-संचार कारखाना संगठन) ।
- (8) सैन्य इंजीनियर सेवा (वैद्युत और यांत्रिक संवर्ग)
(यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (9) कर्मशाला अधिकारी (यांत्रिक) ई० एम० ई० कोर,
रक्षा मंत्रालय ।
- (10) केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (11) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियर का पद)
तकनीकी विकास महानिदेशालय (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।
- (12) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत तथा यांत्रिक),
यांत्रिक इंजीनियरी पद, सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' ।
- (13) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप "क" (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।

ग्रुप "ख" सेवाएँ/पद

- (14) कर्मशाला अधिकारी (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय ।

वर्ग 3—वैद्युत इंजीनियरी

ग्रुप क सेवाएँ/पद

- (1) वैद्युत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भंडार सेना (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।
- (3) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा)
(वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

- (5) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

- (6) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

- (7) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (वैद्युत) (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध) ।

- (8) कर्मशाला अधिकारी (वैद्युत) ई० एम० ई० कोर रक्षा मंत्रालय ।

- (9) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानिदेशालय (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

- (10) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप "क" (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।

- (11) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत और यांत्रिक) वैद्युत इंजीनियरी पद सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ।

ग्रुप ख सेवाएं/पद

- (12) सहायक इंजीनियरी (वैद्युत), सिविल निर्माण स्कन्ध,
आकाशवाणी ।

- (13) कर्मशाला अधिकारी (वैद्युत), ई० एम० ई० कोर रक्षा मंत्रालय ।

वर्ग 4—इलैक्ट्रानिकी और दूर-संचार इंजीनियरी

ग्रुप क सेवाएं/पद

- (1) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ।
- (2) भारतीय रेल भंडार सेवा (दूर संचार) (इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।
- (3) भारतीय दूर संचार सेवा ।
- (4) इंजीनियर वायरलेस आयोजन और समन्वय स्कन्ध/
अनश्रवण संगठन ।
- (5) भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा ।
- (6) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा)
(इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।
- (7) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।
- (8) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (दूर संचार इंजीनियरी पद) ।
- (9) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महानिदेशालय (इलैक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी पद) ।
- (10) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप "क" (इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) ।
- (11) कर्मशाला अधिकारी (इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद)
ई० एम० ई० कोर रक्षा मंत्रालय ।

ग्रुप ख सेवाएं/पद

- (12) कर्मशाला अधिकारी इलैक्ट्रानिकी (इंजीनियरी पद)
ई० एम० ई० कोर रक्षा मंत्रालय ।

1. परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इन नियमों के परिशिष्ट 1 निर्धारित नीति से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग निश्चित करेगा।

2. उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाओं/पदों के वर्ग में से किसी एक या अधिक के लिए प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आवेदन-पत्र में उन सेवाओं/पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिसके लिए वह वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक हो।

विशेष ध्यान 1:—उम्मीदवार जिन सेवा/पद से संबद्ध वर्ग/वर्गों अर्थात् सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी के प्रतियोगी हैं (नियमावली की प्रस्तावना देखिए) उनके अन्तर्गत आने वाली सेवाओं/पदों के बारे में उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट वरीयताओं में परिवर्तन के अनुरोध पर कोई ध्यान तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक ऐसे परिवर्तन का अनुरोध आयोग के कार्यालय में लिखित परीक्षा के परिणाम के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर प्राप्त नहीं हो जाता है। आयोग या रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) उम्मीदवारों को कोई ऐसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे उनके आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए परिशोधित वरीयता निर्दिष्ट करने को कहा जाए।

विशेष ध्यान 2 :—उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरीयता बताएं जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों जिन सेवाओं और पदों के लिए वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पदों से सम्बन्धित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है। उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विशेष ध्यान 3 :—वे विभागीय उम्मीदवार, जिन्हें आयु सीमा में छूट के अधीन [देखिए नियम 5(ख)] परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी गयी है, अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त किए जाने के लिए भी अपनी वरीयता दे सकते हैं। तथापि पहले उन्हें उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न होने अथवा ऐसे उम्मीदवारों के उनके अपने ही विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही उनके द्वारा दी गयी वरीयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्त करने के संबंध में विचार किया जाएगा।

विशेष ध्यान 4:—नियम 6 के उपबंध के अंतर्गत परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की केवल उन्हीं वरीयताओं पर विचार किया जाएगा जो उक्त उपबंध में निर्दिष्ट पदों के लिए हैं और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयताओं यदि कोई हों पर विचार नहीं किया जाएगा।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए

नोटिस में विनिर्दिष्ट की जाएगी अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

4. कोई उम्मीदवार या तो :—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थायी निवास के इरादे से 1 जनवरी 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थायी निवास के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार के पूर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया मलावी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवाजन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान कर दिया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त 1987 को 20 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 28 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1959 से पहले और 1 अगस्त, 1967 के बाद न हुआ हो।

(ख) नियम-दो के नीचे दिए गए विशेष ध्यान (3) में निर्दिष्ट शर्तों के अध्वधीन रहते हुए निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारियों के लिए, यदि वे नीचे दिए गए कालम-1 में निर्दिष्ट प्राधिकरणों के नियंत्रणाधीन किसी विभाग/कार्यालय में नियुक्त हैं और कालम-2 में निर्दिष्ट सभी अथवा किसी सेवा (सेवाओं)/पद (पदों) के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने हेतु, जिनके लिए वे अन्यथा पात्र हैं, आवेदन करते हैं—ऊपरी आयु-सीमा 28 वर्ष के स्थान पर 33 वर्ष होगी :

(1) वह उम्मीदवार जो सम्बद्ध विभाग/कार्यालय विशेष में मूल रूप से स्थायी पद पर हैं। उक्त विभाग/कार्यालय में स्थायी पद पर नियुक्ति परीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परीक्षा की अवधि के दौरान यह छूट नहीं मिलेगी।

- (2) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 1987 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थायी सेवा नियमित आधार पर कर चुका हो।

कालम 1	कालम 2
रेल विभाग	आई० आर० एस० ई०, आई० आर० एस० ई० ई०, आई० आर० एस० एस० ई०, आई० आर० एस० एम० ई०, आई० आर० एस० एस०
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग	सी० ई० एस० ग्रुप क, सी० ई० एण्ड एम० ई० एस० ग्रुप क।
इंजीनियर-इन-चीफ, थल सेना मुख्यालय	एम० ई० एस० ग्रुप क (बी० एण्ड आर० कैडर निर्माण सर्वेक्षक संवर्ग) एम० ई० एस० ग्रुप क (ई० एण्ड एम० कैडर)
आयुध कारखाना महा-निदेशालय	आई० ओ० एफ० एस० ग्रुप क
केन्द्रीय जल आयोग	सी० डब्ल्यू० ई० (ग्रुप क) सेवा।
केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण	सी० पी० ई० (ग्रुप क) सेवा।
बेतार आयोजन तथा समन्वय स्कंध अनुश्रवण संगठन	इंजीनियर (ग्रुप क)।
सड़क सीमा संगठन	सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा।
आकाशवाणी दूरदर्शन	भारतीय प्रसारण (इंजीनियरी) सेवा का कनिष्ठ वेतनमान, सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (सिविल/इलेक्ट्रिकल), सिविल कन्स्ट्रक्शन विंग, आकाशवाणी।
भारतीय नौ सेना	भारतीय नौसेना आयुध सेवा।
डाक तार विभाग	भारतीय दूरसंचार सेवा, ग्रुप क सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल विद्युत्) ग्रुप क, डाक तार सिविल स्कंध, सहायक प्रबन्धक (कारखाना) ग्रुप क, डाक तार दूरसंचार कारखाना संगठन।
तकनीकी विकास महानिदेशालय	सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) ग्रुप "क"।
आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय	आई० एस० एस० (ग्रुप 'क')।

टिप्पणी :—प्रशिक्षुता की अवधि के बाद यदि रेलों में किसी कार्यकारी पद पर नियुक्ति हो जाती है तो आयु में छूट के प्रयोजन के लिए प्रशिक्षुता की अवधि रेल सेवा मानी जायेगी।

(ग) इसके अलावा निम्नलिखित स्थितियों में भी ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक,

- (2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;

- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;

- (4) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 से भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और अक्टूबर, 1964 को या उसके बाद भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

- (6) यदि उम्मीदवार बर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत-मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

- (7) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

- (8) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;

- (9) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;

- (10) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय परिपत्र हों) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण पत्र है और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष;

- (11) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतमूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय परिपत्र हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाणपत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक ;
- (12) यदि उम्मीदवार भारतमूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो या जांबिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;
- (13) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और भारतमूलक वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रवासित हो या जांबिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से भारतमूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ;
- (14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 अगस्त, 1987 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1987 से छः महीने के अन्दर पूरा होना है (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (iii) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक ;
- (15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 अगस्त, 1987 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i), कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 अगस्त, 1987 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (iii) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक ;
- (16) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1987 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाणपत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष ;
- (17) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 अगस्त, 1987 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाणपत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष ;
- (18) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रव्रजन कर चुका था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक ;
- (19) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रव्रजन कर चुका था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक ;
- (20) यदि कोई उम्मीदवार पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः अरुम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक ;
- (21) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः अरुम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक ग्यारह वर्ष तक ;

टिप्पणी :—भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पुनः रोजगार हेतु भूतपूर्व सैनिकों को दिए जाने वाले लाभों को लेने के बाद सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, वे

उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(ग) 14 और 5(ग) 15 के अर्थात् आय सीमा में छूट के लिए पात्र नहीं है।

विशेष ध्यान:—जिन उम्मीदवारों को उपर्युक्त, नियम 5(ख) या (ग) में उल्लिखित आय संबंधी रियायतें देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है उसकी उम्मीदवारी उस स्थिति में रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद वह परीक्षा देने से पहले या बाद में सेवा से त्याग पत्र दे देता है या उसके विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छूटनी हो जाती है तो वह परीक्षा देने का पात्र बना रहेगा।

जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस सेवा/पद हेतु विभाग की आयु संबंधी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता बशर्ते कि उसका आवेदन-पत्र उसके मूल विभाग द्वारा अंग्रेजित कर दिया गया है।

उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आय सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

6. उम्मीदवार—

- (क) के पास भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्थान से इंजीनियरी में डिग्री होनी चाहिए, अथवा
- (ख) इंजीनियरों की संस्था (भारत) की परीक्षा का भाग क और ख उत्तीर्ण हो; अथवा
- (ग) के पास किसी विदेशी विश्वविद्यालय/कालिज/संस्था से इंजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए, जिसे समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो, अथवा
- (घ) इलैक्ट्रानिकी और दूर संचार इंजीनियरों की संस्था (भारत) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो; अथवा
- (ङ) भारतीय वैमानिकी सोसायटी की एसोशिएट मेम्बरशिप परीक्षा भाग II और III खण्ड क और ख उत्तीर्ण का; या
- (च) यांत्रिक इंजीनियरों की संस्था (भारत) की एसोशिएट मेम्बरशिप परीक्षा (भाग क और ख) उत्तीर्ण हो;
- (छ) नवम्बर, 1959 के बाद ली गई इलैक्ट्रानिकी और रेडियो संचार इंजीनियरों की संस्था (लन्दन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

नवम्बर, 1959 से पहले इलैक्ट्रानिकी और रेडियो इंजीनियरों की संस्था (लन्दन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा भी निम्नलिखित स्थितियों में स्वीकार्य होगी :—

- (1) कि जिन उम्मीदवारों ने नवम्बर, 1959 से पहले ली गई परीक्षा उत्तीर्ण की है वे ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा की 1959 के बाद की योजना के अनुसार निम्नलिखित अतिरिक्त प्रश्न-पत्रों में बैठें हों और उनमें उत्तीर्ण हों—

(1) रेडियो और इलैक्ट्रानिकी 1 के शिक्षांत (सेक्शन "ए")

(2) गणित 2 (सेक्शन "बी")।

- (2) कि सम्बद्ध उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) पर निर्धारित शर्तों को पूरा करने के लिए इलैक्ट्रानिकी और रेडियो इंजीनियरी की संस्था लन्दन से प्रमाण-पत्र लेकर प्रस्तुत करना चाहिए।

किन्तु वायरलेस आयोजन तथा समन्वय स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन संचार मंत्रालय में इंजीनियरी ग्रुप क, भारतीय प्रसारण इंजीनियरी सेवा तथा भारतीय नौसेना आयुद्ध सेवा (इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) के पदों के लिए उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नलिखित योग्यता हो जैसे:—

वायरलेस संचार इलैक्ट्रानिकी रेडियो भौतिक या रेडियो इंजीनियरों के विशेष विषय के साथ एम० एम० सी० डिग्री या समकक्ष।

टिप्पणी 1—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे वह उत्तीर्ण कर लेने पर शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 नवम्बर 1987 तक नीचे निर्धारित पत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी 2—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो, बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

टिप्पणी 3—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हक प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उससे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 8 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हों अथवा जो लोक उद्यमों में सेवारत हों उन सबको इस आशय का परिचय (अपडेटिंग) देना होगा किन उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य-साधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे वक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अमर प्रशंसा की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार गं दुर्व्यवहार किया हो, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो,

(11) परीक्षा की अनुमति देते हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्र के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया है, अथवा

(12) उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवग्रेत करने का प्रयत्न किया हो।

तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे:—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :—

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक:—

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में, आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग की विवेका पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाए जा सकते तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

13. साक्षात्कार के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप से लिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बताएगा और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी आरक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों की योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुमति दी जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं चुने जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा वे (स्तर में छूट देकर) चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई स्थान हो। नियुक्ति के लिए अनुसूचित किए जा सकेंगे, बशर्ते कि वे उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए वरीयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

विभागीय उम्मीदवारों को पहले उन्हें उनके अपने ही विभाग में सेवाओं/पदों पर नियुक्ति करने पर विचार दिया जाएगा और केवल उन विभागों में रिक्तियों के न होने अथवा ऐसे उम्मीदवारों के, उनके अपने विभागों में सेवाओं/पदों के लिए चिकित्सा जांच में अयोग्य रहने की स्थिति में ही, उन्हें उनके द्वारा दी गई वरीयताओं के आधार पर अन्य मंत्रालयों/विभागों में सेवाओं/पदों पर नियुक्ति करने के संबंध में विचार दिया जाएगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतामुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरी परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनकी डाक्टरी जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद आने वाले नये वियरा का की जाएगी (शनिवार और रविवार छुट्टियों वाले दिन डाक्टरी जांच नहीं होगी) इस प्रयोजन के लिए सभी सफल उम्मीदवारों को प्रातः 9.00 बजे प्रतिरिक्त मुख्य

चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे, बसंत लेन, नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार चपमा लगाते हों तो उन्हें हाल ही के चश्मे के नंबर के साथ मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरी जांच की तारीख या स्थान में परिवर्तन का अनुरोध सामान्यतः स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को यह नोट कर लेना चाहिए की किसी भी हालत में डाक्टरी जांच से छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित शारीरिक परीक्षा से संबंधित विनियमों की ओर आकर्षित किया जाता है। उसमें विभिन्न सेवाओं के लिए शारीरिक स्वस्थता के मापदण्ड अलग-अलग हैं। अतः उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि जिन सेवाओं के लिए वे प्रतियोगी हैं जिनके सेवाओं/पदों के लिए सं० लो० से० आ० की वरीयता बतायी है उन सेवाओं के विशेष संवर्ग में इन मापदण्डों को ध्यान में रखें।

उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि :—

- (1) उनको (सोलह रुपये) ₹० 16/- की नकद राशि मेडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी;
- (2) डाक्टरी जांच के सम्बन्ध में की कई यात्राओं के लिए उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और
- (3) उम्मीदवार की डाक्टरी जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया ही जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उनको रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा डाक्टरी जांच से संबंधित अलग से कोई सूचना नहीं भेजी जायेगी।

निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरी परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट II में दिए गए हैं। 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निमुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों को प्रत्येक सेवा की अपेक्षाओं में स्तर में से छूट दे सकती है।

18. जिस व्यक्ति ने—

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नि पहले से है, या
- (ख) जीवित पति/पत्नि के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में प्रवेश से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सहायक होगा जो कि उम्मीदवार को सेवा में प्रवेश के बाद उत्तीर्ण करनी है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट में दिया गया है।

एस० एम० वैश्य, सचिव, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट 1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग 1—लिखित परीक्षा दो भागों में होगी। भाग 1 में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग 2 में परम्परागत प्रश्न होंगे। दोनों भागों में संगत इंजीनियरी शिक्षा शाखाओं जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, विद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूर संचार इंजीनियरी की पूरी पाठ्यचर्या होगी। इन प्रश्न पत्रों के लिये निर्धारित स्तर तथा पाठ्यचर्या परिशिष्ट की अनुसूची में दिए गए हैं। लिखित परीक्षा का विवरण जैसे विषय, प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गए हैं।

भाग 2—लिखित परीक्षा के आधार पर ग्रहण प्राप्त करने वाले उम्मीदवार का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी:—

श्रेणी I—सिविल इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न—पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण			
(भाग क: सामान्य अंग्रेजी)	01	2 घंटे	200
(भाग ख: सामान्य अध्ययन)	02		
सिविल इंजीनियरी			
प्रश्न-पत्र I	11	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी			
प्रश्न-पत्र II	12	2 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	13	3 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	14	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी III—यांत्रिक इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण		2 घंटे	200
(भाग क: सामान्य अंग्रेजी)	01		
(भाग ख: सामान्य अध्ययन)	02		
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	21	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	22	2 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	23	3 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	24	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी III—विद्युत इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण		2 घंटे	200
(भाग क: सामान्य अंग्रेजी)	01		
(भाग ख: सामान्य अध्ययन)	02		
विद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	41	2 घंटे	200
विद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	42	2 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
विद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	43	3 घंटे	200
विद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	44	3 घंटे	200
योग			1000

श्रेणी IV—इलेक्ट्रॉनिक्स और दूर-संचार इंजीनियरी

(नियमावली की प्रस्तावना देखिए)

विषय	कोड	अवधि	पूर्णांक
खण्ड I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र			
सामान्य योग्यता परीक्षण		2 घंटे	2000
(भाग क: सामान्य अंग्रेजी)	01		
(भाग ख: सामान्य अध्ययन)	02		
इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	61	2 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	62	2 घंटे	200
खण्ड II—परम्परागत प्रश्न-पत्र			
इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	63	3 घंटे	200
इलेक्ट्रॉनिक्स तथा दूर-संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	64	3 घंटे	200
योग			1000

3. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहले तथा मेषा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक उर्जस्विता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिये जायें। प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपनी विवक्षा से परीक्षा के किसी एक्य सभी विषयों के अंक निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिये जायेंगे।

8. लिखाई खराब होने पर लिखित विषयों के पूर्णांक में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिये जायेंगे।

9. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात को श्रेय दिया जायेगा कि अभिव्यक्ति कम शब्दों में कमबख्त प्रभाव पूर्ण ढंग की और सही हो।

10. प्रश्न-पत्रों में यथा आवश्यक तोल और माप की मीटरी प्रणाली से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायेंगे।

नोट—उम्मीदवारों को जब भी जरूरी समझा जाएगा परीक्षा भवन में सन्वर्भ हेतु भारतीय मानक संख्या द्वारा संकलित तथा प्रकाशित मीटरी इकाइयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी।

11. उम्मीदवारों को परम्परागत (निर्बंध) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैटरी से चलने वाले पॉकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तु-परक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

12. उम्मीदवार को प्रश्न-पत्र के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

परीक्षित 1 की अनुसूची

स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न पत्र का स्तर वही होगा जैसा कि एक इंजीनियरी/विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है। अन्य विषयों के प्रश्न पत्रों के स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी डिग्री स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा। किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

सामान्य योग्यता परीक्षण

भाग (क) सामान्य अंग्रेजी (कोड सं. 01):—अंग्रेजी का प्रश्न-पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार को अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग की जांच हो सके।

भाग (ख) सामान्य अध्ययन (कोड सं. 02):—सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र से सामायिक घटनाओं और ऐसी बातों की, उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देते हुए, जानकारी सम्मिलित होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती है तथा जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है। प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे, प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किए बिना ही दे सकेंगे।

सिविल इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 11 और परम्परा-गत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 13

1. भवन सामग्री और निर्माण—पत्थर, इमारती लकड़ी, ईंट, सीमेंट, लेप, कंक्रीट रचित, इत्यादि।
2. धन यांत्रिकी—प्रतिबल, विकृति, धन द्रव्य का विफल सिद्धांत, साधारण बंकन और विमोटन के सिद्धांत, अपरूपण केन्द्र
3. आलेखी स्थैतिकी—बल बहुभुज, प्रतिबल आरेख
4. संरचनात्मक विश्लेषण—ट्रसेज और फ्रेम का विश्लेषण प्लास्टिक विश्लेषण का परिचय
5. धातु संरचना का अभिकल्पन—कार्यकारी प्रतिबल और साधारण संरचना के चरम सामर्थ्य अभिकल्पन
6. कंक्रीट और चिनाई रचना के अभिकल्पन—चिनाई दीवार का अभिकल्पन, कार्यकारी प्रतिबल समतल का अभिकल्पन, प्रबलित और प्रतिबलित कंक्रीट प्रबलित और प्रतिकूलित का चरम सामर्थ्य अभिकल्पन।

प्रश्न पत्र-1।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए कोड सं. 12 और परम्परागत प्रश्न पत्र के लिए कोड सं. 14

1. तरल यांत्रिकी जल स्तरोत; इंजीनियरी। विवृत चैनल और पाइप प्रवाह, जल विज्ञान, नहरों का अभिकल्पन और जलीय संरचना।
2. मृदा यांत्रिकी और आधार इंजीनियरी और उनके सामान्य सिद्धांत, प्रबलता प्राचल; भूमि दाब के सिद्धांत उथले और गहरे आधारों के अभिकल्प।
3. रेल इंजीनियरी तथा सर्वेक्षण कार्य सहित परिवहन इंजीनियरी, सड़क अतिउन्नयन नियमन प्रवणता, कुटिम, यातायात नियंत्रण, अभिकल्पन विचारण।
4. पर्यावरण इंजीनियरी—जल स्वच्छता, सीबेज अभिक्रिया एवं निपटान।

5. निर्माण, नियोजन और प्रबंध

निर्माण पद्धति के तत्व, बार चाट, सी.पी.एस.
पी.ई.आर.टी.

यांत्रिकी इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र ।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए कोड सं. 21 और
परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 23

1. उष्मागतिकी

नियम, आवर्ष गैसों और वाष्प के गुण धर्म, विद्युत
चक्र, गैस पावर चक्र, गैस टरबाइन चक्र, ईंधन
दहन।

2. आइ.सी. इंजन

सी.आइ. और एस.आइ. इंजन, अभिस्फोटन
ईंधन अंतःश्रंषण और कार्यरक्षण निष्पादन और
परीक्षण टर्बो जेट और टर्बो प्रोपेलर इंजन, राकेट
इंजन नाभिकीय शक्ति संयंत्र और नाभिकीय ईंधन
का प्रारम्भिक ज्ञान।

3. वाष्प बायलर, ईंधन, वाष्प टरबाइन, प्रारूप,
नाजल से वाष्प प्रवाह, आवेग और अभिक्रिया
टरबाइन के वेग आरेख, दक्षता और नियंत्रण।4. संपीड़न, गैस गतिकी और गैस टरबाइन प्रत्यागामी,
केंद्राभिमुख और अक्षीय प्रवाह के संपीड़ित वेग आरेख/
दक्षता और निष्पादन। प्रवाह पर यांत्रिकी अंकों
का प्रभाव, आइसेन ट्रापिक प्रवाह, नाजल से सामान्य
प्रपात और प्रवाह बहुचरणीय संपीड़न सहित गैस
टरबाइन चक्र, पुनरुत्पन्न, पुनरुत्पादन।5. उष्मा अंतरण, प्रशीतन और वातानुकूलन चालन,
संवहन और विकरण उष्मा/निर्निमित्यक प्ररूप।
सम्मिलित उष्मा अंतरण। संपूर्ण उष्मा अंतरण
गुणांक प्रशीतन और उष्मा पंप चक्र। प्रशीतन प्रणाली।
निष्पादन के गुणांक—साइक्रोमीट्रिक और साइक्रो-
मीट्रिक चाट कम्पट सूचक, प्रशीतन और निराश्री-
करण विधि। औद्योगिक वातानुकूल प्रक्रिया। शीतल
और तापन भार गणना।6. तरलों के वर्गीकरण और गुणधर्म, तरल स्थैतिकी
शुद्ध गतिकीय और गतिकी; सिद्धांत और प्रयोग।
वातांतरमापीय और उत्पादन। आवर्ष तरलों का
प्रवाह। स्तरीय तथा प्रक्षुब्ध प्रवाह। पट्टिसीमा स्तर
सिद्धांत। निमज्जित वस्तुओं पर प्रवाह। पाइपों और
खुली नालियों में प्रवाह, वित्रीय विश्लेषण तथा सादस्य
तकनीक अविमीय विशिष्ट गति तथा सामान्यतः तरल
मशीनों का वर्गीकरण ऊर्जा हस्तांतरण संबंध।
पंपों और आवेगों तथा प्रतिक्रिया जल टरबाइन का
निष्पादन और संचालन। द्वंगति विद्युत संचारण।

प्रश्न-पत्र ।।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए कोड सं. 22 और
परम्परागत प्रश्न पत्र के लिए कोड सं. 24

7. मशीनों का सिद्धांत (1) गतिमान पिंड (2) मशीनों
के वेग और त्वरण क्लाइन का निर्माण, मशीनों में

जड़त्व बल कैंस, गीयर और गियरन गतिपालक
चक्र और नियामक पिंडों का पूर्ण एवं प्रत्यागामी-
संतुलन स्वतंत्र और प्रणीत कम्पमान की
प्रणाली शैल की क्रांतिक गति और भूमरी।

8. मशीन अभिकल्पन—पेंच बंधन और पावर स्क्रू का
आइ—कृत्रियां कोटरस, यूल्मन—बेल्ड सीध
पारगमन पद्धति :—पट्टा और चैन जालित—सार
रज्जु—शेफ्ट।
गियर—सपी और रोलिंग बेयरिंग।

9. पदार्थों की सबलता :

द्विमीय प्रतिबल और विकृति मोहर से चक्र प्रत्या-
स्थिती के बीच संबंध।

किरणपुंज—बंकन आधुन शपलक बल और विक्षेप
शेफ्ट—सम्मिलित बंकन प्रत्यक्ष और मरोड़ी प्रतिबल
स्थूल—बेल्ड सिलिण्डर और दाब के अंतर्गत गोलक
स्प्रिंग, जालम्बन स्तम्भ और ध्वजम्, विफलन का
सिद्धांत।

10. इंजीनियरी पदार्थ :

मिश्र धातु और ताप अभिक्रिया; संयोजन गुणधर्म
और प्रयोग प्लास्टिक और अन्य नए इंजीनियरी पदार्थ।

11. उत्पादन इंजीनियरी :

धातु मशीनीकरण :—कटन औजार, और धातु,
चिसाई और यांत्रिकणीयता कर्तन शक्ति का माप
प्रक्रियाएं—मशीनीकरण—श्रेषण, वेधन, गोबर,
निर्माण धातु रूपांकन, धातु संघकन और सम्मिलित
बैसिक, विशेष प्रयोजन, कार्यक्रम और संख्यात्मक।
नियंत्रित मशीनी औजार, जिग और अनुलग्नी (तरलों
का अवस्थापन)।

12. औद्योगिक इंजीनियरी :

कार्य अध्ययन और कार्य की माप मजदूरी प्रोत्साहन
उत्पादन कीमत और उत्पादन प्रणाली का अभिकल्पन,
संयंत्र विन्यास के सिद्धांत—उत्पादन नियोजन एवं
नियंत्रण, पदार्थ व्यवस्था सक्रिय विज्ञान। रैखिक
प्रोग्रामन् पंक्ति सिद्धांत इंजीनियरी जाल विश्लेषण।
सी. पी. एम. एवं पी. ई. आर. टी. संगुणकों
का उपयोग।

विद्युत इंजीनियरी

(वस्तुपरक और परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न पत्र—।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 41 और
परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 43

1. विद्युत परिपत्र :

जाल प्रमेय, ज्यावकीय जाल के सोपानों, रैम्प,
अमवेग और ज्यावकीय निवेश की अनुरिकिया, आवृत्ति
क्षेत्र का विश्लेषण, द्विप्रकार, जल सश्लेषण का तत्व
संकेत—प्रवाह ग्राफ।

2. ई. एम. सिद्धांत :

विद्युत स्थैतिक, संविध प्रणाली का प्रयोग करते हुए
चम्बक स्थैतिक चुम्बकीय पदार्थों और चालक की
अन्तर्गत पराविद्युत के क्षेत्र। समय परवर्ती क्षेत्र।

अक्सबल का समीकरण, बालन परावर्तित मिडिया में समतल तरंग संवर्णन, संवर्णन लाइन का गुणधर्म।

2. पदार्थ विज्ञान। (विद्युत—पदार्थ)

पट्ट सिद्धांत स्थितिज और वैकल्पिक क्षेत्रों का व्यवहार, दाब विद्युत। धातु की बालकता अति बालकता, पदार्थों का चुम्बकीय गुणधर्म। कैरों और कैरी—चुम्बकत्व अर्धचालकों में बालकता हाल प्रभाव।

4. वैद्युत मापन :

मापन के सिद्धांत, परिपथ पेरामीटर का संतुलन मापन का माप यंत्र। बी. टी. बी. एम. तथा सी. आर. ओ. ड्यू.—मीटर, स्पेक्ट्रम विश्लेषक। ट्रान्सड्यूसर्स तथा गैर-विद्युत मात्राओं का मापन, अंकीय मापन दूरमापन तथा अभिलेखन तथा प्रवेश।

प्रश्न पत्र—1।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 42 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 44

5. अभिकलन के तत्व :

अंकीय प्रणाली, एलॉगिटम विधियाँ, प्रवाह-सांकेतिक चक्र, प्रारूप विवरण, सारणी भण्डार अंक गणित निष्पीडित, तार्किक निष्पीडन निर्विष्टीकरण विवरण, कार्यक्रम संरचना, वैज्ञानिक तथा इंजीनियरी अनु-प्रयोग।

6. वैद्युत उपकरण तथा प्रणालियाँ :

वैद्युत यांत्रिकी : वैद्युत यांत्रिकीय उर्जा रूपान्तरण सिद्धांत। डी. सी., तुल्यकालिक तथा प्रेरण मशीनों का विश्लेषण। भिन्न काम से अक्षय-शक्ति प्राप्त। नियन्त्रण प्रणालियों में मशीनें ट्रांसफार्मर्स। चुम्बकीय परिपथ तथा परिचालकों के लिए मोटर्स का चयन।

विद्युत प्रणाली—विद्युत उत्पादन : तापीय, जलीय बालक, विद्युत प्रणाली रक्षण। आर्थिक और बालक, लोड आवृत्ति—नियंत्रण, स्थायित्व विश-लेखन।

7. नियंत्रण प्रणालियाँ :

विद्युत—पाश तथा स्वतः पाश प्रणालियाँ, अनुक्रिया विश्लेषण, मूल केन्द्र प्रविधि, स्थायित्व, प्रतिपूरण तथा अभिकल्पन प्रविधियाँ। स्थिति-परिवर्ती उप-गमन।

8. इलेक्ट्रानिक तथा संचार :

इलेक्ट्रानिकी :—बनावस्था युक्तियों तथा परिपथ तथा सिगनल प्रवर्धक अभिकल्प, पुनर्भरण प्रवर्धक शालम तथा सक्रियात्मक प्रवर्धक एफ. टी. परिपथ तथा रैखिक आर्. सी.। स्वचालन परिपथ बुलिय बीजगणित, तर्क परिपथ, सांयोजिक तथा अनु-क्रमिक अंकीय परिपथ।

संचार :—सिगनल विश्लेषण, सिगनलों का प्रेषण। माड्यूलन तथा कोडिंग प्रकार की संचार प्रणालियों का सम्मेलन। संचार प्रणालियों का निष्पादन।

इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी (वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्नपत्र 1।

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 61 और परम्परागत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 63

पदार्थ

1. सामग्री, घटक तथा युक्तियाँ :

वैद्युत इंजीनियरी सामग्रियों की संरचना तथा गुण-धर्म निष्क्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म। सक्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म। बनावस्था युक्तियों भौतिक, लक्षण तथा नमूने।

2. जाल सिद्धांत :

जाल प्रमेय। विद्युत परिपथों की स्थिर अवस्था तथा क्षणिक अनुक्रिया। परिपथ जाल विश्लेषण। प्रारम्भिक परिपथ जाल संश्लेषण।

3. विद्युत चुम्बकीय सिद्धांत :

क्षेत्रगत सिद्धांत। संवर्णन लाइन सिद्धांत। एंटेना सिद्धांत परिवर्धन तथा अपरिवर्धन मीडिया में विद्युत चुम्बकीय तरंगों का प्रवर्तन।

4. मापन तथा यंत्रीकरण :

विद्युत मात्राओं का आधारभूत माप। यंत्रों का मापन तथा उनकी कार्य-प्रणाली का सिद्धांत। ट्रान्स-ड्यूसर्स।

विद्युत मात्राओं का माप।

प्रश्न पत्र-2

वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 62 और परम्परा-गत प्रश्न-पत्र के लिए कोड सं. 64

1. रैखिक तथा अरैखिक अनुरूप परिपथ :

मूल रैखिक इलेक्ट्रानिक परिपथ। स्पंद—रूप-परिपथ। तरंग आकार अनुरूप। स्थायीकारक।

2. अंकीय परिपथ :

तर्क परिपथ तथा गेट। संगणन परिपथ। सांयोजिक तथा अनुक्रमिक परिपथ।

3. नियंत्रण प्रणालियाँ :

पुनर्भरण सिद्धांत। नियंत्रण प्रणाली घटक। नियंत्रण प्रणालियों की अनुक्रिया। व्यवहारिक प्रणाली का अभिकल्पन।

4. संचार प्रणालियाँ :

मूल सूचना सिद्धांत। माड्यूलन तथा संसूचन प्रवि-याएं। विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियाँ। रेडियो तथा लाइन संचार। दूरदर्शन तथा रेडार। संचार सहाय, अनुगामी संचार सिद्धांत।

5. सूक्ष्म-तरंग इंजीनियरी :

सूक्ष्म-तरंग स्रोत। सूक्ष्म-तरंग घटक तथा जाल मापन तथा सूक्ष्म-तरंग आवृत्ति। सूक्ष्म-तरंग संचार प्रणालियाँ।

परिशिष्ट—2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

[यें विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) को मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण बताते हुए, भारत सरकार को यह अनुमति कर सकें कि उस उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु यह बात भी भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।]

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्ण काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेरों में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिए कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

सेवा का नाम	कद	छाती का घेरा (पूरा फुलाकर)	फैलाव
रेल इंजीनियरी सेवा (सिविल बैद्युत यांत्रिक और सिग्नल) और के. एं. नि. वि. में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' तथा केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा			
ग्रुप 'क'			
(क) पुरुष उम्मीदवारों के लिए	152 से.मी. 5 से.मी.	84 से.मी.	
(ख) महिला उम्मीदवारों के लिए	150 से.मी. 5 से.मी.	79 से.मी.	

अनुसूचित जनजातियों तथा उन जातियों जैसे गोरखों, गढ़वालियों, असमियों, नागालैण्ड के आदिवासियों आदि जिनका औसत कद स्पष्टतः ही कम होता है, के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

(ग) सेना इंजीनियरी सेवाओं, ग्रुप 'क', भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप 'क' (तथा कर्मशाला अधिकारी ग्रुप क और ग्रुप ख) के लिए छाती की नाप में कम से कम 5 से. मी. के फैलाव की भूजाइय रखनी होगी।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा।

वह अपने जूते उतार देगा और माप बंड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाय एड़ियों की पांखों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अंकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पंचलियां, नितम्ब और कंधे माप बंड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटॉमस आफ दै हूड लेवल) हारिजेन्टल बार (आड़ी छड़) नीचे आए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा :—

4. उम्मीदवार को छाती मापने का तरीका इस प्रकार है—

उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके हाथ जुड़े हों और उसकी भूजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा असफल (शोल्डर ब्लेन्ड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एंगिलस) के पीछे लगा रहें और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आधे समतल (हारिजेन्टल प्लेन) में रहे। फिर भूजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93.5 आदि। माप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान :—अन्तिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापी जानी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा, आधा किलोग्राम से कम भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(1) सामान्य—किसी रोग या असामान्यता का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कॉन्टिग्यूस स्ट्रक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिये अयोग्य बना सकता हो, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि-रीक्षणता (विजुअल एक्यूटी)—दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीकी की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चरम के बिना आंख की नजर (नेकेड आइ) विजन की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बीसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

सेवाये	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी	खराब	अच्छी	खराब
	आंख	आंख	आंख	आंख
	(ठीक की हुई दृष्टि)		(ठीक की हुई दृष्टि)	
1	2	3	4	5

क. तकनीकी

1. रेल इंजीनियरी सेवाएं (सिविल वैद्युत यांत्रिक और सिग्नल)।				
2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क केन्द्रीय विद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क				
केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)	6/6	अथवा 6/12	जे I	जे II
ग्रुप क तथा तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, सहायक कार्य-पालक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत)	6/9	6/9		
ग्रुप क (भारतीय दूरसंचार इंजीनियरी स्कंध)				
आई० डब्ल्यू० पी० एण्ड सी० स्कंध, अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय में इंजीनियर का पद				
भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा, भारतीय नौसेना, आयुद्ध सेवा में भारतीय आयुद्धशाला सेवा				
ग्रुप क, सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा, ग्रुप 'क' सहायक इंजीनियर				
ग्रुप 'ख' आकाशवाणी का सिविल निर्माण स्कंध।				
सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास महानिदेशालय				

1	2	3	4	5
3. सेना इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, तथा सहायक प्रबंधक (कारखाना) ग्रुप क, डाकनार संचार कारखाना, संगठन कर्मशाला अधिकारी	6/6	6/18	जे I	जे II
ग्रुप 'क' ग्रुप 'ख' ख. गैर तकनीकी	6/9	6/9		
4. भारतीय रेल भंडार सेवा भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क'	6/9	6/12	जे I	जे II

टिप्पणी (1) :

(क) उपर्युक्त क पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में मियोपिया (सिलेंडर सहित) का कुल परिमाण—4.00 डी. से अधिक नहीं होगा। हाइपरमेट्रोपिया (सिलेंडर सहित) का कुल परिमाण +4.00 डी. से अधिक नहीं होगा। किन्तु शर्त यह है कि 'तकनीकी' रेल मंत्रालय (रेल विभाग के अधीन सेवाओं के अलावा) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार यदि हाई मियोपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन नैत्र विज्ञानियों के विशेष बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि यह मियोपिया रोगात्मक है कि नहीं। यदि यह रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह अन्यथा दृष्टि सम्बन्धित अपेक्षाएं पूरी कर दे।

(ख) मियोपिया फंडस के दायरे के मामले में जांच करानी चाहिए और उसके नतीजे को रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की कोई रोगात्मक अवस्था हो जिसके बर्तन और उससे उम्मीदवार की कार्य कुशलता पर असर पड़ने की संभावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

टिप्पणी (2) :

तकनीकी विकास महानिदेशालय में भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप के और सहायक विकास अधिकारी इंजीनियरी के अलावा उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के संबंध में वर्ण वर्णन की आंच अनिवार्य होगी।

जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है वर्ण-अवगम उच्चतर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिए जो लैन्टर्न में द्वारक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हों :—

ग्रेड	वर्ण अवगम का उच्चतर ग्रेड	वर्ण अवगम का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16'	16'
2. डाक (एपर्चर) का आकार	1.3 मि० मीटर	13 मि० मीटर
3. विद्यमाने का समय	5 सेकण्ड	5 सेकण्ड

रेल इंजीनियरिंग सेवा (सिविल वद्युत सिग्नल और यांत्रिक) और जन-सुरक्षा से संबंधित अन्य सेवाओं के लिए उच्च ग्रेड के वर्ण दर्शन की जरूरत है किन्तु अन्यथा नीचे ग्रेड के वर्ण दर्शन को पर्याप्त माना जाना चाहिए :

सेवाओं/पदों के वर्ण जिनके लिए उच्च या निम्न ग्रेड का वर्ण वर्णन अपेक्षित है नीचे दिए जा रहे हैं :—

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए उच्च ग्रेड का वर्ण-दर्शन अपेक्षित है :—

- (1) रेल इंजीनियरी सेवा
- (2) सैन्य इंजीनियरी सेवा
- (3) सड़क केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- (4) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा
- (5) सहायक कारखाना प्रबन्धक (कारखाना) (डाक-तार) दूर संचार कारखाना संगठन
- (6) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'
- (7) कर्मशाला अधिकारीय ग्रुप 'क' तथा ग्रुप ख

तकनीकी सेवाएं या पद जिनके लिए निम्न ग्रुप का वर्ण दर्शन अपेक्षित है :—

- (1) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा
- (1) केन्द्रीय वद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा
- (3) भारतीय नौ सेवा आयुध सेवा का ग्रेड
- (4) भारतीय आयुध कारखाना सेवा
- (5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा
- (6) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा वद्युत) ग्रुप 'क', (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध) क्लास 1 डाक-तार।
- (7) भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा का कनिष्ठ वेतनमान।
- (8) इंजीनियर ग्रुप 'क' बतार आयोजन और समन्वय स्कन्ध अनुश्रवण संगठन।
- (9) सहायक इंजीनियर (सिविल, वद्युत) ग्रुप 'ख' आकाशवाणी का सिविल निर्माण स्कन्ध।

लाल हरे और सफेद रंग के संकेत को आसानी से और हिच-किचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक वर्ण दर्शन है। वर्ण दर्शन की परीक्षा के लिए इसीहारा की प्लेटों तथा एडरिजमीन को लैंटर्न-दोनों का प्रयोग किया जाएगा।

टिप्पणी (3)—दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)—सभी सेवाओं के लिए सम्मुख विधि द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी जब ऐसी जांच का नतीजा बसंतोषजनक या संबंधित हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिभाषी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)—रतोधी (नाइट ब्लाइंडनेस)—केवल विशेष मामलों की छोड़कर रतोधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतोधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्पेसिफिक टेस्ट निर्दिष्ट नहीं है। मीडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम-बसंतोषजनक टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता टेस्ट करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विचार नहीं

करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (5)—केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा हेतु उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझे जाने पर वर्ण दर्शन और रतोधी सम्बन्धी परीक्षण पास करना होगा।

टिप्पणी (6)—दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दशाएं (आक्यलर कन्डीशन)।

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी को या बढ़ती हुई अप-वर्तन त्रुटि (प्रिफ्रेक्टव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की सम्भावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) भँगापन—ऊपर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं हेतु जहाँ दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है, भँगापन अयोग्यता माना जाएगा। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो। यदि दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के अनुसार हो तो अन्य सेवाओं हेतु भँगापन अयोग्यता नहीं माना जाएगा।

(ग) यदि कोई एक आंख वाला व्यक्ति है या उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य है तथा दूसरी आंख की दृष्टि कमजोर है या उसकी दृष्टि उप-सामान्य है तो इसका सहज प्रभाव यह होता है कि गहनता अवगम के लिए उसके पास त्रिविम दृष्टि की कमी है। कोई सिविल पदों के लिए ऐसी दृष्टि जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की स्वस्थ होने की अनुशंसा कर सकता है बशर्ते कि उसी सामान्य आंख :—

- (1) को चश्मा लगाकर या चश्मे के बिना दूर दृष्टि 6/6 और निकट दृष्टि जे I बशर्ते कि किसी मेरीडियन में दूर दृष्टि संबंधी दोष 4 डायोप्टर्स से अधिक न हो।
- (2) का दृष्टि-क्षेत्र पूर्ण हो।
- (3) आवश्यकतानुसार सामान्य वर्ण दर्शन।

किन्तु बोर्ड सन्तुष्ट हो कि उम्मीदवार सन्दर्भगत कार्य विशेष सम्बन्धित सभी कारवाइ कर सकता है।

"तकनीकी" के रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिए दृष्टि की तीक्ष्णता का सिविल किया हुआ उपयुक्त मानक लागू नहीं होगा।

टिप्पणी (7)—कान्टैक्ट लेंस—चिकित्सा परीक्षा की दौरान उम्मीदवार को कान्टैक्ट लेंस प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

टिप्पणी (8)—यह आवश्यक है कि आंखों का परीक्षण करते समय दूर की दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्ति 15 फुट कन्डल की प्रदीप्ति जैसी हो।

टिप्पणी (9)—सरकार किसी भी उम्मीदवार के पक्ष में विशेष कारणवश किसी भी शर्त में छूट दे सकती है।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में 'बोर्ड' अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल सेक्जीम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है :—

- (1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आयु होता है।
- (2) 25 वर्ष की ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110 + आधी आयु का सामान्य यिनियम बिलकुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान ; सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. से ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम. एम. से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर का संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि धबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कायिक (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे भी मामलों में हृदय का एक्स-रे और इलक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकास (क्लियरन्स) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार को योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमित पारं बाल दाबमापों (मरकरी मनीमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म का व्यायाम या धबराहट के बाद पंद्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बसते कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत हायरिजेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर हो तथा उसके कर्ध तक कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्तर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फाँला कर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाह धमनी (ब्रैक्जिल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूँढा जाता है और तब उसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथ-स्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम. एम. एच. जी. हवा भरी जाती है। और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की कर्मिक ध्वनियाँ सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पारं का कासम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो और तब ध्वनियाँ सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हल्की दबी हुई सी लप्त प्राय हो जाएँ तो डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकारक होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्नस्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेन्ट गैप" से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र काँ ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं का परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के शोतक चिह्न और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंड अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मधुमेही (नाल-डायबिटीक) है और बोर्ड इस क्लेस की मेडिकल के किसी ऐसे विशेषज्ञ

के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला सुविधाएँ हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टासरेन्स टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएँ जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूर्ण दवा-रेख में रखा जाए।

9. यदि जाँच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसकी अस्थाई रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद अयोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेषण किया जाना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की बराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की बराबी का इलाज सत्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है बसते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो यह उपलब्ध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, भारतीय दूर संचार सेवा, ग्रुप 'क' केंद्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क', और केंद्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' और सीमा सड़क इंजीनियरी की सेवा ग्रुप 'क' पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग दर्शन जानकारी दी जाती है :—

1	2	3
(1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन	यदि हायर फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो गैर-दूसरा कान सामान्य तकनीकी कार्यों के लिए योग्य। होगा।	
(2) दोनों कानों में बहरापन	यदि 1000 से 4000 तक की स्पेच फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 अव्ययंत (हियरिंग डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा एड) द्वारा कुछ सुधार गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के संभव हो। कार्यों के लिए योग्य।	
(3) सेंडल अथवा मार्जिनल	(1) एक कान सामान्य हो, दूसरे टाइप के टिमपेनिक मैम्ब्रेन का छिद्र	कान में टिमपेनिक मैम्ब्रेन का छिद्र हो तो व्यवसायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा से स्थिति सुधरने पर दोनों कानों में मार्जिनल या दृढ

1	2	3	1	2	3
		छिद्र वाले उम्मीदवारों को प्रस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिये गए नियम 4 (ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।	(8) कान, नाक गले (ई० एन० टी०) के हफके	(1) हल्का द्यूमर—प्रस्थायी रूप से अयोग्य।	
		(2) दोनों कानों से मार्जिनल या एंटीग छिद्र होने पर अयोग्य।	अथवा अपने स्थान पर मेलिंगनेट द्यूमर		
		(3) दोनों कानों में सेंद्रल छिद्र होने पर प्रस्थायी रूप में अयोग्य।	(9) आटोसाइकिलरीसिस	(2) मेलिंगनेट द्यूमर—अयोग्य आपरेशन के बाद या श्रवण यन्त्र की सहायता से श्रवणता 30 डेसीबल के अन्दर होने पर योग्य।	
(4) कान के एक ओर (दोनों ओर) से मस्टायड केविटी के सब नार्मल श्रवण	(1) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सब नार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड केविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।		(10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष	(1) यदि काम काज में बाधक न हों—योग्य। (2) यदि भारी मात्रा में हफ-लाहट हो—अयोग्य।	
	(2) दोनों ओर से मस्टायड केविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य। किसी भी काम की श्रवणता श्रवण यंत्र लगा कर अथवा बिना लगा सुधार कर 30 डेसीबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।		(11) नेजलपीली	प्रस्थायी रूप से अयोग्य।	
(5) बहते रहने वाला कान आपरेशन किया गया/ बिना आपरेशन वाला	तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए प्रस्थायी रूप में अयोग्य		(ख) वह बिना रुकावट बोल जता/लेंती है।		
(6) नास पट की हड्डी संबंधी विषमताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एलजिक दशा	(1) प्रत्येक मामले के परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।		(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं/या नहीं, और अच्छे तरह खाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगें हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)		
(7) टोंसिल्स और/या कण्ठ की जीर्ण प्रदाहक दशाएं	(2) लक्षणों सहित नासापट्ट बिचलन विद्यमान होने पर प्रस्थायी रूप से अयोग्य।		(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती काफी फैलती है या उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं।		
	(1) टोंसिल और/या कण्ठ की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य।		(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।		
	(2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो प्रस्थायी रूप से अयोग्य।		(च) उसे रपचर है या नहीं।		
			(छ) उसे हा ड्रोसिस, स्फीट शिरा या बवासीर तो नहीं हैं।		
			(ज) उसके अंगों हाथों और पैरों की बनावट और बिकास अच्छा है और उसकी ग्रंथियां भली-भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं।		
			(झ) उसके कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी नहीं है।		
			(ञ) कोई जन्मजात कूरचना या दोष नहीं है।		
			(ट) उसके किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान नहीं हैं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।		
			(ठ) उसके शरीर पर टीके के निशान हैं।		
			(ण) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग नहीं है।		
			11. बिल और फेफड़ों की किसी ऐसी अपसामान्यता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात नहीं सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।		
			उम्मीदवार के स्वास्थ्य के बारे में संदेह की स्थिति में मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष सरकारी नौकरी करने के लिए उम्मीदवार के योग्य स्वास्थ्यता या अयोग्यता का निर्णय करने के लिए अस्पताल के किसी उपयुक्त विशेष की सलाह ले सकते हैं जैसे यदि कोई उम्मीदवार किसी मानसिक रोग या विकास से पीड़ित है, तो बोर्ड के अध्यक्ष किसी अस्पताल के मनोविकास विज्ञानी/मनो-विज्ञानी आदि की सलाह ले सकते हैं।		

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देने की चाहिए कि उम्मीदवार द्वारा ह्यूमन के अपेक्षित दक्षतापूर्वक निष्पादन में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. उन उम्मीदवारों को जो मेडिकल बोर्ड के किसी निर्णय के खिलाफ अपील करना चाहते हैं तो उन्हें भारत सरकार रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा निर्धारित रीति से 50/- रु. का अपील शुल्क जमा करना होगा। यह शुल्क उन उम्मीदवारों को वापस कर दिया जाएगा जिन्हें अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित किया जाएगा जबकि अन्य मामलों में यह शुल्क जब्त कर लिया जाएगा। उम्मीदवार, यदि चाहे तो अपनी स्वस्थता के दावे के समर्थन में चिकित्सा प्रमाण-पत्र लगा सकते हैं उम्मीदवार को पहले मेडिकल बोर्ड के निर्णय की सूचना प्राप्त होने के 21 दिनों के भीतर अपनी अपील प्रस्तुत कर देनी चाहिए अन्यथा अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए किये गये अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। चिकित्सा परीक्षा के लिए अपीलीय मेडिकल बोर्ड की अवस्था उम्मीदवार के सर्व पर की जाएगी। अपीलीय मेडिकल बोर्ड के द्वारा की जाने वाली चिकित्सा परीक्षा के संबंध में किसी प्रकार का यात्रा भत्ता या वैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। रेल मंत्रालय (रेल विभाग) द्वारा अपीलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए आवश्यक कार्यवाही तभी की जाएगी जब निर्धारित शुल्क के साथ निश्चित समय के भीतर सभी अपीलें प्राप्त होंगी।

13. अपीलीय चिकित्सा बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा और उसके विरुद्ध कोई अपील नहीं होगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस के लिए अपनाये जाने वाली स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल यदि कोई हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति का पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्यता प्राप्त नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में दयास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपार्टिंग अथॉरिटी) का यह तसल्ली नहीं हो जाती कि उसे ऐसी कोई बीमारी रचना संबंधी दोष या शारीरिक दुर्बलता (नाइली इनफॉर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो गया हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि स्वस्थता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बन्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक माना गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जाएगा।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखा जाएगा।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके

अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताया जा सकता है। किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो बराबी बताई हो उसका विस्तृत व्यापार नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी बराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जबकि वह बराबी दूर हो जाये तो सम्बन्ध प्राधिकारी एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कह सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो द्वारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब द्वारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

पुनः चिकित्सा परीक्षा का प्रथम चिकित्सा परीक्षा का भाग माना जाएगा और उम्मीदवार यदि ऐसा चाहे, तो निर्णय के विरुद्ध अपील कर सकते हैं।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित विवरण देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए मोटे में उल्लिखित बातों की ओर उस उम्मीदवार का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया जाता है :—

1. अपना पूरा नाम लिखें (साफ अक्षरों में)
2. अपनी आयु और जन्म स्थान लिखें।
2. (क) क्या आप ऐसी जाति से जैसे गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैंड, आदिवासी आदि में से किसी से संबंधित हैं जिनका असल कद स्पष्टतः दूसरों से कम होता है। 'हां' या 'नहीं' उत्तर दीजिए। उत्तर हां में हो तो उस जाति का नाम बताइए।
3. (क) क्या आपको कभी चेचक रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बखार ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, धूक में खून आना, दमा, घिस की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मुछा की दाँत, रिह्यूमीटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है?

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्बलता जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसके मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो हुई है?

4. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वनेस) हुई?

5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे दें :—

यदि पिता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके भाइयों की मृत्यु हुई है उनकी मृत्यु के समय आयु और मृत्यु का कारण
---	---	--	---

1	2	3	4

यदि माता जीवित हों तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहिनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहिनों की मृत्यु हुई है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
---	---	---	--

5	6	7	8

6. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

7. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हाँ" में हो तो बताइये किस सेवा/किन सेवाओं/पद (पदों) के लिये आपकी परीक्षा की गई थी ?

8. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

9. मेडिकल बोर्ड कब तक और कहाँ था ?

10. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो ?

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है ऊपर दिये गये सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर
मेरे सामने हस्ताक्षर किए
बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जलनकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति से बैठने का जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाये तो वाधक्य नियुक्ति भत्ता (सुपरएन्एशन अलाउंस) का अनुतोषित (ग्रेजुटी) के सभी बाधों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) (उम्मीदवार का नाम)
की शारीरिक परीक्षा से सम्बद्ध मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास :— साधारण
कम औसत मोटा
पोषण : पतला औसत मोटा
कम (जैसे उतार कर) वजन
अत्युत्तम वजन कम था
वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन
तापमान
छाती का घेरा

(1) पूरा सांस खींचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

2. त्वचा कोई प्रत्यक्ष बीमारी

3. नेत्र

(1) कोई बीमारी

(2) रताँधी

(3) वर्ण वर्ण संबंधी दोष

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्विटी)

(6) कान की जाँच

चश्मे की प्रवृत्ति

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मे के बिना	चश्मे के साथ
		स्टूफी० सिवि०
		एक्सस०

दूर की नजर	दा० ने०
	बा० ने०

पास की नजर	दा० ने०
	बा० ने०

हाइपरमेट्रोपिया	दा० ने०
	बा० ने०

4. कान निरीक्षण सुनना
दायाँ कान बायाँ कान

5. गंधियाँ पाइराइट

6. दाँतों की हालत

7. स्वसन तंत्र (रेस्पिरेटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षण करने पर साँस के अंगों में किसी असामान्यता का पता चला है।

यदि हाँ, तो उसका पूरा ब्यौरा दें

8. परिसंचरण तंत्र (सक्यूलरि सिस्टम)
 (क) मुख्य 3 का आंगिक विभक्त (आंगिनिक लीजन)
 (ब) (रेट) _____
 बड़े होने पर _____
 25 बार फूँकने के बाद _____
 फूँकने के 2 मिनट बाद _____

(ख) ब्लड प्रेशर _____ सिस्टोलिक
 डायस्टोलिक _____

9. उवर (पेट) :—पर _____ स्पर्शसभ्यता
 (टेन्डरनेस) _____
 हर्निया _____

(क) स्पष्ट यकृत _____
 तिल्ली _____
 ट्यूमर _____
 (ख) रक्तसाध _____
 भगन्वर _____

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक
 अवस्था का संकेत

11. चलन तंत्र (लाकोमोटर सिस्टम), को अपसामान्यता

12. जनन मूत्र तंत्र (जैनिटी यूरीनरी सिस्टम) : डाइग्रेस्टा-
 सील वरिकासील आदि का कोई संकेत। मूत्र
 विश्लेषण :

(क) कैसा बिछाई पड़ता है
 (ख) विशिष्ट गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)
 (ग) एल्ब्यूमेन
 (घ) शुक्कर
 (ङ) कास्ट
 (च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है
 जिससे वह उस सेवा से सम्बन्ध जिसका वह उम्मीद-
 वार है, ड्यूटी को वक्षतापूर्वक निभाने के लिए
 अयोग्य हो सकता है।

नोट :—यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह
 या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो, उसे विनियम
 9 के अनुसरण अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर
 दिया जाएगा।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं
 से सम्बन्ध ड्यूटी के वक्षतापूर्वक, तथा लगातार
 निष्पादन के लिए सब प्रकार से योग्य पाया गया है और
 किन सेवाओं के लिए अयोग्य पाया गया है? क्या
 उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिए योग्य है?

नोट—बोर्ड को अपना निष्कर्ष निम्नलिखित तीन वर्गों में से
 किसी में रिकार्ड करना चाहिए :

- (1) योग्य (फिट)
 (2) के कारण अयोग्य (अन-
 फिट)।

- (3) के कारण अयोग्य (अन-
 फिट)।

स्थान
 तारीख
 अध्यक्ष
 सचिव

परिशिष्ट-III

उन सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के
 परिणाम के आधार पर भर्ती की जा रही है।

टिप्पणी—चतुर्थ केन्द्रीय वेतन आयोग की अनुशंसाओं को ध्यान
 में रखते हुए सरकार द्वारा विभिन्न सेवाओं/पदों के
 वर्तमान वेतनमानों में परिशोधन किए जाने की
 सम्भावना है।

1. भारतीय रेल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल विद्युत
 इंजीनियरी सेवा, भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियर सेवा,
 भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा और भारतीय रेल भंडार
 सेवा।

(क) परीक्षा :—इन सेवाओं के लिये भर्ती किये गये
 उम्मीदवार तीन वर्ष के लिए परीक्षा पर रहेंगे जिसमें उन्हें दो
 वर्ष का प्रशिक्षण लेना होगा तथा किसी कार्यकारी पद पर न्यून-
 तम एक वर्ष के लिये परीक्षा पर रहना होगा। यदि उक्त
 प्रशिक्षण को संतोषजनक रूप से पूरा न करने के कारण किसी
 स्थिति में प्रशिक्षण अवधि को बढ़ाना पड़े तो तबनुसार परीक्षा
 की कुल अवधि भी बढ़ा दी जाएगी। परीक्षा की अवधि के
 दौरान भी यदि कार्यकारी पद पर काम संतोषजनक नहीं पाया
 गया तो सरकार द्वारा परीक्षा की कुल अवधि को आवश्यकता-
 नुसार बढ़ाया जा सकता है।

(ख) प्रशिक्षण :—समस्त परीक्षाधीन अधिकारियों को
 सेवा/पद विशेष के लिए निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के
 अनुसार दो वर्ष की अवधि के लिये प्रशिक्षण लेना होगा। उन्हें
 इस अवधि के लिए उक्त प्रशिक्षण ऐसे स्थानों पर तथा इस प्रकार
 से लेना होगा और ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जिनमें
 समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए।

(ग) नियुक्ति की समाप्ति :—

- (1) परीक्षा की अवधि के दौरान दोनों पक्षों में से
 किसी एक पक्ष की ओर से तीन महीने का लिखित
 नोटिस देकर परीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति
 समाप्त की जा सकती है। किन्तु संविधान के
 अनुच्छेद 311 के खंड (2) के उपबंधों के अनुसार की
 गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के फलस्वरूप सेवा से
 बर्खास्ती और सेवा से हटाने के तथा मानसिक एवं
 शारीरिक अवस्था के फलस्वरूप अनिवार्य सेवा
 नियुक्ति के मामलों में ऐसा नोटिस देना आवश्यक
 नहीं होगा किन्तु सरकार को तत्काल सेवामें समाप्त
 करने का अधिकार है।

- (2) यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधि-
 कारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक है या उसके
 कार्य कक्षल बनने की सम्भावना न हो तो सरकार
 उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(3) विभागीय परीक्षाएँ उत्तीर्ण न करने पर सेवाएँ समाप्त की जा सकती हैं। परिवीक्षा की अवधि के दौरान अनुमोदित स्तर की हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण न करने पर सेवाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(ब) स्थायीकरण :—परिवीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने तथा सभी निर्धारित विभागीय और हिन्दी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप तथा नियुक्ति के लिए सभी दृष्टियों से योग्य समझे जाने पर परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में स्थायी कर दिया जाएगा।

(ङ) वेतनमान :—

(1) कनिष्ठ वेतनमान—रु. 700-40-900-ब. र. 40-1100-50-1300

(2) वरिष्ठ वेतनमान—रु. 1100 (5वां वर्ष या इससे कम)-50-1600

(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु. 1500-60-1800-100-2000

(4) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-स्तर 2—रु. 2250-125/2-2500

(5) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-स्तर 1—रु. 2500-125/2-2750

इसके अतिरिक्त रु. 2500 तथा रु. 3500 के वेतन के बीच के सुपरग्राइड वेतनमान वाले पद भी जिनके लिए उपयुक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं।

परिवीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम वेतन से प्रारम्भ करेगा तथा उसे समय वेतनमान में अवकाश पेंशन तथा वेतन वृद्धियों के लिये परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को गिनने की अनुमति होगी।

महंगाई तथा अन्य भत्ते भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार प्राप्त होंगे।

परिवीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय तथा अन्य परीक्षाओं को उत्तीर्ण न करने पर वेतन वृद्धियों को रोक या स्थगित किया जा सकता है।

(ब) प्रशिक्षण व्यय लौटाना :—यदि किसी ऐसे कारणवश जो सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी के नियंत्रण से बाहर नहीं है, कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण अथवा परिवीक्षा से अपना नाम वापस लेना चाहता है तो उस परिवीक्षा की अवधि के दौरान दिए गए प्रशिक्षण का पूरा व्यय और अन्य धनराशियों को वापस करना होगा। इस प्रयोजन के लिए परिवीक्षकों से एक बंध-पत्र की अपेक्षा की जाएगी जिसकी एक प्रति उनके नियुक्ति प्रस्ताव के साथ संलग्न की जाएगी। किन्तु जिन परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा आदि में नियुक्ति हेतु परीक्षा के लिए आवेदन करने हेतु अनुमति दी जाती है उन्हें प्रशिक्षण के व्यय को वापस नहीं करना पड़ेगा।

(छ) छुट्टी :—उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी लेने के पात्र हैं।

(ज) चिकित्सा सुविधा :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा एवं उपचार कराने के पात्र होंगे।

(झ) पास तथा विशेषाधिकार टिकट :—अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास तथा विशेषाधिकार टिकटों के पात्र होंगे।

(ञ) भविष्य निधि तथा पेंशन :—उक्त सेवा के लिए भती किए गए उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमावली द्वारा शासित होंगे और समय-समय पर लागू उस निधि के नियमों के अंतर्गत राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-अंशदायी) में अंशदान करेंगे।

(ट) उक्त सेवाओं/पदों के लिए भती किए गए उम्मीदवारों को भारत या भारत से बाहर किसी भी रेलवे या परियोजना पर कार्य करना पड़ सकता है।

(ड) रक्षा सेवाओं में सेवा करने का दायित्व :—यदि आवश्यकता हुई तो नियुक्त किए गए परिवीक्षाधीन अधिकारियों को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बंध पद पर कार्य करना होगा :

किन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

और

केन्द्रीय वंशज तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

(क) चूने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। परिवीक्षा संतोषजनक रूप में पूरी कर लेने पर यदि स्थायी पद उपलब्ध हुए तो उनके स्थायी करने या कार्य करते रहने पर विचार किया जाएगा। परिवीक्षा को दो वर्ष की अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परिवीक्षा की अवधि या परिवीक्षा की कोई बढ़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय है कि अधिकारी स्थायी/नियोजन/वरकरारी के उपयुक्त नहीं है या परिवीक्षा की इस अवधि या परिवीक्षा की बढ़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि अधिकारी स्थायी नियुक्ति वरकरारी के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या जो ठीक समझे वह आवेदन पारित कर सकती है।

(ख) जैसा कि इस समय स्थिति है, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क में नियुक्ति सभी अधिकारी, सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के उच्चतर ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने के बाद अगले उच्च ग्रेड अर्थात् कार्यपालक इंजीनियर के रूप में पदोन्नति में पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों और वे ऐसी पदोन्नति के अन्यथा योग्य पाए जाएं।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम

4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्त दरें निम्न प्रकार हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान—रु. 700-40-900-रु. से -40-1100-50-1300 ।

वरिष्ठ वेतनमान—रु. 1100 (छठा वर्ष या कम)-50-1600 प्रशासनिक (चयन) पद ।

अधीक्षक इंजीनियर—रु. 1500-60-1800-100-2000 ।

मुख्य इंजीनियर—रु. (i) 2250-125/2-2500 ।

(ii) रु. 2500-125/2-2750 ।

इंजीनियर-इन-चीफ—रु. 3000-100-3500 (केन्द्रीय इंजीनियर सेवा ग्रुप 'क' के लिए) ।

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले अधिक पद के अथवा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उसका वेतन 1फ. आर. 22(बी) (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(क) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क) और केन्द्रीय विद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क) के पदों से संबंधित कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप ।

1. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार की सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार को) जिसमें आवासीय भवन, कार्यालय भवन, संस्था तथा अनुसंधान केन्द्र, औद्योगिक भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, हवाई अड्डे महामार्ग तथा पुल आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाये जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते वे पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ आह्वों पर पहुँच जाते हैं।

2. केन्द्रीय विद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माण (केन्द्रीय सरकार) के विद्युत बटकों के जिसमें विद्युत संस्थान, इलेक्ट्रिकल सब-स्टेशन तथा पावर हाउस, वातानुकूल तथा प्रशीतन, हवाई अड्डों की रनवे लाइटिंग, यांत्रिक कर्मशाखाओं का परिचालन, निर्माण मशीनरी की प्राप्ति तथा रख-रखाव आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्प, निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते वे पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ आह्वों पर पहुँच जाते हैं।

3. सेवा इंजीनियर सेवा ग्रुप क

(क) नूने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षाधीन अधिकारी को

अपनी परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित विभाग तथा भाषा संबंधी परीक्षा उत्तीर्ण करने पड़ सकते हैं। यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है या ऐसा आभास होता है कि उसकी कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है अथवा यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी उक्त अवधि के दौरान निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाता है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसे नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि इतनी बढ़ा सकती है जितनी वह ठीक समझे।

उम्मीदवारों को दो वर्षों की परिवीक्षा की अवधि के दौरान एम. ई. एस. प्रोसीजर सुपरिस्टेंड की/आर. एण्ड ई/एम. सेड- एग्जामिनेशन तथा हिन्दी परीक्षा उत्तीर्ण करने होंगे। हिन्दी परीक्षा का स्तर प्राज्ञ (मीट्रिकुलेशन स्तर के समकक्ष) का होगा।

(ख) (i) नूने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि यदि कोई है, सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और

(ii) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ii) उम्मीदवारों पर एम. आर. ओ. नं. 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइविलिटी) रूल्स भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित शिक्षा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की शिक्षा परीक्षा की जाएगी।

(ग) ग्राह्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं :—

सहायक-कार्यकारी इंजीनियर	रु. 700-40-900-रु. से -40-
सहायक निर्माण सर्वेक्षक	1100-50-1300
कार्यकारी इंजीनियर	रु. 1100-(छठा वर्ष या उससे कम)
निर्माण सर्वेक्षक	50-1800
अधीक्षक इंजीनियर (साधारण ग्रेड)	रु. 1500-60-1800-100-
अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (साधारण ग्रेड)	2000
अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड)	रु. 2000-125/2-2250
अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (चयन ग्रेड)	
उप-मुख्य इंजीनियर	रु. 1500-60-1800-100-
	2000 तथा साथ में प्रतिमास
	रु. 200.00 विशेष वेतन

मुख्य इंजीनियर (स्तर-I) } रु. 2250-125/2-2500

मुख्य निर्माण सर्वेक्षक (स्तर-I) }

मुख्य इंजीनियर (स्तर-II) } रु. 2500-125/2-2750

मुख्य निर्माण सर्वेक्षक (स्तर-II) }

4. भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप क

(क) चने हुए उम्मीदवार तीन वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किये जाएंगे। सरकार महानिदेशक, आयुध कारखाना/अध्यक्ष आयुध कारखाना बोर्ड की सिफारिश पर परीक्षा यथागत सेवा या बढ़ा सकती है। परीक्षाधीन व्यक्ति को सरकार द्वारा अर्थाद्विहित विभागीय तथा भाषा परीक्षा उत्तीर्ण करना होगा। भाषा के परीक्षण का हिन्दी में परीक्षण होगा।

सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकारी की उसकी तारीख पर गतनी रजिस्ट्रार किया जाएगा। किन्तु परीक्षा की अवधि के दौरान या अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उसका कार्य या उपरक्षण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसको कार्यरत कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि जितनी ठीक समझे और तला सकती है।

(ख) (1) चने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो मशरूफ सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी परीक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए कार्य करना होगा। यद्यपि उस व्यक्ति को (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(11) उम्मीदवारों पर एस. आर. ओ. नं. 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइबिलिटी) रूलस भी लागू होंगे। उन में निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) वेतन प्राप्य दर निम्न प्रकार हैं :—

कनिष्ठ समय वेतनमान रु. 700-40-900 ष. रो. -40-1100-50-1300

वरिष्ठ समय वेतनमान रु. 1100 छठा वर्ष या कम-50-1600

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड सामान्य ग्रेड रु. 1500-60-1800-100-2000

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड चयन ग्रेड रु. 2000-125/2-2250

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर 1। रु. 2250-125/2-2500

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर 1। रु. 2500-125/2-2750

अतिरिक्त महानिदेशक, आयुध कारखाना/सदस्य, आयुध कारखाना बोर्ड। रु. 3000 (नियत)

महानिदेशक आयुध कारखाना/अध्यक्ष आयुध कारखाना, बोर्ड रु. 3500 (नियत)

टिप्पणी :—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्राविधिक पद को अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन रक्षा मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित का जा. सं. 15 (6)/64/डी (एग्रीडेंट/पेटम)/1051/डी (सी. 4-1), दिनांक 25 नवम्बर, 1965 के उपबन्धों के अधीन चिह्नित किया जाएगा।

(ब) परीक्षाधीन अधिकारियों को मंसूरी/नागपुर में फाउंडेशन कोर्स करना होगा।

2. जो सरकार द्वारा परीक्षाधीन अधिकारी को सेवा प्रारम्भ करने से पहले एक वर्ष का प्रशिक्षण होगा।

5. भारतीय दूर संचार ग्रुप क

(क) चने हुए व्यक्ति के लिए नियुक्ति परीक्षा पर की जाएगी। सरकार की राय में परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण यदि असंतोषजनक है या उससे यह आभास होता है कि उसके कुशलता प्रदर्शनों की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल कार्यरत कर सकती है। परीक्षा अवधि पूरी हो जाने पर सरकार, यदि स्थायी रिक्तियां उपलब्ध हों, उस वक्त नियुक्ति पर स्थायी बना सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य अथवा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे सेवा-रत कर सकती है या जितनी ठीक समझे उतनी अवधि के लिए उसकी परीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान जो भी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं निर्धारित की जाएं, अधिकारियों को उत्तीर्ण करनी होंगी। उनको स्थानीय किए जाने से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) अधिकारियों को व्यवसाय तथा भाषा सम्बन्धी परीक्षण भी उत्तीर्ण करने होंगे।

(ग) अधिकारियों को व्यवसाय तथा भाषा संबंधी परीक्षण नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत को रक्षा से सम्बन्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए, किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बन्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(घ) ग्राह्य वेतन की दर निम्नलिखित है :—

कनिष्ठ वेतनमान रु. 700-40-900 ष. रो. -1100-50-1300

वरिष्ठ वेतनमान रु. 1100 (छठा वर्ष या कम) 50-1600

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु. 1500-60-1800-100-2000

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (1) रु. 2250-125/2-2500
(2) रु. 2500/125/2-2700

नोट :—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले प्राविधिक पद को अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर चुका हो उसका वेतन एफ. आर. 22-वी (1) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप क के कनिष्ठ वेतनमान से यदि किसी अधिकारी का स्थानापन्न वेतन रु. 780/- या इससे अधिक है तो वह तब तक वेतन वृद्धि प्राप्त नहीं करेगा जब तक विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण न कर ले।

(इ) भारतीय दूरसंचार सेवा ग्रुप के पदों से सम्बद्ध कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व।

सहायक डिवीजन इंजीनियर टेलीग्राफ

सहायक डिवीजन, इंजीनियर टेलीग्राफ, टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी सब डिवीजन, कैरियर बी. एफ. टी., कॉन्क्सअल, माइक्रोवेव, लॉग डिस्टेंस, इलेक्ट्रिक तथा वायरलेस के इंचार्ज होंगे और सामान्यतः डिवीजनल इंजीनियर के अधीन कार्य करेंगे। वे विभिन्न दूर संचार निर्माण के संस्थापन संरचना करने के लिए परियोजना संगठन में भी कार्य कर सकते हैं।

डिवीजनल इंजीनियर

डिवीजनल इंजीनियरों को टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी डिवीजन में जिसमें लॉग डिस्टेंस, कोएक्सअल, माइक्रोवेव मीन्ट-नेन्स डिवीजन तथा वायरलेस डिवीजन शामिल हैं, का प्रभारी बनाया जाता है। वे अपने प्रभार में रहने वाले टेलीग्राफों तथा टेलीफोनों के उत्तरदायित्व के पूरे जिम्मेदार होंगे तथा अपने डिवीजन में रह करके कार्य करेंगे। जब डिवीजनल इंजीनियर परियोजना संगठन पर लगाये जाते हैं तो उन्हें यूनियट में निर्माण/संस्थापन कार्य करना होगा।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सर्किल और टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट में दूर संचार सम्बन्धी परिसम्पत्तियों के प्रशासन और दूर संचार संस्थाओं के प्रशासन तथा आयोजना के लिए, दूर संचार प्रणालियों आदि में अनुसंधान और विकास के लिए जिम्मेदार हैं। वे माइनर-टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट, दूर संचार सर्किल, आदि के लिए भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सर्किल/टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट/प्रोजेक्ट सर्किल दूर संचार अनुसंधान क्षेत्र का प्रधान, जो कार्यभार में उसका पूरी तरह से प्रबन्धन व प्रशासन करने के लिए जिम्मेदार डाक तार बोर्ड में उप महानिदेशक, डाक तार बोर्ड की नीति निर्धारित करने तथा समग्र प्रशासन करने में उच्चस्तरीय सहायता प्रदान करता है। निदेश, दूर संचार अनुसंधान केन्द्र और अतिरिक्त निदेशक, दूर संचार अनुसंधान केन्द्र दूर संचार अनुसंधान केन्द्र के अनुसंधान सम्बन्धी समग्र कार्यकलापों के लिए जिम्मेदार हैं।

6. केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा

(1) केन्द्रीय जल आयोग में सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियरों के पदों पर भर्ती हुए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

किन्तु सरकार आवश्यक होने पर, दो वर्ष की उक्त अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है।

यदि परीक्षा को उपर्युक्त अवधि या बढ़ी हुई अवधि जैसी भी स्थिति हो, समाप्त होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थायी नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है या परीक्षा की इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या उसको उसकी मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार उम्मीदवारों से प्रशिक्षण तथा परीक्षा का ऐसा कोई कोर्स करने और ऐसी परीक्षा तथा

परीक्षण उत्तीर्ण करने को कह सकती है जिसे वह परीक्षा की सफल पूर्ति की एक शर्त के रूप में ठीक समझे।

(2) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को, यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर विताई गई अवधि यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा; किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा;

(2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(3) सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्ति अधिकारी निर्धारित शर्तें पूरी करने के बाद उप निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर/अधीक्षण इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड) निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड) मुख्य इंजीनियर (स्तर-11) म. इ. (स्तर-1) में सदस्य/अध्यक्ष, सी. डब्ल्यू. सी. के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं।

(4) केन्द्रीय जल आयोग में इंजीनियरी पदों के ग्रुप 'क' के लिए वेतनमान निम्न प्रकार है :—

(केन्द्रीय जल आयोग में निम्न और यांत्रिक पद) :

1. सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर	700-40-900 रु० रो०-40-1100-50-1300।
2. उपनिदेशक/कार्यकारी इंजीनियर	रु० 1100 (छठा वर्ष या कम) 50-1600।
3. अधीक्षण इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड)	रु० 1500-80-1800-100-2000।
4. निदेशक चयन ग्रेड अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)	रु० 2000-125/2-2250
5. मुख्य इंजीनियर	(i) रु० 2250-125/2-2500 (स्तर-11) (ii) 2500-175/2-2750 (स्तर-1)
6. सदस्य सी० डब्ल्यू० सी०/अध्यक्ष, जी० एफ० सी० सी०	रु० 3000 नियत
7. अध्यक्ष, सी० डब्ल्यू० सी०	रु० 3500 नियत

(5) केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा में पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सहायक निदेशक, (सिविल और यांत्रिक)

सिंचाई, नौसंचालन, विद्युत घरेलू जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु, जल साधनों की संरक्षण तथा विनियमन के लिए आकलन, रिपोर्ट आदि तैयार करने सहित परियोजनाओं की योजना सर्वेक्षण अन्वेषण तथा अभिकल्पना।

सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा यांत्रिक)

उनको आवंटित उपमंडल या अन्य एककों के निर्माण कार्य के लिए जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभार के अन्तर्गत रोकड़ तथा भंडारों का लेखा-जोखा रखना होगा तथा परीक्षा रूप से उपमण्डल

में प्रत्येक कार्य की प्रगति के लिए कुछ आनुषंगिक कार्यों को भी देखना होगा। विहित नियमों आदि के अनुसार वे अपने प्रभार के अधीन माप बॉहूयों मस्टर रोल तथा अन्य अभिलेखों के सही रख-रखाव के लिए जिम्मेवार होंगे।

7. केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा

(1) संगठन का विवरण

विद्युत (आपूर्ति) अधिनियम, 1948 की धारा (3) (1) के अधीन केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण संगठित किया गया था और इसका दायित्व राष्ट्रीय विद्युत साधनों के नियंत्रण तथा उपयोग के सम्बन्ध में योजना अभिकरणों के कार्यकलापों के समन्वय करने के लिए एक सूदृढ़, पर्याप्त और एकरूप विद्युत नीति का विकास करना है। इसकी सभी विद्युत योजनाओं (उत्पादन संरक्षण, वितरण और विद्युत आपूर्ति का उपयोग) की सम्भाव्यता तकनीकी विश्लेषण, आर्थिक व्यवहार्यता आदि के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में संवीक्षा की जाती है कि ये योजनाएं राज्यों तथा क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए उपयुक्त होंगी और सब प्रकार से राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के अनुरूप होंगी। इस संगठन का राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के विकास और विद्युत को इसकी मुख्य गतिदायी शक्ति प्रदान करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(2) उस ग्रेड का विवरण जिसके लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की जाती है।

रु. 700-1300 के वेतनमान में सहायक निदेशक/सहायक प्राधिकारी इंजीनियर के ग्रेड में साठ प्रतिशत पद संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक आधार पर ली गई सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाते हैं।

केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप क) में सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गये व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेंगे किन्तु जहां आवश्यक हो वहां सरकार उक्त दो वर्षों की अवधि को अतिरिक्त अवधि बढ़ा सकती है जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि उपर्युक्त परीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि जैसी भी स्थिति हो, के समाप्त होने के बाद सरकार यह समझे कि कोई उम्मीदवार स्थाई नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा ऐसी परीक्षा की अवधि या बढ़ाई गई अवधि के दौरान किसी भी समय वह इस बात से सन्तुष्ट हो कि उक्त उम्मीदवार ऐसी परीक्षा अवधि या बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति के बाद स्थाई नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवा मुक्त कर सकती है या उसके स्थाई पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जैसा वह उचित समझे।

परीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण लेना होगा तथा अनुदेश का पालन करना होगा तथा ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि की संतोषजनक रूप से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित की जाये।

यदि आवश्यकता है तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी

रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा; और

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(3) उच्चतर ग्रेडों के लिए पदोन्नति

सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर नियुक्त अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा नियमावली, 1965 में निर्धारित शर्तें पूरी करने के बाद उच्च ग्रेडों अर्थात् उपनिवेशक/कार्यपालक इंजीनियर, निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड), निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड), उपमुख्य इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (स्तर 2), और मुख्य इंजीनियर (स्तर 1) के रूप में नियुक्ति के पात्र हैं बशर्ते कि सम्बद्ध ग्रेड में रिक्तियां उपलब्ध हों।

(4) वर्तमान

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियर (ग्रुप क) सेवा के पदों पर वेतनमान नमूनालिखित है :—

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में विद्युत यांत्रिक और दूर संचार से सम्बद्ध पद

क्रम	पद का नाम	वेतनमान
रु.		
1.	सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर	रु. 700-40-900-६० रु. ०-40-1100-50-1300
2.	उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर	रु. 1100 (छठा वष या कम) 50-1600
3.	निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड)	रु. 1500-60-1800-100-2000
4.	निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)	रु. 2000-125/2-2250
5.	उप मुख्य इंजीनियर	रु. 2000-125/2-2250
6.	मुख्य इंजीनियर (स्तर-II)	रु. 2250-125/2-2500
7.	मुख्य इंजीनियर (स्तर-I)	रु. 2500-125/2-2750

नोट—सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर ग्रेड से उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति होने पर वेतन नियतन के प्रयोजनार्थ इस सेवा के सदस्यों के लिए तृतीय वेतन आयोग की अनुशंसाओं पर अपनाई गई समन्वयमणिक सारणियां लागू हैं।

(5) कर्तव्य और दायित्व

सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर सम्बद्ध कर्तव्यों और दायित्वों के स्वरूप इस प्रकार है :—

विद्युत विकास के क्षेत्रों की विविध प्रकार की समस्याओं से सम्बद्ध अपेक्षित तकनीकी तथ्यों का संग्रह, संकल्प और परस्पर सम्बन्ध। उन्हें इनसे सम्बद्ध मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो तथा थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना संचालन अनुरक्षण तथा विद्युत योजनाओं, परियोजनाओं की अभिकल्पनाओं आदि के तैयार करने में सहायता देते हुए उनके संरक्षण तथा वितरण/विद्युत प्रणालियों को परियोजना रिपोर्टों का

अध्ययन करना सम्मिलित है। क्षेत्र एककों में कार्य करते हुए वे उप मंडल या उनकी आबंटित अन्य कार्यों के लिए उत्तरदायी होंगे।

8. हाक-तार दूर संचार कारखाना संगठन में सहायक प्रबंधक कारखाना ग्रुप के पद

(1) वेतनमान रु. 700-1300 में सहायक प्रबंधक (कारखाना) के पदों पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रहेंगे।

(2) परीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवारों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार ऐसा व्यावहारिक प्रशिक्षण, जो समय-समय पर केंद्रीय सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए, प्राप्त करना होगा और व्यावसायिक परीक्षा तथा हिन्दी परीक्षण उत्तीर्ण करना होगा।

(3) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक प्रबंधक (कारखाना) के पद से नियुक्त किसी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बितायी गयी अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(4) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर :—

(क) अपने ग्रेडों में कम से कम पांच वर्ष की नियमित सेवा कर चुकने वाले सहायक प्रबंधक रु. 1100-1600 के वेतनमान में वरिष्ठ इंजीनियर (वरिष्ठ समय वेतनमान) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हों।

(ख) अपने ग्रेड में कम से कम पांच वर्ष की सेवा कर चुकने वाले वरिष्ठ इंजीनियर रु. 1500-1800 के वेतनमान में कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में उपमहाप्रबंधक/प्रबंधक (कारखाना) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हों।

(ग) अपने ग्रेड में 7 वर्ष की नियमित सेवा कर चुकने वाले उपमहाप्रबंधक/प्रबंधक, रु. 2250-125/2-2500 के वेतनमान में महाप्रबंधक, दूर संचार कारखाना (वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-स्तरी-11) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हों।

(5) उक्त पदों से सम्बद्ध कार्यों और उत्तरदायित्वों का स्वरूप

सहायक प्रबंधक :—दो अथवा उससे अधिक उत्पादों/अनुपादों एककों का समग्र पर्यवेक्षण/दूर संचार कारखाना में विभिन्न व्यवसायों/संघों के लिए नियुक्त/अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य करना।

वरिष्ठ इंजीनियर :—उत्पादन, आयोग, विकास, अनुरक्षण, और आदि से सम्बद्ध शाखा के प्रधान और दूर संचार कारखानों में विभिन्न व्यवसायों/संघों में नियुक्त और अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य करना।

उप महाप्रबंधक/प्रबंधक :—सामान्य प्रशासन, उत्पादन अनुशासन, आयोग आदि से सम्बद्ध दैनिक कार्यों में महाप्रबंधक की सहायता करना, कारखाना या उत्पादन एकक/स्कंध कार्य प्रभारी।

महाप्रबंधक :—दूर संचार कारखाना के प्रधान/कारखाना के सामान्य प्रशासन, उत्पादन, आयोग, अनुशासन आदि के समग्र नियंत्रण हेतु उत्तरदायी।

9. इंजीनियर (ग्रुप क) वायरलेस, योजना और समन्वय स्कंध/अनुश्रवण संगठन, संचार, मंत्रालय

(क) वेतनमान रु. 700-40-900-व. री. -40-1100-50-1300।

(ख) ग्रुड में पांच वर्ष की सेवा करने के बाद इंजीनियर के पदधारी सहायक वायरलेस सलाहकार, वायरलेस योजना और समन्वय स्कंध। इंजीनियर प्रभारी अनुश्रवण संगठन (वेतनमान रु. 1100-50-1600 तथा सहायक वायरलेस सलाहकार के पद के लिए रु. 100 प्रतिमास विशेष वेतन) के ग्रुड में रिक्तियों के 100 प्रतिशत पदोन्नति के पात्र हों। सहायक वायरलेस सलाहकार/इंजीनियर प्रभार के ग्रुड में उनकी पदोन्नति ग्रुप के पदों के लिए संगठित की गयी विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर उनके चयन के आधार पर की जाएगी।

सहायक वायरलेस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी के ग्रुड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक वायरलेस सलाहकार और इंजीनियर प्रभारी उप वायरलेस सलाहकार (वेतनमान रु. 1500-60-1800) के पद पर पदोन्नति के लिए विचार किए जाने के पात्र हों। उप वायरलेस सलाहकार के ग्रुड में रिक्तियों के 100 प्रतिशत पदोन्नति के पात्र हों। सहायक वायरलेस सलाहकार के ग्रुड में उनकी पदोन्नति ग्रुप के पदों के लिए संगठित की गयी विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भरी जाती है।

अगले उक्त ग्रुड में पदोन्नति हेतु तथा पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम माना की है और संबंधित ग्रुड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

(ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

(घ) यदि आवश्यकता हुई तो इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बितायी गयी अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य न करना होगा; और

(2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(6) पदों से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप

(1) डब्ल्यू. पी. सी. स्कंध/वायरलेस मीनीटरन संगठन के विभिन्न एककों के कर्मचारियों का पर्यवेक्षण, निवेशन तथा प्रशिक्षण।

(2) सम्पूर्ण रेडियो आवृत्ति वर्णक्रम तथा विभिन्न प्रकार के उत्सर्जन की आवृत्ति करने वाली रेडियो आवृत्ति मानोटरन में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के विभिन्न वर्गों, एंटीना तथा सहायक उपकरणों का प्रतिष्ठापन, अंशोधन, परीक्षण तथा अनुरक्षण।

(3) भिन्न-भिन्न प्रकार की रेडियो संचार सेवाओं के लिए विशेष प्रयोजना विभागों/संगठनों के सापेक्ष प्रतिष्ठानों का अनुज्ञापन एवं निरीक्षण।

(4) रेडियो आवृत्ति वर्णक्रम तथा तुल्यकाली उपग्रह कक्षा के उपयोग के राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय समन्वय से सम्बद्ध सभी पहलु, जिसमें नियतन योजना का निर्माण, संगत तकनीकी मानकों की स्थापना, उपाकरण का प्रकार-अनुमोदन वस्तुतः अन्तर्राष्ट्रीय व्यवधान/सुसंगति आदि का अध्ययन सम्मिलित हो।

(5) सशत राष्ट्रीय नियमों तथा विनियमों के प्रोत्पादन एवं कार्यान्वयन सहित अन्तर्राष्ट्रीय रेडियो विनियमों का प्रवर्तन।

(6) एकीकृत/रेडियो अन्वयसायी प्रमाणपत्र आदि के लिए परीक्षाओं का आयोजन करना तथा उनके लिए लाइसेंस जारी करना।

(7) रेडियो आवृत्ति प्रबन्ध तथा मानीटरन से संबंधित अनुसंधान तथा विकास कार्य करना।

(8) अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार मंच दूर संचार से सम्बन्धित अन्य सम्बन्धित अन्तर्राष्ट्रीय/क्षेत्रीय संगठनों की बैठकों तथा सम्मेलनों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रबन्ध करना।

10. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप क

(क) चने हुए उम्मीदवार सहायक कार्यकारी इंजीनियरी के पद पर दो वर्ष के लिए परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे। परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने पर यदि स्थाई रिक्तता उपलब्ध है और वे स्थाई नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो उन्हें सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर स्थाई किया जाएगा। सरकार दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकती है।

परिवीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के समाप्त होने पर यदि सरकार यह समझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर स्थाई नियोजन के योग्य नहीं है या ऐसी परिवीक्षा की बढ़ाई गई अवधि के दौरान वह इससे संतुष्ट है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियरी ऐसी अवधियों या बढ़ाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थाई नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उस सहायक कार्यकारी इंजीनियर को सेवा निवृत्त कर सकता है अथवा ऐसे आवेदन पास कर सकता है जो वह ठीक समझे।

अधिकारियों को स्थाईकरण से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) यदि आवश्यकता है तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को:—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और
- (2) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्य बोनस की दरें निम्नलिखित हैं:—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सड़क/पूल/यांत्रिक)—
रु. 700-40-900-रु. 40-1100-50-1300

अधीक्षक इंजीनियर (सड़क/पूल/यांत्रिक)—

रु. 1100 (छठे वर्ष या कम)-50-1600

अधीक्षक इंजीनियर (सड़क/पूल/यांत्रिक)

रु. 1500-60-1800-100-2000

मुख्य इंजीनियर (सड़क/पूल/यांत्रिक)—

(1) रु. 2250-125/2-2500

(2) रु. 2250-125/2-2750

अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क/पूल)—

रु. 2500-125/2-3000

अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क/पूल)

रु. 3000-100-3500

टिप्पणी — इन सरकारी अम्बारियों का वेतन जो केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क/ग्रुप ख में परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले मूल रूप में किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थाई पर है एफ. आर. 22-ग (1) के उपबंधों के अधीन नियमित किया जाएगा।

(घ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) पूल ग्रुप क के पद से संबद्ध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सड़क/पूल कार्यों की अभिकल्पना और आकलन तैयार करने की योजना में और राज्यों में ऐसे कार्यों के लिये प्राप्त प्रस्तावों की संवीक्षा करने में जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कन्ध के मुख्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों में धारण तकनीकी अधिकारियों की सहायता करने और/या केन्द्रीय मशीनरी के प्रापण तथा अनुसंधान में।

(11) भारतीय प्रसारण (इंजीनियर) सेवा, सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(क) उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में सीधे भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा नियुक्त पर प्रत्येक अधिकारी दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेगा।

(1) किन्तु शर्त यह है कि नियंत्रण प्राधिकारी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार घटा या बढ़ा सकता है।

(2) अगली शर्त यह है कि परिवीक्षा अवधि बढ़ाने हेतु कोई निर्णय परिवीक्षा की पहली अवधि के समाप्त के बाद आठ सप्ताहों के अन्दर किया जाएगा और सम्बद्ध अधिकारी को ऐसा करने के कारणों सहित उक्त अवधि के अन्दर लिखित रूप में सम्प्रेषित कर दिया जाएगा।

(3) परिवीक्षा अवधि तथा उसकी किसी व्यक्ति के समापन पर अधिकारी का स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त पाए जाने की स्थिति में अपनी नियुक्ति पर नियमित आधार पर बनाए रखा जाएगा और उसकी यथावधि उपलब्ध मूल रिक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा।

(4) यदि परिवीक्षा या बढ़ी हुई परिवीक्षा की अवधि जैसी भी स्थिति हो के दौरान सरकार का यह मत हो कि कोई अधिकारी सरकार में स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती

है या उसी पद पर वापस भर्ज सकती है जा वह उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले धारण कर रहा था, जैसी भी स्थिति हो, या और कोई उपयुक्त आदेश पारित कर सकती है।

(5) परिवीक्षा या बड़ी हुई परिवीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को परिवीक्षा के सफल समापन की शर्त के रूप में सरकार द्वारा यथापेक्षित शिक्षण तथा प्रशिक्षण कांर्स पूरे करने होंगे और परीक्षा तथा परीक्षण (हिन्दी परीक्षा सहित) उत्तीर्ण करने होंगे।

(ख) सेवा में नियुक्ति—उक्त सेवा के विभिन्न ग्रेडों के सभी पदों पर सभी नियुक्तियाँ—चाहे वे “आकाश-वाणी” में हों या “बूरदर्शन” में हों—नियंत्रण प्राधिकारी द्वारा की जाएगी।

(ग) भारत के किसी भाग में सेवा का दायित्व सेवा की अन्य शर्तों—(1) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारियों को भारत के किसी भाग में या बाहर सेवा करनी पड़ सकती है। (2) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी रक्षा सेवा या पद पर कम से कम 4 वर्ष तक कार्य करना पड़ सकता है जिसमें प्रशिक्षण की अवधि सम्मिलित है किन्तु ऐसे अधिकारी को—

(क) ऐसी नियुक्ति की तारीख से या उक्त सेवा के प्रारम्भिक गठन से पहले कार्य ग्रहण की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना पड़ेगा।

उक्त सेवा के सदस्यों की सेवा शर्तों में उन मामलों पर केन्द्रीय सिविल सेवा के अधिकारियों पर लागू होंगे जिनके संबंध में इन नियमों में कोई व्यवस्था नहीं है।

ग्राह्य वेतन की दरें निम्न प्रकार हैं :—

(i) कनिष्ठ वेतनमान	रु. 700-40-900-50 रु०-40-1100-50-1300
(ii) वरिष्ठ वेतनमान	रु. 1100 (छठा वर्ष या कम) - 50-1600
(iii) जे० ए० जी०	रु. 1500-60-1800-100-2000
(iv) जे० ए० जी० (चयन प्रश्न)	रु. 2000-125/2-2250
(v) एस० ए० जी० स्तर-II	रु. 2250-125/2-2500
(vi) इंजीनियर-इन-चीफ	रु. 2500-125/2-3000
ग्राई० बी० (ई०) एस० ग्रुप-क के कनिष्ठ वेतनमान के पद से सम्बद्ध कार्य तथा उत्तरदायित्व के प्रकार	ग्राइकास्ट, टी० बी० स्टूडियो और ट्रांसमीटरों का अभिकल्पन, स्थापन प्रचालन और प्रमुख-सहायक इंजीनियरों के कार्य पर्यवेक्षण का उत्तरदायित्व।

(12) सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (सिविल तथा विद्युत) सिविल—निर्माण स्कन्ध, आकाशवाणी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा के आधार पर होगी।

(ख) (1) पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी का भारत में कहीं भी कार्य करना होगा और किसी भी समय उक्त लोक निगम के अधीन स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसे स्थानान्तरण पर वह निगम के कर्मचारियों के लिए निर्धारित की गई सेवा की शर्तों से शासित होगा।

(2) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक स्टेशन इंजीनियर या सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा; और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा,

(ग) सरकार बिना कोई नोटिस दिए निम्नलिखित परिस्थितियों में अधिकारी की नियुक्ति समाप्त कर सकती है :—

(1) परिवीक्षा की अवधि के अन्तर्गत या उसके समाप्त होने पर, (2) अनधीनता असंयम, कदाचार या उस समय सेवा से सम्बद्ध प्रवृत्त नियमावली के उपबन्धों में किसी को भंग करने या अनुपालन करने के लिए, (3) यदि वह डाक्टरों के रूप से अयोग्य पाया जाता है और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अस्वस्थता के कारण बहुत अधिक समय तक अयोग्य बना रहता है।

अस्थायी नियुक्तियों के मामलों में किसी पक्ष की ओर से कोई कारण बताये बिना एक महीने का नोटिस देकर किसी भी समय अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है।

(घ) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) रु. 650-30-740-35-810-ब. रु. -35-880-40-1000-द. रु. -40-1200।

(ङ) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर :—

(1) सम्बद्ध ग्रेड में कम से कम 8 वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) रु. 1100-50-1600 के वेतनमान में कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(2) ग्रेड में कम से कम 7 वर्ष की सेवा रखने वाले कार्यकारी इंजीनियर रु. 1800-100-2000 के वेतनमान में अधीक्षण इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(3) ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले अधीक्षण इंजीनियर रु. 2000-125/2-2250 के वेतनमान में अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर (सिविल) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

नोट :—संवा की शर्तों जैसे स्थानान्तरण/दौरों पर अवकाश यात्रा भत्ते कार्यारम्भ समय/कार्यारम्भ समय वृत्तन, चिकित्सा सविधान, यात्राविवरण, पेंशन और आनु-सोषिक नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण आदि, वही होगी जो समान हौसखत के अन्य केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए लागू होंगे।

(च) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत) के पद में सम्बन्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप—अभिकल्पना और आरेखन में कार्य के लिए निर्धारित किए गए मानदण्ड और स्तर के कार्यों का निष्पादन करना।

13. भारतीय नौसेना आयुध सेवा

(क) पद पर नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों का दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन नियुक्त किया जाएगा और यह अवधि सक्षम प्राधिकारी की विवेका पर बढ़ाई जा सकती है। सक्षम प्राधिकारी की राय में परिवीक्षा अवधि संतोषजनक रूप से पूरी न करने पर उन्हें सेवानिवृत्त किया जा सकेगा। परिवीक्षा अवधि के अन्तर्गत उन्हें 9-12 महीने की अवधि के लिए एक तकनीकी प्रशिक्षण पर जाना होगा और ज्यादा से ज्यादा तीन प्रयास में विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। यदि वे विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाते हैं तो सरकार की विवेका पर उनकी सेवाएं समाप्त की जा सकेंगी।

(ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा नोटिस की अपेक्षित अवधि (अस्थायी नियुक्ति के मामले में एक महीना और स्थायी नियुक्ति के मामले में तीन महीने) देकर किसी समय भी नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु सरकार को नियुक्त उम्मीदवारों की सेवाएं नोटिस की अवधि या इसके समाप्त न हुए भाग के लिए वेतन तथा भत्तों के बराबर की राशि का भुगतान तुरंत तत्काल या नोटिस की निर्धारित अवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त करने का अधिकार होगा।

(ग) वे समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा प्राक्कलन से प्रदत्त सिविलियन सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू सेवा शर्तों के अधीन होंगे वे समय-समय पर संशोधित फोल्ड सर्विस दायित्व नियमावली 1957 के अधीन होंगे।

(घ) उनका भारत या विदेश में कहीं भी स्थानान्तरण किया जा सकेगा।

(ङ) वेतनमान तथा वर्गीकरण—ग्रुप-क—राजपत्रित
र० 700-1300।

(I) उप-आयुध आपूर्ति अधिकारी र० 700-40-900-र० रो०-40-
ग्रेड-II 1100-50-1300

(II) उप-आयुध आपूर्ति अधिकारी र० 1100-50-1600
ग्रेड-I

(III) नौसेना आयुध आपूर्ति अधिकारी र० 1500-60-1800
(साधारण ग्रेड)

(IV) नौसेना आयुध आपूर्ति अधिकारी र० 1500-80-1800-100-
(चयन ग्रेड) 2000

(V) निवेशक आयुध आपूर्ति र० 2000-125/2-2250

टिप्पणी—उक्त संवा के संवर्ग की पुनरीक्षा सरकार के विचाराधीन है (3) और (4) पर निर्दिष्ट पदों के रूप 1500-60-1800-100-2000 के ग्रेड में मिलाए जाने की संभावना है। आयुध आपूर्ति निवेशक के पद का वेतनमान पुनरीक्षाधीन है।

(च) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर—

(1) उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड—

पांच वर्ष की सेवा रखने वाले उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-2 विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर रु. 1100-1600 के वेतनमान में उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड-1 के पद में पदोन्नति के पात्र हैं परन्तु केवल उन्हीं अधिकारियों की पदोन्नति के लिए विचार किया जाएगा जिन्होंने ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो जो आई. आई. टी. किरकी में तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स नौसेना तकनीकी स्टाफ अधिकारी कोर्स के बाद ली गई है।

संवर्ग पुनरीक्षा के अन्तर्गत डी. ए. एस. ओ. ग्रेड-1। से डी. ए. एस. ओ. ग्रेड-1 में पदोन्नति हूँ, अर्हक सेवा को कम करके 4 वर्ष करने का प्रस्ताव है।

विभागीय परीक्षा की पाठ्यचर्या नीचे दी गयी है :—

1. नौसेना आयुध डिपो विद्यालयपट्टनम

(क) शाला-कार्य (तीन मास)

(ख) गन ध्वाफ तकनीकी कोर्स

(ग) गोला धारुद तकनीकी कोर्स 1-37 सप्ताह

(घ) प्रशासनिक तथा लेखाकोर्स

(ङ) बालसर, कोसोणोर, इमापोर और जबलपुर देखने जाना

2. गनरी स्कूल तथा टी. ए. एस. स्कूल

3. भारी धातु कारखाना अबाड़ी और कार्डाइट कारखाना अरुंगगड देखने जाना।

5. आयुध प्रायोगिकी संस्थान किरकी

(क) गनध्वाफ तकनीकी कोर्स 2

(ख) गोला धारुद तकनीकी कोर्स 2

(ग) आयुध कारखाना, अंबरनाथ देखने जाना

3 सप्ताह

5. आयुध प्रायोगिकी संस्थान किरकी

1. एच. ई. कारखाना शास्त्रागार, ए. आर. डी. ई. और ई. आर. डी, एल. किरकी देखने जाना।

4 सप्ताह

2. नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली जाते हुए आयुध कारखाना तथा जेल आर्मस फैक्टरी कानपुर देखने जाना।

1 सप्ताह

3. नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली दिल्ली रक्षा विज्ञान प्रयोगशाला देखने जाना।

1 सप्ताह

नौसेना अंतिम परीक्षा

(2) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड)

उप-आयुध पूर्ति अधिकारी (ग्रेड-1) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में पाँच वर्ष की सेवा की हो उपयुक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन किए जाने के आधार पर रु. 1500-60-1800 के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हों।

(3) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड)

नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में 3 वर्ष की सेवा की हो। उपयुक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु. 1500-60-1800-100-2000 के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हों।

(4) आयुध पूर्ति निदेशक

सम्बद्ध ग्रेड (ग्रेडों) में पाँच वर्ष की सेवा रखने वाले नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड/साधारण ग्रेड) उपयुक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु. 2000-125/2-2250 के वेतनमान में आयुध पूर्ति निदेशक के रूप में पदोन्नति के पात्र हों।

अगले उनके ग्रेड में पदोन्नति होत यथापूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की हैं और संबद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

नोट—उप सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति के तत्काल पहले किसी आवाधिक पद के अनिश्चित मूल रूप से अस्थायी पद धारण किए हुए थे, एफ आर. 22ख (1) के प्रावधानों तथा भारतीय नौसेना परिवीक्षाधीन व्यक्तियों को लागू सी. एस. के. और तदनुसंगी अनुच्छेद के अधीन विनियमित किया जा सकता है।

(क) भारतीय नौसेना रक्षा मंत्रालय में उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड 2 के पद से सम्बद्ध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप :

- (1) विविध यांत्रिक इलेक्ट्रॉनिकी तथा वैद्युत साधनों तथा उत्पादन तथा उत्पादकता प्रणाली वाले आयुध सामग्री की मरम्मत, आसक्ति तथा अनुरक्षण से सम्बद्ध कार्य का प्रवर्तनीकरण आयोजन तथा निदेशन।
- (2) मरम्मत, अनुरक्षण और ओवरहाल के लिए इलेक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत उपकरणों की मशीनरी का उपलब्ध कराना।
- (3) आयात प्रतिस्थापना से सम्बद्ध विकासीय कार्य, स्वदेशी अभिकल्पन विशिष्टता तैयार करना।
- (4) आयुध के लिए यांत्रिक इलेक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत अतिरिक्त पार्ट्स का उपलब्ध कराना।
- (5) आयुध (मिसाइल्स टारगेटिंग माइन्स तथा गन) मापने वाले यंत्रों आदि के यांत्रिक इलेक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत मदों के उप-सम्पन्न तथा सम्पन्नियों का आवाधिक अंशकाल परीक्षण/संच।
- (6) प्लॉट तथा नौसेना प्रतिष्ठानों को आयुध सामग्री की पूर्ति।
- (7) आयुधों के बारे में यांत्रिक, इलेक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत इंजीनियरी से सम्बद्ध सभी मामलों में सम्बद्ध सेवा की तकनीकी सलाह देना।

14. डाक तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध में सहायक कार्य-कारो इंजीनियर

(क) उम्मीदवारों की नियुक्तियां परिवीक्षा आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी। उन्हें यथा निर्धारित प्रशिक्षण देना होगा। यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसमें यह आभास हो कि उसके कार्यकाल होने की सम्भावना नहीं है, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी नियुक्तियां उपलब्ध हों तो सरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी बना सकती है और यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है उसकी परिवीक्षा अवधि को चितना उचित समझे और बढ़ा सकती है।

अधिकारियों को ऐसी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो परिवीक्षा अवधि के दौरान निर्धारित की जाए। उन्हें हिन्दी में एक परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) इस प्रतिभागिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त अधिकारी के अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर गिराई गई अवधि यदि कोई हो, भी सम्मिलित है।

परन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त।

(ग) प्रथम वेतन दर निम्न प्रकार है: ग्रुप ख सहायक इंजीनियर (सिविल)/(वैद्युत) रु. 650-30-740-35-810 य. र. 35-880-40-1000-य. र. -40-1200।

ग्रुप "क"

(1) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)/(वैद्युत) रु. 700-40-900-द. र. -40-1100-50-1300।

(2) कार्यपालक इंजीनियर/निर्माण सर्वेक्षक (सिविल)/(वैद्युत) रु. 1100-50-1600।

(3) अधीक्षक इंजीनियर/अधीक्षण निर्माण सर्वेक्षक (सिविल)/(वैद्युत) रु. 1500-60-1800-100-2000।

(4) मुख्य इंजीनियर रु. 2250-125/2-2500।

(ग) डाक तार सिविल स्कन्ध में उक्त पदों में जो कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व सम्बद्ध हैं वे नीचे दिए गए हैं—

इंजीनियर सेवा परीक्षा के माध्यम से डाक तार सिविल स्कन्ध में भर्ती हुए उम्मीदवारों को डाकतार विभाग के विभिन्न सिविल निर्माणों के लिए आवासीय भवन, कार्यालय भवन, दरवाजा केन्द्र भवन, शकधर भवन, कारखानों, भण्डार तथा प्रशिक्षण केन्द्र सम्मिलित आदि हैं आयोजन अभिकल्पन, निर्माण और अनुरक्षण पर लगाए जाते हैं। उम्मीदवार विभाग में अपनी सेवा सहायक कार्यकारी इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और सेवा करते विभाग के विभिन्न वरिष्ठ पदों पर पदोन्नति पा सकते हैं।

15. तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद :—

(क) तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

(ख) इस ग्रुप 'क' राजपत्रित पद का वेतनमान रु. 700-40-900-ब. रं. -40-1100-50-1300 है।

(ग) तकनीकी विकास महानिदेशालय में ऐसे सहायक विकास अधिकारी 1100-50-1500-ब. रं. -60-1800 के वेतनमान में विकास अधिकारी के पद पर पदोन्नति के पात्र जिन्होंने उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा कर ली है। विकास अधिकारी के संवर्ग में 90 प्रतिशत पद पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। विकास अधिकारी रु. 1800-100-2000 के वेतनमान में अपर आधौगिक सलाहकार के रूप में पदोन्नति के पात्र हैं। अपर आधौगिक सलाहकार रु. 2000-125/2-2500 के वेतनमान में आधौगिक सलाहकार के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। आधौगिक सलाहकार रु. 2500-125/2-3000 के वेतनमान में उपमहानिदेशक के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। तथा उपमहानिदेशक रुपये 3500 के नियत वेतन पर सचिव (तकनीकी विकास) और महानिदेशक (तकनीकी विकास) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

(घ) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किये जाने वाले व्यक्ति को आवश्यक होने पर किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित, यदि कोई है, कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) ऐसी नियुक्ति के दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(2) बालीस वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के बाद सामान्यतया या पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) सहायक विकास अधिकारी के पद से सम्बद्ध कार्यों और उत्तरदायित्वों का स्वरूप उससे सम्बद्ध प्रभागों अर्थात् यांत्रिक इंजीनियरी, आधौगिक मशीनरी, मशीन आजार, वैद्युत इंजीनियरी, आटोमोबाइल, इलेक्ट्रानिक इंजीनियरी उद्योगों आदि उद्योगों के विकास में विकास अधिकारी की सहायता करनी है।

16. इ. एम. इ. कोर, रक्षा मंत्रालय में कर्मशाला अधिकारी का पद

(क) इ. एम. इ. कोर में कर्मशाला अधिकारी के पद भर्ती व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर होंगे।

(ख) उक्त पद पर नियुक्त उम्मीदवारों को भारत में कहीं भी काम करना होगा।

(ग) ब्राह्मवेतन की दरें निम्न प्रकार हैं :—

(i) कार्यशाला अधिकारी ग्रुप 'क' रु. 650-30-740-35-810-
रु. 800-35-880-40-1000-
रु. 800-40-1200

(ii) कर्मशाला अधिकारी ग्रुप 'क' रु. 700-40-900-ब. रं. -
40-1100-50-1300

(iii) वरिष्ठ कर्मशाला अधिकारी रु. 1100-50-1300

(iv) कर्मशाला प्रवीक्षक रु. 1500-60-1800

(v) कर्मशाला प्रधीक्षक (चयन ग्रेड) रु. 1800-100-2000

(ब) कर्तव्य :— 'ए', 'बी' और 'सी' वाहनों, तोप, वायर-लेस तथा रेडार उपस्कर व उपकरणों का मरम्मत कार्य करने वाले अनुभाग के प्रभारी के रूप में कार्य करना। इ. एम. इ. आर्मी बेस वर्कशॉप/स्टेशन वर्कशॉप में अधिकारी के रूप में कार्य करना और/या स्टाप/इ. एम. इ. (रजिमेंट के अलावा) रोजगार नियुक्तियों में कौन्टन (इ. एम. इ.) के स्थान पर कार्य करना या इ. एम. इ. प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशासकीय कर्तव्यों के साथ-साथ अनुदेशक के रूप में कार्य करना होगा।

(ङ) प्रारम्भ में उक्त पद गैर पेंशनी है लेकिन स्थायी होने पर ये पद पेंशनी हो जाएंगे। किन्तु यदि सरकार के अधीन स्थायी पद पर कार्यरत व्यक्ति इस पद पर नियुक्त किया जाता है तो उसे पेंशन के सारे लाभ मिलते रहेंगे।

(च) उक्त पद के लिए चुने हुए उम्मीदवार फील्ड में सेवा के वायित्व से प्रतिबद्ध हैं, उनका स्वस्थता-स्तर वर्ग 1 (एक) होना चाहिए।

17. भारतीय आपूर्ति सेवा/भारतीय निरीक्षण सेवा

(क) चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर अधिकारियों को स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाने पर स्थायी पदों के उपलब्ध होते ही स्थायी कर दिया जायेगा। सरकार इस दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि को बढ़ा भी सकती है।

यदि परिवीक्षा की उक्त अवधि या उसकी बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति होने पर सरकार की यह राय हो कि उम्मीदवार स्थायी नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है तथा परिवीक्षा की अवधि या बढ़ी हुई अवधि के दौरान सरकार संतुष्ट हो जाए कि वह इस अवधि या बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो वह उस अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जो वह उचित समझे। अधिकारियों को स्थायी होने से पहले हिन्दी में एक विहित परीक्षा भी उत्तीर्ण करना होगी।

(ख) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित यदि कोई है, कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए या किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा।

किन्तु उस व्यक्ति को—

- (1) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य करना होगा।
- (2) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) ग्रहण्य वेतन की दर निम्नलिखित है :—

ग्रेड 1—कनिष्ठ (ग्रुप 'क')

वेतनमान : रु. 700-40-900-द. र. -40-1100-50-1300

ग्रेड 2—वरिष्ठ (ग्रुप 'क')

वेतनमान : रु. 1100 (छठा वर्ष या इससे कम) -50-1600 ।

ग्रेड 1—प्रशासनिक चयन पद : रु. 1500-60-1800-100-2000 ।

सुपरग्राइड वेतनमान पद : (क) रु. 2000-125/2-2250

(ख) रु. 2250/125/2-2500 ।

(ग) रु. 2500-125/2-2750 ।

टिप्पणी—जिस सरकारी कर्मचारी ने इस परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले आवधिक पद से अन्यथा किसी स्थायी पद पर स्थायी हस्तांतरण से काम किया है उसका वेतन एफ. आर. 22-वी (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ख) भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क' भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क' से सम्बद्ध कार्य तथा जिम्मेदारियों का स्वरूप ।

भारतीय आपूर्ति सेवा ग्रुप 'क'

भारतीय आपूर्ति सेवा के अधिकारियों का मुख्य कार्यभार भारत सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि की ओर से भंडार सामग्री खरीदना तथा बची हुई सामग्री का निपटारा करना है। भारतीय आपूर्ति सेवा अधिकारियों से आशा की जाती है कि उनके पास आपूर्ति एवं नियंत्रण महा. नि. और विशेष स्थित राजस्व-वासी/उच्चायागों के आपूर्ति स्कन्धों को भेजे गए विभिन्न प्रकार के मांग पत्रों में निपटारा के लिए अपेक्षित तकनीकी पृष्ठ भूमि हो।

भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'क'

इंजीनियरी वस्तुओं तथा सामग्रियों और समस्त भण्डारों का निरीक्षण तथा परीक्षण, कनिष्ठ अधिकारियों के काम का पर्य-वेक्षण करना तथा यह देखना कि उनको अपने कार्य तथा कर्तव्यों के संबंध में पर्याप्त निर्देश मिल गए हैं, महत्वपूर्ण कार्य की ओर व्यक्तिगत ध्यान देना, तकनीकी रिपोर्ट, विनिर्दिष्टता तथा आवश्यकता सूचियां बनाना और इंजीनियरी भंडारों के मांगपत्रों के तकनीकी विवरणों की जांच करना, विभाग की अन्य शाखाओं के अधिकारियों, मांग पत्र भेजने वालों तथा निर्माताओं के इंजीनियरी मामलों में तकनीकी सलाह तथा सहायता देना।

18. सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

(1) चूना हुआ उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षाधीन व्यक्ति को परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निहित विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करना होगा। परिवीक्षा की अवधि के दौरान या इसकी समाप्ति पर किसी समय यदि सरकार की राय में उसका कार्य और आचरण असंतोषजनक रहा है, तो हो सकता है कि सरकार या तो उसे कार्य मुक्त कर दे या उसकी परिवीक्षा अवधि यथावधि के लिए बढ़ा दे।

(2) चूने गए उम्मीदवारों को भारत के किसी भी भाग या विदेश में जिसमें युद्ध तथा शांति के क्षेत्र सम्मिलित हैं कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिए निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(3) उनको प्राप्त वेतन की दर निम्नलिखित है :—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—रु. 700-40-900-द. र. -40-1100-50-1300 ।

कार्यकारी इंजीनियर—रु. 1100 (छठे वर्ष या इससे कम) 50-1600 ।

अधीक्षक इंजीनियर—रु. 1500-60-1800-100-2000 ।

मुख्य इंजीनियर (सिविल) ग्रेड-2—रु. 2250-125/2-2500 ।

मुख्य इंजीनियर (सिविल) ग्रेड-1—रु. 2500-125/2-2750 ।

(4) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षण इंजीनियर, मुख्य-इंजीनियर (केवल सिविल इंजीनियरी के अधिकारियों के लिए लागू) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की प्रत्याशा कर सकते हैं। अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति होते या पूर्वोक्त अपेक्षाएं न्यूनतम पात्रता की हैं और सम्बद्ध ग्रेड में पदोन्नति केवल रिक्तियों की उपलब्धता पर होगी।

(5) उक्त सेवा में नियुक्त अधिकारी कुछ विनिर्दिष्ट इलाकों में तैनात होने पर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को यथाग्रहण अन्य सामान्य भत्तों जैसे भ्रमण भत्ता तथा तगर प्रतिपूरक भत्ता आदि के अलावा विहित दर पर विशेष प्रतिपूरक भत्ता और भक्षण राशन के हकदार हैं। वे वर्दी के वास्ते परिवार-सज्जा भत्तों के भी हकदार हैं।

(6) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' के पदों पर नियुक्त अधिकारियों पर अनुशासन के मामले में भल सेना अधिनियम, 1950 लागू होगा।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 12th February 1987

No. 16-Pres/87.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Manipur Rifles, Manipur :—

Names and rank of the Officers

Shri Laxman Pradhan,
Naik No. 1681
Manipur Rifles,
Manipur.

Shri Dambar Bahadur,
Rifleman No. 13084,
Manipur Rifles,
Manipur.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 12th November, 1985, one vehicle was noticed in front of the Kabowachung Manipur Rifles post. The post was established to protect the construction work going on for Kabowachung Sugar Mill Factory. Suddenly the vehicle stopped in front of the Manipur Rifles post and its two occupants armed with sten-guns jumped down and rushed towards the post and opened fire at the sentry, Rifleman Dambar Bahadur, who was on duty at that time. The sentry got bullet injuries on his hip but without losing his cool and despite the injury sustained, he returned the fire immediately from his service rifle which pinned down the attackers. On hearing the sound of firing, Naik Laxman Pradhan, the duty NCO of the post, rushed out from the barrack with his sten-gun and gave support to the sentry by opening fire at the attackers. By this time two other riflemen also joined the Naik and the sentry in resisting the extremists attack on the post. Shri Laxman Pradhan soon exhausted the ammunition and rushed back into the barrack taking cover on the bunkers and brought out the LMG and started firing at the culprits. When concerted resistance offered by the Naik and three riflemen did not break up the attack, Naik Laxman Pradhan without caring for the personal safety, came out of the bunker and charged at the attackers. On seeing the courage and extra-ordinary guts of the officer, the extremists lost heart and withdrew. Shri Laxman Pradhan, however, chased the culprits and fired at the fleeing extremists as a result of which one of the extremists sustained injuries and finally succumbed to the injuries. The extremist was later identified as K. K. Tullachandya Singh, leader of PREPAK Organisation. The other extremists, however, managed to escape. One M.K.II Sten-gun with 8 rounds of ammunition was found near the dead extremist.

In this encounter, Shri Laxman Pradhan, Naik and Shri Dambar Bahadur, Riflemen, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 12th November, 1985.

No. 17-Pres/87.—The President is pleased to award Bar to the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Bihar Police :—

Name and rank of the Officer

Shri Anjani Kumar Sinha,
Inspector of Police,
Khajekala Police Station.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 1st October, 1985 Shri Anjani Kumar Sinha, Inspector of Police got information that a dacoity had been committed and a sum of Rs. 90,000/- had been looted at Gun point from the Manager of Bharijee Mills and that the dacoits were fleeing in a tempo towards Mangal Tank. Shri Sinha alongwith two Sub-Inspectors and 4 Home Guards went in a jeep towards Mangal Tank. After noticing the fleeing

tempo Shri Sinha shouted to stop the vehicle, but in response the criminals threatened the Police party. The threat did not deter the Police party and they continued to follow the criminals. Immediately some criminals got down from the tempo and hurled bombs at the Police Jeep which fell near the front right wheel of the jeep and exploded. Shri Sinha got injury on his right thigh and the jeep was damaged. The Police party continued to chase the criminals. Some of the criminals ran towards 'Beggars Remand Home' and the others drove towards Shah Kamal Road by Tempo, continuously firing on the Police party. Shri Sinha directed Sub-Inspector Deepak Kumar Ambastha to chase the fleeing tempo and he himself, alongwith Sub-Inspector M. K. Kumar Singh, chased the criminals who were throwing bombs. Shri M. K. Kumar Singh was injured near the knee of his right leg with a bomb thrown by a criminal from 'Beggars Remand Home'. Seeing the life of the Police party in danger, Shri Sinha ordered Shri M. K. Kumar Singh to open fire and both the officers fired from their service revolvers. One of the criminals throwing bombs got bullet injury and fell down. He later succumbed to his injuries in the hospital. He was later identified as Gunt Sao of Chutukia Bazar and was wanted in a number of cases. The looted money of Rs. 80,200/- and 5 country made bombs were recovered from his possession.

The second Police party headed by Sub-Inspector Deepak Kumar Ambastha continued to chase the fleeing criminals and succeeded in capturing one of the criminals, viz. Mahesh alongwith the Tempo. A sum of Rs. 10,000/- and one country made pistol loaded with 315 bore live cartridges were recovered from his possession. Thus the entire looted amount of Rs. 90,200/- was recovered.

In this encounter, Shri Anjani Kumar Sinha, Inspector of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Bar to the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 31st Oct. 1985.

No. 18-Pres/87.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Bihar Police :—

Names and rank of the Officers

Shri Maharaja Kanisk Kumar Singh,
Sub-Inspector of Police,
Khajekala Police Station.

Shri Deepak Kumar Ambastha,
Sub-Inspector of Police,
Khajekala Police Station.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 31st October, 1985 Shri Anjani Kumar Sinha, Inspector of Police, got information that a dacoity had been committed and a sum of Rs. 90,000/- had been looted at Gun point from the Manager of Bharijee Mills and that the dacoits were fleeing in a Tempo towards Mangal Tank. After noticing the fleeing Tempo, Shri Sinha shouted to stop the vehicle, but in response, the criminals threatened the Police party. The threat did not deter the Police party and they continued to follow the criminals. Immediately some criminals got down from the Tempo and hurled bombs at the Police jeep which fell near the front right wheel of the jeep and exploded. Shri Sinha got injury on his right thigh and the jeep was damaged. The Police party continued to chase the criminals. Some of the criminals ran towards 'Beggars Remand Home' and the others drove towards Shah Kamal Road by Tempo, continuously firing on the Police party. Shri Sinha directed Sub-Inspector Ambastha to chase the fleeing tempo and he himself, alongwith Sub-Inspector M. K. Kumar Singh, ran behind the criminals, who were throwing bombs. One of the criminals threw a bomb from the side of 'Beggars Remand Home' which injured Shri M. K. Kumar Singh near the knee of his right leg. Seeing the life of the Police party in danger, Shri Sinha, ordered Shri M. K. Kumar Singh to open fire and both the officers fired from their service revolvers. One of the criminals throwing bombs got bullet injury and fell down. He later succumbed to his

injuries in the hospital. He was later identified as Guru Sao of Chutukia Bazar and was wanted in number of cases. The looted money of Rs. 80,200/- and 5 country made bombs were recovered from his possession.

The second Police party headed by Sub-Inspector D. K. Ambastha continued to chase the fleeing criminals and succeeded in capturing one of the criminals, viz. Mahesh along with the Tempo. A sum of Rs. 10,000/- and one country made pistol loaded with .315 bore live cartridges were recovered from his possession. Thus the entire looted amount of Rs. 90,200/- was recovered.

In this encounter, Shri Maharaja Kanisk Kumar Singh, Sub-Inspector and Shri Deepak Kumar Ambastha, Sub-Inspector, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 31st Oct. 1985.

No. 19-Pres/87.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

Name and rank of the Officer

Shri Om Prakash Rathore,
Superintendent of Police,
District Gwalior,
Madhya Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the evening of 18th April, 1985, Shri Om Prakash Rathore, Superintendent of Police, Gwalior received information about the presence of the gang of dacoit Ramkishan Kachhi on the fringe of the jungle near village Sukha Patha and was reportedly planning to commit a dacoity/murder after mid-night in order to avenge an old enmity. Shri Rathore rushed to Police Station Pichhor and collected the available force and proceeded to the gang's hideout. Shri Rathore laid an ambush on the one-man track coming from the gang's hideout to the village, with a small party of Policemen and himself took the position right on the track behind a small bush. Around mid-night, he heard the sound of footsteps of a few human beings approaching his position. When the dacoits were hardly ten yards away from his position, Shri Rathore challenged them to surrender. The dacoits replied with a volley of fire. Since the dacoits were taken unawares, they could not aim properly. Shri Rathore, who had a narrow escape, opened fire in self-defence and dropped dead the dacoit gang leader Ramkishan Kachhi, who was armed with a 12 bore gun/ammunition. The other dacoits escaped taking advantage of darkness.

In this encounter, Shri Om Prakash Rathore, Supdt. of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 18th April 1985.

S. NILAKANTAN
Dy. Secy. to the President

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES
AND PENSIONS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)

RULES FOR CLERKS' GRADE EXAMINATION, 1987

New Delhi-1, the 21st February 1987

No. 9/2/86-CS.II.—The Rules for Competitive Examination to be held by the Staff Selection Commission, Department of Personnel and Training, in 1987 for the purpose of filling temporary vacancies in the following service/posts (and for such other service/posts as may be included

by the Commission in their Advertisement inviting applications for the Examination) are published for general information :—

- (i) Indian Foreign Service (B) Grade VI.
- (ii) Railway Board Secretariat Clerical Service-Grade II.
- (iii) Central Secretariat Clerical Service-Lower Division Grade.
- (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service-Lower Division Grade.
- (v) Posts of Lower Division Clerks in the Election Commission of India.
- (vi) Posts of Lower Division Clerks in the Department of Parliamentary Affairs, New Delhi.
- (vii) Posts of Lower Division Clerks in the Office of the Inspector General of Indo-Tibetan Border Police, Delhi.
- (viii) Posts of Lower Division Clerks in the Central Vigilance Commission.

Preference in respect of services/posts mentioned above will be invited by the Commission from the candidate at the time of submitting their applications. A candidate may, however, change the order of preferences once before the date of the written examination.

2. Reservation will be made for candidates who are ex-servicemen, for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and for physically handicapped (the deaf and orthopaedically handicapped persons only) persons in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. (i) Ex-serviceman means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as a non-combatant), in the Armed Forces of the Union, including the Armed Forces of the former Indian States, but excluding the Assam Rifles Defence Security Corps, General Reserve Engineering Force, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation, and

- (a) has been released, otherwise than at his own request or by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or has been transferred to the reserve pending such release, or
- (b) has to serve for not more than six months for completing the period of service requisite for becoming entitled to be released or/transferred to the reserve as aforesaid, or
- (c) has been released at his own request after completing five years service in the Armed Forces of the Union,

(ii) Scheduled Castes/Scheduled Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) order 1950, the Constitution (Scheduled Tribes) order 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) order 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) order, 1951 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation Act, 1971 the Constitution/ (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956 and the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962. The Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes 1968, the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes order, 1978, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes order 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.

(iii) Physically handicapped person means a person belonging to any of the following categories :—

- (a) *The Deaf* :—The deaf are those in whom the sense of hearing is non-functional for ordinary purposes of life. They do not hear and understand sound at all even with amplified speech. The cases included in this category will be those having hearing less more than 90 decibels in the better ear (profound impairment) of total loss of hearing in both ears.
- (b) *The Orthopaedically handicapped* :—The Orthopaedically handicapped are those who have a physical defect or deformity which causes an interference with the normal functioning of the bones, muscles and joints.

The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in appendix 1 to the Rules. The date on which and the Places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian Origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

(1) Provided that a candidate belonging to categories (b),

(c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

(2) Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B) Grade VI.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment will be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Ministry/Department, which is administratively concerned with the post where the candidate is likely to be appointed.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st August, 1987 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1962 and not later than 1st August, 1969.

(b) Ex-serviceman fulfilling the conditions laid down in 3(i) above shall be allowed to deduct military service from their actual age and such resultant age should not exceed prescribed age limit by more than three years.

Candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for all the vacancies whether reserved or not for ex-serviceman.

NOTE I : Ex-servicemen who have already joined Government job in civil side after availing of the benefits given to them as ex-serviceman for their re-employment are not eligible to the age concession.

NOTE II : The period of "Call up service" of an ex-serviceman in the Armed Forces shall also be treated as service concerned in the Armed Forces for purpose of Rule 5(b) above.

NOTE III : For any serviceman of the three Armed Forces the Union to be treated as Ex-serviceman for the purpose of securing the benefits of reservation, he must have already acquired, at the relevant time of submitting his application for the post/service, the status of ex-serviceman and/or is in a position to establish his acquired entitlement by documentary evidence from the competent authority that he would be released/discharged from the Armed

Forces within the stipulated period of six months on completion of his assignment. (The date of the examination is not relevant for this purpose).

(c) The upper age limit in all these cases will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to Scheduled Caste or a Scheduled Tribe,
- (ii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate or a prospective repatriate of Indian Origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda or the United Republic of Tanzania;
- (vii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, or in peace time and released as a consequence thereof;
- (x) upto a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area or in peace time and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) upto a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof;
- (xii) upto a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities in 1971 and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xiii) upto a maximum of three years if a candidate is bonafide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam) and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiv) upto a maximum of ten years if the candidate is a physically handicapped person, (for candidates belonging to SC or ST) who are physically handicapped the maximum relaxation of ten years permissible for physically handicapped persons shall

be in addition to the age relaxation provided in terms of Column (i);

- (xv) upto the age of 35 years (upto 40 years for members of Scheduled Castes/Scheduled Tribes) in the case of widows, divorced women and women judicially separated from their husbands, who are not remarried;

- (xvi) Upper age limit is relaxable upto a maximum of six years for those persons who have ordinarily resided in the State of Assam during the period from 1st January, 1980 to 15th August, 1985. This is subject to the production of a certificate from (a) the District Magistrate within whose jurisdiction he/she ordinarily resided or (b) any other authority designated in this behalf by the Government of Assam.

- (d) The upper age limit will be relaxable upto the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Clerks/Assistant Compilers/Storekeepers in the various Departments/Offices of the Government of India and in the Office of the Election Commission, and have rendered not less than 3 years continuous service as Clerks as on 1-8-1986 and who continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be admissible to persons appointed as Clerks in the Ministries/Departments and attached Offices participating in (i) Central Secretariat Clerical Service; (ii) Indian Foreign Service (B); (iii) Railway Board Secretariat Clerical Service and to persons who are ex-servicemen competing at the examination for vacancies reserved for ex-servicemen.

- (c) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been employed as Hindi Clerks/Hindi Typists in the various Ministries/Departments and Attached Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service, and have rendered not less than 3 years continuous service as Hindi Clerks/Hindi Typists on 1-8-1986 and who continue to be so employed.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession shall be eligible to compete for only vacancies in the Central Secretariat Clerical Service.

- (f) The upper age limit will be relaxable upto 45 years in respect of service clerks in the last years of their colour service in the Armed Forces, i.e. those who are due for release from the Army during the period 2nd August 1987 to 1st August, 1988. Such candidates are not entitled to any concession in fee.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete only for vacancies in Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organisations, which are not reserved for ex-servicemen.

- (g) There will be no upper age limit for Telephone Operators who are employed in the Ministry of External Affairs as on 1-8-1987 and who continue to be so employed.

- (h) Upper age limit is also relaxable upto 35 years for the Staff Car Drivers who are educationally qualified for appointment to the posts of LDCs and who have not less than 3 years of continuous service in the grade, in accordance with DP&AR's O.M. No. 22011/15/81-Estt. (D), dated 4-7-1983.

NOTE 1: Services rendered by R. M. S. Sorters employed in Subordinate offices of Postal Department shall be treated as service rendered in the grade of Clerks for purpose of Rule 5(d) above.

NOTE 2: The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(c), Rule 5(d) and Rule 5(g) above, is liable to be cancelled if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by this Department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

NOTE 3: A Clerk who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination.

NOTE 4: Any permanent or temporary Telephone Operator working in the Office/Department participating in the Ministry of External Affairs shall be eligible to appear at the examination provided that no Telephone Operator shall be allowed to avail of more than two chances to qualify in the examination.

Telephone Operators, who are on deputation to other ex-cadre posts with the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible. This also applies to a person who has been appointed to another ex-cadre post or to another service on transfer, if he/she continues to have lien on the post of Telephone Operator for the time being.

NOTE 5: The examination will be qualifying and not competitive so far as persons falling under category (g) above of his rule are concerned. They will not be required to appear at the typewriting test forming part of this examination. They shall have to pass a periodical typewriting test held by this Commission, if not already passed within a period of one year from the date of their appointment as a Lower Division Clerk, failing which no annual increment will be allowed to them until they have passed the said test.

Telephone Operator recommended by the Commission shall be inducted only in I.F.S. (B) Grade VI.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED. AGE CONCESSION IS NOT ADMISSIBLE TO THE SONS AND DAUGHTERS OF EX-SERVICEMEN AND PERSONS BELONGING TO 'BACKWARD CLASSES'.

6. Candidates must have passed the Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School, High School, or any other certificate which is accepted by the Government of that State/Government of India as equivalent to matriculation certificate for entry into services.

NOTE 1: A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also a candidate who intends to appear at such a qualifying examination will not be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2: In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of that Government justified his admission to the examination.

7. No person—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

- A person married to a foreign national shall not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)—Grade VI.

8. A candidate already in Government service whether in a permanent or temporary capacity may apply direct for appearing at the examination but will have to send to the Commission a 'No Objection Certificate' from his office before being allowed to take the Typewriting Test.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority is found

not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE : In the case of the disabled ex-Defence Services personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate will be admitted to the examination unless he holds certificate of admission from the Commission.

12. Candidates except ex-servicemen released from the Armed Forces and those who are granted remission of fee vide Commission's advertisement must pay the fee prescribed therein.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) Obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) Impersonating,
- (iii) Procuring impersonation by any person, or
- (iv) Submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing materials information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature, for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (ix) harassing or doing harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (x) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
- (xi) attempting to commit, or as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period :—

(i) by the Commission from any examination or Selection held by them;

(ii) by the Central Government from any employment under them; and

(c) to disciplinary action under appropriate rules, if he is already in service under Government.

15. After the examination, the candidates competing for the services/posts mentioned in para 1 who qualify at the typewriting test or are exempted therefrom will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate at the written examination; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the basis of results of the examination.

Provided that the candidate belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or Ex-servicemen or Physically Handicapped may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes/Scheduled Tribes or Ex-servicemen and the Physically Handicapped cannot be filled on the basis of General Standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided further that ex-servicemen belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or Physically Handicapped may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes/the Scheduled Tribes and the Physically Handicapped cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the quota reserved for them out of the quota of vacancies reserved for ex-servicemen subject to the fitness of these candidates for selection to the Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the basis of results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various services/posts at the time of this application.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission at its discretion, and the Commission will not enter into correspondence with them regarding result.

18. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service/Post.

H. G. MANDAI, Under Secy.

APPENDIX-I

The Examination will consist of two parts, viz. Part-I : Written Examination, and Part-II : Typewriting Test.

PART-I : Written Examination :—The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks for each test will be as follows :—

Paper No.	Subject	Maximum marks	Time allowed
I.	General Intelligence	50	Two Hours
II.	English Language	50	
III.	Numerical Aptitude	50	
IV.	Clerical Aptitude	50	
200			

NOTE : The questions in all the four tests will be "Objective-Multiple-Choice Type". Candidates will be required to qualify in each of the four tests separately. The Commission will have full discretion to fix the minimum qualifying marks in each of the four tests.

PART II : Typewriting Test : The Typewriting Test will consist of one paper on Running Matter of 10 minutes duration.

2. Only those candidates who qualify in all the four tests and attain at the written examination a minimum standard, as may be fixed by the Commission in their discretion, will be eligible to take the typewriting test, i.e. Part II of the scheme of Examination.

3. Only such candidates as qualify at the Typewriting Test at a speed of not less than 30 words per minute in English or not less than 25 words per minute in Hindi will be eligible for being recommended for appointment in terms of Rule 15 of the Rules for the Examination. (This does not apply in the case of Telephone Operators employed in the Ministry of External Affairs).

NOTE 1 : Candidates who have already passed one of the periodical Typewriting Tests in English or Hindi held by the Union Public Service Commission or the Secretariat Training School or the Institute of Secretariat Training and Management or Subordinate Services Commission or Staff Selection Commission at a speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi need not appear at the Typewriting Test in this examination. Such candidates must indicate their Roll Numbers and the date of the Typewriting Test which they have passed.

NOTE 2 : A candidate who claims to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability, may with the prior approval of the Chairman, Staff Selection Commission, be exempted from the requirement of appearing and qualifying at such Test, provided such a candidate, when required to appear at the Typewriting Test, furnishes a certificate (in the prescribed form) to the Commission from the competent medical authority i.e. the Civil Surgeon, declaring him/her to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability.

4. Candidates will be required to bring their own Typewriter for the Typewriting Test. A typewriter with the standard size roller will do for the test.

5. Candidates are allowed the option to take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagari Script) or in English.

6. Candidates desirous of exercising the option to take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagari Script) should indicate their intention to do so in their application otherwise it would be presumed that he would take the Typewriting Test in English. The option once exercised will be final and no request for change of option will be entertained. No credit will be given for Typewriting Test taken in a Language other than the one opted for by the candidates.

7. The syllabus for the written examination will be shown in the Schedule to this Appendix.

8. Candidates must write the Papers in their own hand. In no circumstances they will be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

9. The Commission has discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

SCHEDULE

SYLLABUS FOR THE SUBJECTS INCLUDED IN PART-I : WRITTEN EXAMINATION

Syllabus

1. **General Intelligence :** The questions in this test will be based on understanding instructions, determining relationships, similarities, relevance, drawing conclusions and similar intellectual functions.

2. **English Language :** Questions in this test will be set to assess the knowledge of English language, its vocabulary, grammar, sentence structure, synonyms, antonyms, etc. There will also be a question on comprehension of a passage.

3. **Numerical Aptitude :** Questions will be designed to test the ability of arithmetical computation of whole numbers, decimals and fractions and relationship between numbers. The questions would be based on arithmetical concepts and relationship between numbers and not on complicated arithmetical computation.

4. **Clerical Aptitude :** This is designed to test candidate's perceptual accuracy and aptitude. This is the ability to notice similarities and differences between pairs of names and numbers. Questions in clerical aptitude will also assess in addition to perceptual accuracy and aptitude, ability to handle office routine work like filing, abbreviating, indexing etc.

APPENDIX-II

Brief particulars relating to services/posts to which recruitment is being made through this Examination

A. Central Secretariat Clerical Service

The Central Secretariat Clerical Service has two grades as follows :

(i) Upper Division Grade—Rs. 1200-30-1560-FB-40-2040.

(ii) Lower Division Grade—Rs. 950-20-1150-EB-25-1500.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationers from service.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the clerk on probation or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be posted to one of the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other Ministry or Office, participating in the Central Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf. Permanent or regularly appointed temporary Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination.

6. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to take the Grade 'D' Stenographers' Examination after rendering not less than 5 years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The upper age limit for this examination is 50 years on the crucial date.

7. Persons recruited to the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service in pursuance of their option for that service will not after such appointment, have any claim for transfer or appointment to the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Clerical Service.

B. Railway Board Secretariat Clerical Service

The Service conditions of the Lower Division Clerks employed in the Ministry of Railways, so far as recruitment, training, promotion etc. are concerned, are regulated by the Railway Board Secretariat Clerical Service Rules, 1970 which are on lines of Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 as amended from time to time.

2. The Railway Board Clerical Service consists of the following two grades :—

(i) Upper Division Grade—Rs. 1200-30-1560-FB-40-2040.

(ii) Lower Division Grade—Rs. 950-20-1150-EB-25-1500.

3. Direct recruitment is made in Lower Division Grade only. Persons recruited to Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by the Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the test may result in their discharge from service.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the Rules in force from time to time in this behalf, permanent or regularly appointed Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade of Railway Board Secretariat Clerical Service on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination of the Railway Board Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to appear in the Limited Departmental Competitive Examination for Grade 'D' of the Railway Board Secretariat

Stenographers Service held by the Ministry of Railways after rendering not less than 2 years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The upper age limit for this examination is 45 years on the crucial date.

6. The Railway Board Secretariat Clerical Service is confined to the Ministry of Railways and the Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Secretariat Clerical Service.

7. Officers of the Railway Board Secretariat Clerical Service recruited under those rules :—

- (i) will be eligible for pensionary benefits; and
- (ii) shall subscribe to the non-contributory state Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway servants appointed on the date they join service.

8. The staff employed in the Ministry of Railways are entitled to the privilege of passes and privilege tickets orders on the same scale as are admissible to other Railway Staff.

9. As regards leave and other conditions of service, Staff included in the Railway Board's Secretariat Clerical Service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

C. Indian Foreign Service (B) Grade VI

The scale of pay : Rs. 950-20-1150-FB-25-1500.

Officers appointed to Grade VI of the Indian Foreign Service (B) are eligible for promotion to Grade V in the pay scale of Rs. 1200-30-1560-FB-40-2040 on completion of eight years of service in the grade.

2. Officers of Grade V of the Indian Foreign Service (B) will in turn be eligible for appointment to Grade IV of the Service in the pay scale of Rs. 1400-40-1600-50-2300-FB-60-2600 on completion of five years of service in the grade.

3. Officers of Grade VI of the Indian Foreign Service (B) will be eligible for promotion to Grade III of Stenographers' sub-cadre of the Service in the pay scale of Rs. 1200-30-1560-FB-40-2040 on completion of required number of years of service in the grade, on the basis of a Limited Departmental Examination.

4. Such officers of Grade VI, who are graduates, will be eligible for appointment to the Grade of Assistant in the sub-Cadre of IFS (B) in the pay scale of Rs. 1400-40-1600-50-2300-FB-60-2600 on completion of required number of years of service in the grade through a Limited Departmental Examination.

5. Candidates appointed to the Indian Foreign Service (B) will be liable to serve in any post either at Headquarters, anywhere in India or abroad to which they may be posted by the controlling authority.

6. During service abroad IFS(B) officers, are granted foreign allowance in addition to their basic pay, at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS(B) officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government;
- (ii) Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme;
- (iii) Return air passage to India and back to the place of duty abroad upto a maximum of two throughout the officer's service for emergencies such as the death or serious illness of any immediate relation in India as may be defined by the Government;
- (iv) Annual return air passage for children between the age of 6 and 22 studying in India to visit their parents during vacation subject to certain conditions;

(v) Expenditure on education of children upto a maximum of two children between the age of 5 and 18 studying at the place of posting abroad of the officer is met by the Government subject to certain conditions;

(vi) Outfit allowances for posting abroad as per existing instructions.

(vii) Home Leave Passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

7. The conditions for appointment, confirmation and seniority in the service will be governed by the relevant provisions of the Indian Foreign Service (B) Recruitment Cadre, Seniority and Promotion Rules, 1964, and also by any other rules or orders, which Government may hereafter make.

D. Armed Forces Headquarters Clerical Service

The Armed Forces Headquarters Clerical Service has two grades as follows :—

Upper Division Grade—Rs. 1200-30-1560-FB-40-2040.

Lower Division Grade—Rs. 950-20-1150-FB-25-1500.

The posts in Upper Division Grade are filled by promotion from amongst Lower Division Clerks. Direct recruitment is made in the Lower Division Grade only.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for two years, which period may be extended or curtailed at the discretion of the competent authority. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During the period of probation they may be required to undergo such training and pass such tests as may be prescribed from time to time.

3. Lower Division Clerks will be eligible for confirmation and promotion in accordance with the rules in force from time to time.

4. Lower Division Clerks recruited to the AFHQ Clerical Service, will be generally posted to any office of the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations located in India/New Delhi. They will also be liable to be posted anywhere within India in the public interest.

5. Leave, Medical aid and other conditions of service will be same as applicable to other Ministerial staff employed to the AFHQ and Inter-Service Organisations.

E. Department of Parliamentary Affairs

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerks in the Department is Rs. 950-20-1150-FB-25-1500.

Candidates appointed to the service by selection through the competitive examination shall be on probation for a period of two years.

F. Indo-Tibetan Border Police

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerks in the Indo-Tibetan Border Police is Rs. 950-20-1150-FB-25-1500.

Candidates appointed to these posts on the basis of results of this examination will be on probation for a period of two years.

G. Central Vigilance Commission and Election Commission

1. The scale of pay for the Lower Division Clerk in the Commission is Rs. 950-20-1150-FB-25-1500.

2. The posts of Lower Division Clerks in the Central Vigilance Commission and the Election Commission are not included in the CSCS.

3. The persons appointed will be on probation for a period of two years.

4. They will be eligible for promotion to the grade of Upper Division Clerks after putting in five years service in case of Central Vigilance Commission and eight years service in the case of Election Commission.

**DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL
DEVELOPMENT**

New Delhi, the 6th January 1987

RESOLUTION

(Constitution of a Panel for the Foundry Industry other than Steel Castings Industry)

No. Fer. Ind-I/11 (32)/85-86.—In view of the growing importance and the role that Foundry Industry has to play in supporting the Engineering and Capital Goods sector of the economy and having regard to the need for constant review of modernisation, technology, exports environmental pollution control etc. in this sector, Government have decided to reconstitute the Panel for Foundry Industry (Other than Casting for which a Panel already exists). The term of the earlier Panel for Foundry Industry which was constituted in November, 1984 had expired on 26-11-86.

2. The Panel will consist of :—

Chairman

1. Shri P. R. Latey,
Secretary (TD) & DG (TD),
DGTd, Udyog Bhavan, New Delhi.

Members

2. Shri A. V. Gokak,
Joint Secretary,
Deptt. of I.D., Ministry of Industry,
Udyog Bhavan, New Delhi.
3. Shri B. D. Jethra,
Joint Adviser (Engg.)
Planning Commission,
Vojana Bhavan, New Delhi.
4. Shri L. Mishra,
Industrial Adviser,
DGTd, Udyog Bhavan,
New Delhi-11.
5. Shri K. Raghavendran,
Director (Struc & Metals),
Indian Standard Institute,
Menak Bhavan, New Delhi.
6. Shri D. Vasudeva Rao,
Managing Director,
Ennore Foundries Ltd.,
Ennore.
7. Shri J. B. Patel,
Chairman & Managing Director,
Ghote Patil Industries Ltd.,
Uchgaon, Kolhapur-416 005.
8. Shri V. K. Dixit,
Vice President,
The Mysore Kirloskar Ltd.,
P. O. Yantrapur,
Harihar-577 602.
9. Shri V. K. Sharma,
General Manager,
DCM Engg. Products,
Post Box No. 5,
Papar-140 001 (Punjab).
10. Shri B. G. Shastry,
Managing Director,
Ductron Castings Ltd.,
R-15, Industrial Development Area,
Uppal, Hyderabad-500 039.
11. Shri P. C. Neogy,
Director,
Heavy Engineering Corporation Ltd.,
(Foundry & Forge Plant),
Panchi-834 004.
12. Shri T. K. Banerjee,
De. General Manager,
Ordnance Factories,
Gov. Iron Foundry,
Jabalpur-482 009.

13. Shri B. M. Kumar,
General Manager (Foundry Technology)
H. M. T. Ltd.,
10/A, Kasturba Road,
Bangalore-560 001.
 14. Dr. V. G. Ghate,
Nodren Founders Maharashtra Ltd.,
No. 2, Rehem Mansion,
Colaba Causeway, Bombay-400 039.
 15. Shri A. Guha,
President,
The Institute of Indian Foundrymen,
Middleton Street,
(1st Floor), 4/2 Middleton Street,
Calcutta-700 001.
 16. Shri D. P. Bose,
Asstt. Director (Metallurgy),
Small Industries Service Institute,
Ministry of Industry,
Guindy, Madras.
 17. Shri M. M. Palvankar,
Chief Executive,
Shivaji Works Ltd.,
Shivashahi, Solapur-413 224.
 18. Shri Y. M. Mehta,
Chairman & Managing Director,
Pioneer Equipment Co. Pvt. Ltd.,
Padra Road, Vadodara-390 005.
 19. Dr. P. N. Bhagwati,
Bhagwati Spherocast Ltd.,
I, Krishna Society,
Ellisbridge,
Ahmedabad-380 006.
 20. Prof. Dr. H. Md. Roshan,
Deptt. of Metallurgical Engineering,
IIT, Madras.
 21. Shri V. Kumar,
Executive Director (E.E.P.C.),
World Trade Centre,
3rd Floor,
14/1-B-Fzra Street,
Calcutta-700 001.
 22. Prof. Dr. A. K. Patwardhan,
Head, Metallurgical Engg.,
University of Roorkee, Roorkee.
- Member-Secretary*
23. Shri S. S. Khosla,
Development Officer,
DGTd, Udyog Bhavan,
New Delhi.
 24. Other members can be co-opted as necessary with the approval of the Chairman.
3. The terms of reference of the Panel are :—
- (a) To consider the present status and perspectives of the industry and to recommend measures for its growth keeping in view the development programme of the related sectors such as Automobiles, machine tools, industry machinery amongst others.
 - (b) To evaluate the present level of technology and to recommend measures to bring the same at par with the international levels specially in the areas of quality control, energy/material conservation, yield, pollution control, improvement of productivity etc.
 - (c) To examine the extent to which standardisation has been achieved and evolve specific programmes for further standardisation in consultation with the ISI for which a few major users sectors should be identified.
 - (d) To focus on new aim to modernise the foundry industry.
 - (e) To recommend measures for increasing exports.
 - (f) Research & Development.
 - (g) Any other aspects related to the health and growth of the industry.

4. The term of the Panel will be 2 years.

5. This Advisory Panel, will meet to review the position once in six months and more frequently, if occasion warrants, at such places as may be decided by the Chairman.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India.

K. C. GANJWAL
Director (Admn.) & CVO

MINISTRY OF AGRICULTURE DEPT. OF AGRI. & COOPERATION

New Delhi, the 28th January 1987

RESOLUTION

No. 48-124/86-Sheep.—Government of India have decided to constitute a Task Force to evaluate the impact of sheep and goat-rearing in ecologically fragile zone.

2. The composition of the Task Force would be as under :—

Chairman

1. Prof. C. H. Hanumantha Rao,
Institute of Economic Growth,
Delhi University, Delhi.

Members

2. Shri Rajinder Jain,
Secretary, Deptt. of Irrigation,
Government of Rajasthan, Jaipur.
3. Shri Ramakanta Rath,
Commissioner-cum-Secretary,
Community Development & Rural
Reconstruction Department,
Government of Orissa, Bhubaneswar.
4. Shri Inderjit Khanna,
Joint Secretary (IRD),
Deptt. of Rural Development,
New Delhi.
5. Shri Chandi Prasad Bhatt,
Environmentalist,
Dasauli Gram, Swaraj Mandal,
Gopeshwar, U. P.
6. Shri Punjab Singh,
Director, Indian Grassland and
Fodder Research Institute,
Jhansi.
7. Dr. K. A. Sankarnarayan,
Director, Central Arid Research
Institute,
Jodhpur.
8. Shri O. N. Kaul,
Chief Conservator of
Forest and Secretary,
Forests, Mizoram, Aizwal.
9. Dr. C. Krishna Rao,
Former Animal Husbandry
Commissioner and
Vice Chancellor,
Andhra Pradesh University,
39, Shakti Nagar,
Hyderabad.
10. Dr. G. A. Pandey,
Retired Adviser,
Animal Husbandry,
Government of Jammu and
Kashmir.

11. Shri N. S. Jodha,
Senior Economist,
ICRISAT,
Hyderabad.

Member-Secretary

12. Joint Commissioner
(Sheep and Goat),
Department of Agriculture
and Cooperation,
Government of India.

3. The terms of reference for this Task Force are as follows :—

- (i) To evaluate the impact of goatery and sheep rearing in ecologically fragile zones, having regard to the contribution by goats and sheep to the economic well being of the people rearing them as well as their impact on the environment.
- (ii) In case it is considered that goatery and sheep rearing may be restricted or banned in ecologically fragile zones, the determination of such zones.
- (iii) To make suggestions regarding measures that may be taken to restrict or discourage the rearing of goats and sheep in such areas and the cost of such measures.
- (iv) To recommend changes in the practices pertaining to sheep and goat rearing to minimise the damage to the ecology in such areas in which this occupation is to be continued.
- (v) In such areas in which the sheep/goat rearing is to be banned, to suggest any possible alternative occupations for poverty alleviation programmes consistent with conservation and ecological considerations.
- (vi) To examine any other matter incidental or consequential to the above.

4. The Task Force may determine its own methodology. It may, inter-alia, if necessary, carry out studies, visit affected areas and hold discussions with persons affected and other experts.

5. For attending the meetings including visits if necessary to affected areas the TA/DA may be drawn as follows :—

- (a) TA/DA to the officers belonging to Government of India and State Governments/Organisations may be met from the sources from where their salaries and allowances are drawn.
- (b) TA/DA in case of non officials will be met by this Department. They will be treated at par with Grade-I officers of Government of India for this purpose.

6. The Task Force will submit its report within a period of four months from the date of its constitution.

ORDER

ORDERED that a copy of the resolution be communicated to all the Secretaries and Directors of Animal Husbandry in the State Governments, Administrations of Union Territories and Departments and the Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, Lok Sabha Secretariat and Rajya Sabha Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. B. MAHAJAN, Addl. Secy.

New Delhi, the 28th January 1987

No. 21-43/84-Fert. Plg.—In continuation of this Ministry's resolution of even number dated 23rd July, 7th October, 1985, 6th March and 26th August, 1986 regarding constitution of High Powered Committee known as Fertilizer Consumer Prices Committee set up under the chairmanship of Dr. G. V. K. Rao, it has been decided to extend the term of the Committee from 1st Jan. 1987 to 30th June, 1987. Further it has also been decided to nominate Dr. B. K. Dhar, Joint Commissioner (Fert.) to serve as a member of the Committee. He will also continue to act as Joint Secretary of the Committee.

The other terms and conditions of the committee will remain the same.

ORDER

ORDERED that a copy of this may be communicated to all concerned.

ORDERED that this may be published in the Gazette of India for general information.

J. K. ARORA, It. Secy.
(Fert. & Seeds)

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 20th January 1987

CORRIGENDUM

Subject: *Reconstitution of the Taraqqi-e-Urdu Board*

No. F. 3-2/85 D3(L).—In partial modification of this Ministry's Resolution of even number dated 17-12-86 on the above subject, the existing entry at Sl. No. (2) under sub-head (iii)—Six Urdu School are from different subject faculties in para 4—composition, in the Resolution may be substituted with the following :—

(2) Dr. Anand Raj Varma, Hyderabad.

ORDER

Ordered that the Corrigendum be published in the Gazette of India for information.

Ordered also that copies of the Corrigendum be communicated to all members of the Taraqqi-e-Urdu Board, Chairman, Commission for Scientific and Technical Terminology, Chairman, University Grants Commission, Director General, Council of Scientific and Industrial Research, Directors, Central Hindi Directorate, Kendriya Hindi Sansthan, Rashtriya, Sanskrit Sansthan, Central Institute of Indian languages, Central Institute of English and Foreign Languages, National Council of Educational Research and Training, All Vice-Chancellors, Prime Minister's Office, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat and Ministries and Departments of the Government of India.

T. N. DHAR, Jt. Educational Adviser
to Govt. of India

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 16th January 1987

RESOLUTION

No. Hindi/Samiti/86/38/6.—The Government of India have decided to reconstitute with immediate effect the Railway Hindi Salabkar Samiti constituted under Ministry of Rail-

ways' Resolution No. Hindi/Samiti/83/38/5 dated 3-10-83, the tenure of which expired on 2-10-86. The composition of the reconstituted Samiti will be as given hereunder :—

1 Composition

Chairman

1. Minister of State for Railways

Members

2. Chairman, Railway Board.
3. Financial Commissioner (Railways).
4. Member Staff, Railway Board.
5. Member Traffic, Railway Board.
6. Member Engineering, Railway Board.
7. Member Mechanical, Railway Board.
8. Secretary, Official Language Department, Ministry of Home Affairs.
9. Joint Secretary, O.L. Department, Ministry of Home Affairs.
10. Secretary, Railway Board.
11. Executive Director, Management Services, Railway Board.
12. Chairman, Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad.

Member Secretary

13. Director (OL), Railway Board.

Members of Parliament :

Members

- *14. Shri N. Tombi Singh, M.P. (Rajya Sabha).
- *15. Shri Amar Roy Pradhan, M.P. (Rajya Sabha).

*Representatives of Parliamentary Committee on Official Language

Non-Official Members

16. Shri Gangu Sharan Singh, Chairman, Akhil Bhartiya Hindi Sanstha Sangh, 12, Rajendra Nagar, Patna-800016.
17. Shri Kanhaiyalal Nandan, Editor 'Feature', Times of India, 7-10 Bahadur Shah Jafar Marg, New Delhi-110 002.
18. Shri Jagdish Prasad Chaturvedi, D-II/55, Kaka Nagar, New Delhi-110 003.
19. Shri Velayudhan Nair, Mantri, Kerala Hindi Prachar Sabha, Trivandrum-695 014.
20. Shri Chandrakant Devtale, G-6, Government Quarters, Madhav Nagar, Ujjain-456 001.
21. Dr. Rammurty Tripathi, Head of the Hindi Deptt., Vikram University, Ujjain.
22. Dr. Prabhat Shastri, Pradhan Mantri, Hindi Sahitya Sammelan, 12 Sammelan Marg., Allahabad-3.
23. Dr. Baldev Vanshi, A-3/283, Pashchim Vihar, New Delhi-110 063.
24. Acharya Ram Kishore Shastri, Amethi, Sultanpur (U.P.).
25. Shri Surendra Pratap Singh, Executive Editor, Nav Bharat Times, Times of India Building, Bahadur Shah Jafar Marg, New Delhi-110 002.
26. Shri Basheer Ahmed Mayukh, 2 L-17, Vigyan Nagar, Kota (Rajasthan).
27. Shri P. Ananthakrishnan, Principal Secretary, Dakshin Bharat Hindi Prachar Sabha, Thyagamja Nagar, Madras-600 017.

28. Dr. Laxmi Narayan Dubey, Reader, Hindi Department, Dr. Hari Singh Gaur University, Sagar (Madhya Pradesh).
29. Dr. S. N. Ganesan, Professor and Head of the Hindi Department, Madras University, Marina, Madras-600 005.
30. Shri Prakash Upadhyay, Representative-Nai Dunia, Kataria Bhuvan, Nai Sarak, Railani-457 001.
31. Shri Veymuri Radhakrishna Murty, B-4/F-2, Udyog Nagar Colony, Punjagutta, Hyderabad-500 482 (A.P.)
32. Shri Hira Lal Chaube, 'Vindhyachal', B-19, Gulmohar Park, New Delhi.
33. Shri Suresh Upadhyay, Kothi Bazar, Hoshangabad (Madhya Pradesh).
34. Shri Paras Nath, Ex. Professor, Satish Chandra Post Graduate College, Chitragnpta Marg, Bhrihu Ashram, Balia (Uttar Pradesh).
35. Dr. Rm Kumar Chaturvedi 'Chanchal', Kothi No. 12, A.B. Road, Shivpuri (M.P.)
36. Shri Devkaran Singh Rathod, Bhupal Nobles College, Udaipur (Rajasthan)
37. Shri Rattan Chand Dhir, 29, Tagore Park, DAV College Colony, GT Road, Jalandhar-144 008.
38. Shri Prem Narayan Nagar, New Block, Shivpuri (Madhya Pradesh)-473 551.
39. Shri Bhaat Bhushan Tyagi, Moharkar Ki Gali, Naya Bazar, Laskar, Gwalior-9. (M.P.)
40. Shri Ganga Prasad Pandey, 56 Pura Padain, Dara ganj, Allahabad (Uttar Pradesh)
41. Shri Shivaji Rao Ayde, Founder Secretary, Mazrulhaq Memorial Trust, Chuptra (Bihar)
42. Shri Ramanand Singh, Marg-3, Rujendra Nagar, Patna-800 016.
43. Shri Devendra Narain Verma, E-I, Thatipur, Gwalior, (Madhya Pradesh)-474 011.
44. Shri Ram Narayan Dubey, Nova Vila, Dhantoli, Nagpur (Maharashtra)-440 012.
45. Prof. Namvar Singh, Centre for Indian Languages, Jawaharlal Nehru University, New Mehrauli Road, New Delhi-110 067.
46. Shri Sudhakar Pandey, Pradhan Mantri, Nagri Pracharani Sabha, Kashi, Vishveshwar Gunj, Varanasi (U.P.)
47. Shri Inderjit Singh, 49/46, Harpal Nagar, Behind Shiraj Hotel, Ludhiana (Punjab)
48. Shri A. G. Krishna, MIG-2, Block 38, Flat No. 1, Bagh Lingampalli, Hyderabad-(A.P.)-500 027.
49. Shri Ravikrishna Dutta, Krishna Vilas, Gazipur (Uttar Pradesh)
50. Shri Ramanath Awasthi, 23, Pataudi House, New Delhi.
51. Shri Vinod Kumar Mishra, Editor, 'Dinik Hindustan', Hindustan Times House, 18-20, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

II. FUNCTIONS

The functions of the Samiti will be to advise Railway Ministry on matters relating to progressive use of Hindi for official purposes in accordance with the policy laid down by the Central Hindi Committee and Department of Official Languages.

III. TENURE

The term of the Samiti will normally be three years from the date of its composition provided that :

- (a) A member, who is Member of Parliament, ceases to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament.

- (b) the Members of Parliament who are members of the Samiti by virtue of their being members of Parliamentary Committee on Official Languages will cease to be the members of this Samiti as soon as they cease to be the Members of the said Parliamentary Committee.
- (c) ex-officio Members of the Samiti shall continue as members as long as they hold office by virtue of which they are the members of the Samiti.
- (d) If a vacancy arises on the Samiti due to resignation, death etc., of a member, the member appointed in that vacancy shall hold office for the residual term of three years.

IV. GENERAL

- (i) The Samiti may co-opt additional members and invite experts to attend its meetings or appoint Sub-Committees as may be considered necessary.
- (ii) The headquarters of the Samiti shall be at New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

V. TRAVELLING AND OTHER ALLOWANCES

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Samiti as per the rate fixed by the Government of India (Ministry of Railways) from time to time. For rail journeys connected with authorised work and meetings of the Committee, First Class Railway Passes will be issued.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Sectts. and all Ministries and Departments of Government of India.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. M. VAISH, Secy. Railway Board
and
Ex-officio Jt. Secy.

New Delhi, the 21st February 1987

No. 86/E(GR)1/2/9.—The Rules for a Combined Competitive Examination Engineering Services Examination—to be held by the Union Public Service Commission in 1987 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are, with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, published for general information :—

CATEGORY 1—CIVIL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Engineering;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts);
- (iii) Central Engineering Service
- (iv) Military Engineer Services (Building and Roads Cadre)
- (v) Military Engineer Service (Surveyor of Works Cadre).
- (vi) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts);
- (vii) Assistant Executive Engineers (Civil), (P&T) (Civil Engineering Wing).
- (viii) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Civil Engineering Posts.

(ix) Central Engineering Service (Roads) Group A.

Group B Services/Posts

- (x) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing, All India Radio.

CATEGORY II—MECHANICAL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Services (Mechanical Engineering Posts);
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts);
- (vi) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts)
- (vii) Assistant Manager (Factories) (P&T) Telecom-Factories Organisation)
- (viii) Military Engineer Service (Electrical and Mechanical cadre) (Mechanical Engineering Posts)
- (ix) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME, Ministry of Defence
- (x) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).
- (xi) Posts of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Posts).
- (xii) Assistant Executive Engineer (Elect. & Mech.) Mechanical Engineering Posts, Border Roads Engineering Service, Group A.
- (xiii) Indian Supply Service, Group 'A' Mechanical Engg Posts.

Group B Services/Posts

- (xiv) Workshop Officer (Mechanical Engineering Posts) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

CATEGORY III—ELECTRICAL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts)
- (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts);

- (iv) Indian Ordnance Factories Service Engineering Branch (Electrical Engineering Posts);

- (v) Indian Naval Armament Service (Electrical Engineering Posts);

- (vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts);

- (vii) Assistant Executive Engineer (Electrical P and T Civil Engineering Wing);

- (viii) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence;

- (ix) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electrical Engineering Post);

- (x) Indian Supply Service, Group 'A' (Electrical Engg. Posts);

- (xi) Military Engineer Service (Electrical and Mechanical cadre) (Electrical Engineering Posts);

Group B Services/Posts

- (xii) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio;

- (xiii) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

CATEGORY IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/Electronics Engineering Posts);
- (iii) Indian Telecommunication Service;
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation; Ministry of Communications;
- (v) Indian Broadcasting (Engineers) Service;
- (vi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts);
- (vii) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts);
- (viii) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts);
- (ix) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development, (Electronics and Telecommunication Engineering Post);
- (x) Indian Supply Service, Group 'A' (Electronics Engg. Posts).
- (xi) Workshop Officer (Electronics Engg.) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

Group B Services/Posts

- (xii) Workshop Officer (Electronics Engg.) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix-I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services/Posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the Services/Posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

N.B. (i)—NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ., CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING (OF PREAMBLE TO THE RULES) FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD) WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

N.B. (ii)—Candidates should give their preferences only for the Services and Posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and Posts for which they are not eligible and for Services and Posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored.

N.B. (iii)—DEPARTMENTAL CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION UNDER AGE-RELAXATION [VIDE RULE 5(b)] MAY GIVE THEIR PREFERENCES FOR THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ALSO. THEY WILL, HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS, THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

N.B. (iv)—Preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to Rule 6 will be considered

only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other Services and Posts, if any, will be ignored.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility Certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 28 years on the 1st August 1987 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1959 and not later than the 1st August, 1967.

(b) Subject to conditions mentioned in N.B. (iii) below Rule 2, the upper age-limit of 28 years will be relaxable up to 33 years in the case of the Government servants of the following categories, if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned in column I below and apply for admission to the examination for all or any of the Service(s)/Post(s) mentioned in Column 2, for which they are otherwise eligible.

- (i) A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.

- (ii) A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August, 1987.

Column 1	Column 2
Railway Department	I.R.S.E. I.R.S.E.E.] I.R.S.S.E. I.R.S.M.E.] I.R.S.S.
Central Public Works Department	C.E.S.—Group A C.E. & M.E.S. Group A
Engineer-in-Chief, Army Headquarters	M.E.S. Group A (B) & R. Cadre and Surveyor of Works Cadre) M. E.S. Group A (E. & M Cadre)
Directorate General Ordnance Factories	I.O.F.S. Group A
Central Water Commission	C.W.E. (Group A) Service.
General Electricity Authority	C.P.E. (Group A) Service.
Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation	Engineer (Group A)
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service
All India Radio/Doordarshan	Junior scale Indian Broadcasting (Engineers) Service. Assistant Engineer Group B (Civil/Electrical) Civil/ Construction Wing A.I.R.
Indian Navy.	Indian Naval Armament Service.]
P. & T. Department	Indian Telecommunication Service Group A, Assistant Executive Engineer (Civil/ Electrical) Group A, P & T (Civil Wing. Assistant Manager (Factories) Group A, P. & T. Telecom. Factories Organisation.
Directorate General of Technical Development.	Assistant Development Officer (Engineering) Group 'A'.
Directorate General of Supplies and Disposals	I.S.S. Group 'A'

NOTE.—The period of apprenticeship, if followed by appointment against a working post on the railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concession.

(c) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable :

- (i) Up to a Maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

- (ii) Up to a maximum of three years, if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and the 25th March, 1971;

- (iii) Up to a maximum of eight years, if a candidate belongs to Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

- (iv) Up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;

- (v) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;

- (vi) Up to a maximum of three years, if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;

- (vii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963

- (viii) Up to a maximum of three years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;

- (ix) Up to a maximum of eight years, in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

- (x) Up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;

- (xi) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.
- (xii) Up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (xiii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (xiv) Up to maximum of five years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1987 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st August 1987) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to military Service or (iii) on invalidment.
- (xv) Up to a maximum of ten years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers, including ECOs/SSCOs, who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1987 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st August, 1987 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xvi) Up to a maximum of five years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August 1987 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (xvii) Up to a maximum of ten years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1987 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment; who belong to the scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xviii) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.
- (xix) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.
- (xx) up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.
- (xxi) up to a maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

NOTE.—Ex-Servicemen who have already joined the Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-serviceman for their re-employment, are not eligible to apply under Rule 5(c) (xiv) & 5(c) (xv) of the Rules,

N.B.—The Candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled, if, after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application, to the department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer, provided his application has been forwarded by his parent department.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate must have—

- (A) obtained a degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other Educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (B) passed Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or
- (C) obtained a degree/diploma in Engineering from such foreign Universities/College/Institution, and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or
- (D) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Tele-communication Engineers (India); or
- (E) passed Associate Membership Examination Parts II and III/Sections A and B of the Aeronautical Society of India; or
- (F) Passed Associate Member-Ship Examination (Sections A and B) of the Institution of Mechanical Engineers (India); or
- (G) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November, 1959.

The Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers London, held prior to November, 1959 is also acceptable subject to the following conditions :—

- (1) that the candidates who have passed the examination held prior to November, 1959, should have appeared and passed in the following additional papers according to post-1959 scheme of Graduate Membership Examination :
 - (i) Principles of Radio and Electronics I (Section 'A').
 - (ii) Mathematics II (Section 'B').
- (2) that the candidates concerned should produce certificate from the Institution of Electronics and Radio Engineers, London in fulfilment of the condition prescribed at (1) above.

Provided that a candidate for the posts of Engineer, Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service and Indian Naval Armament Service, (Electronics Engineering Posts); may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below namely;

M.Sc. degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics, or Radio Engineering as a special subject.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result may, apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 30th November, 1987.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualified prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE 3.—A candidate who is otherwise, qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission with holding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff-employed by the Commission for the conduct of their examinations; or

(xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination; or

(xii) attempting to commit or, as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government, from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the interviews the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services/posts irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/posts at the time of their application.

DEPARTMENTAL CANDIDATES WILL, HOWEVER, BE FIRST CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO SERVICES/POSTS IN THEIR OWN DEPARTMENT AND ONLY IN THE EVENT OF NON-AVAILABILITY OF VACANCIES THEREIN OR MEDICAL UNFITNESS OF SUCH CANDIDATES FOR THE SERVICES/POSTS UNDER THEIR OWN DEPARTMENTS, THEY SHALL BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE SERVICES/POSTS IN OTHER MINISTRIES/DEPARTMENTS ON THE BASIS OF PREFERENCES EXPRESSED BY THEM.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such an enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidate who qualify for interview on the basis of written part of the examination are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturdays, Sundays and closed holidays). For this purpose, the successful candidates will be required to present themselves, before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses, they

should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examinations or in its venue would ordinarily be acceded to.

The candidates should note that no request for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.

The attention of the candidates is invited to the regulations relating to the Physical Examination published herewith. It will be seen therefrom that the physical standards prescribed vary for different services. The candidates are therefore, advised to keep these standards in view with specific reference to services for which they have competed/expressed preferences to the UPSC.

The candidates may also please note :

- (i) a sum of Rs. 16 (Rupees sixteen only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and
- (iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD).

In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II. Forth of disabled ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with requirements of each Service.

18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to pass after entry into service.

20. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

S. M. VAISH,
Secretary
Railway Board

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

PART I—The written examination will comprise two sections—Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional papers. Both Sections will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Telecommunication Engineering. The standard and syllabi prescribed for these papers are given in Schedule to the Appendix. The details of the written examination i.e. subjects, duration and maximum marks allotted to each subject are given in para 2 below :

PART II—Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates who qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination:—

Category I—CIVIL ENGINEERING (cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test		2 hours	200
(Part A : General English)	01		
(Part B : General Studies)	02		
Civil Engineering Paper I	11	2 hours	200
Civil Engineering Paper II	12	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Civil Engineering Paper I	13	3 hours	200
Civil Engineering Paper II	14	3 hours	200
Total			1000

Category II—MECHANICAL ENGINEERING (cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test		2 hours	200
(Part A : General English)	01		
(Part B : General Studies)	02		
Mechanical Engineering Paper I	21	2 hours	200
Mechanical Engineering Paper II	22	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Mechanical Engineering Paper I	23	3 hours	200
Mechanical Engineering Paper II	24	3 hours	200
Total			1000

Category III—ELECTRICAL ENGINEERING (cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test		2 hours	200
(Part A : General English)	01		
(Part B : General Studies)	02		
Electrical Engineering Paper I	41	2 hours	200
Electrical Engineering Paper II	42	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Electrical Engineering Paper I	43	3 hours	200
Electrical Engineering Paper II	44	3 hours	200
Total			1000

Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING (cf. Preamble to the Rules)

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers			
General Ability Test		2 hours	200
(Part A : General English)	01		
(Part B : General Studies)	02		
Electronics & Telecommunication Engineering Paper I	61	2 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II	62	2 hours	200
Section II—Conventional Papers			
Electronics & Telecommunication Engineering Paper I	63	3 hours	200
Electronics & Telecommunication Engineering Paper II	64	3 hours	200
Total			1000

3. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidates capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application and integrity of character.

4. Conventional papers must be answered in English. Question papers will be set in English only.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional papers of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

NOTE :—Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the Examination hall for reference purpose, wherever considered necessary.

11. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators or conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

12. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

SCHEDULE TO APPENDIX I

Standard and Syllabus

The standard of paper in General Ability Test will be such as may be expected of an Engineering/Science Graduate. The standard of papers in other subjects will approximately be that of an Engineering Degree Examination of an Indian University. There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ABILITY TEST

Part A : General English (Code No. 01) : The question paper in General English will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

Part B : General Studies (Code No. 02) : The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters as of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

CIVIL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 11 for objective type paper and 13 for conventional paper)

1. Building Materials and Construction.
Stones, Timber, Bricks, Cement, Mortar, Concrete, Masonry, Steel.
2. Solid Mechanics.
Simple bending and torsion theories shear centre.
3. Graphic Statics.
Force Polygon, stress diagram.
4. Structural Analysis.
Analysis of trusses and frames
Introduction to plastic Analysis.
5. Design of Metal Structures
Working stress and ultimate strength design of simple structures.
6. Design of concrete and Masonry Structures
Design of masonry walls, working stress design of plain, reinforced and prestressed concrete; ultimate strength design of reinforced and prestressed concrete.

Paper II (Code No. 12 for objective type paper and 14 for conventional paper)

1. Fluid Mechanics, Water Resources Engineering.
Open channel and pipe flow, Hydrology Design of canals and hydraulic structures.
2. Soil Mechanics and Foundation Engineering and their general principles Strength parameters, Earth pressure Theories, Design of Shallow and deep foundations.
3. Transportation Engineering including Railway Engineering and Surveying, Roads superelevation, Ruling gradient, pavements, Traffic controls, Design considerations.
4. Environmental Engineering
Water purification, Sewage treatment and disposal.

1. Construction, Planning and Management.

Elements of construction practice, Bar charts, CPM, PERT.

MECHANICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 21 for objective type paper and 23 for conventional paper)

1. Thermodynamics

Laws Properties of ideal gases and vapours, Power cycles, Gas Power Cycles, Gas Turbine Cycles, Fuels and Combustion.

2. I. C. Engines

C. I. and S. I. Engines Detonation, Fuel injection and carburation. Performance and Testing. Turbo Jet and Turbo-prop. Engines, Rocket Engines Elementary Knowledge of Nuclear Power Plants and Nuclear Fuels.

3. Steam Boilers, Engines, Nozzles and Steam Turbines

Modern boilers. Steam Turbines types. Flow of Steam through nozzles. Velocity diagrams for impulse and Reaction Turbines. Efficiencies and Governing.

4. Compressors Gas Dynamics and Gas Turbines

Reciprocating, centrifugal and axial flow compressors. Velocity diagrams. Efficiency and performance. Effect of Mech. number on flow, Isentropic flow. Normal Shocks and Flow through nozzles. Gas Turbine Cycle with multistage compression Reheating and Regeneration.

5. Heat Transfer, Refrigeration and Air-Conditioning

Conduction, Convection and Radiation. Heat exchangers, types, Combined Heat Transfer. Overall Heat Transfer coefficient. Refrigeration and heat pump Cycles. Refrigeration systems. Coefficient of performance. Psychrometrics and psychrometric chart. Comfort indices. Cooling and dehumidification methods. Industrial Air-conditioning Processes, Cooling and heating loads calculations.

6. Properties and classification of fluids

Fluid statics, kinematics and dynamics; principles and applications. Manometry and Buoyancy. Flow of ideal fluids. Laminar and turbulent flows. Boundary layer Theory. Flow over immersed bodies. Flow through pipes and Open Channels. Dimensional analysis and similitude technique.

Non-dimensional specific speed and classification of fluid machines in general. Energy transfer relation performance and operation of pumps and of impulse and reaction water turbines. Hydronamic power transmission.

Paper II (Code No. 22 for objective type paper and 24 for conventional paper)

7. Theory of Machines

Velocity and acceleration (i) of moving bodies; (ii) in machines. Klein's construction Inertia forces in machines. Cams; Gears and Gearing. Fly wheels and

Governors. Balancing of Rotating and Reciprocating masses. Free and forced vibrations of systems. Critical speeds and whirling of shafts.

8. Machine Design

Design of : Joints—Threaded fasteners and Power Screws—Keys, Kotters, Coupling—Welded Joints—Transmission system : Belt and chain drives—wire ropes—shafts.

Gears—sliding and Rolling bearings.

9. Strength of Materials

Stress and strain in two dimensions; Mohr's circles; relations between Elastic Constants.

Beams : Bending moments, shearing forces and deflection.

Shafts : Combined bending, direct and torsional stresses.

Thick Walled cylinders and spheres under Pressure. Spring, Struts and columns. Theories of failure.

10. Engineering Materials

Alloys and Alloying Materials, heat treatment; composition; properties and uses. Plastics and other newer engineering materials.

11. Production Engineering

Metal Machining : Cutting Tools; Tool Materials, Wear and Machinability, measurement of cutting forces.

Process : Machining—Grinding, Boring, Gear Manufacturing, Metal forming, Metal casting and joining. Basic, Special, Purpose, Programme and numerically-Controlled machine Tools, Jigs and fixtures (locating elements).

12. Industrial Engineering

Work study and work measurement Wage incentive. Design of Production System and Product Cost, Principles of Plant layout. Production Planning and Control. Material handling. Operations Research. Linear Programming Queuing Theory. Value Engineering Network Analysis, CPM and PERT. Use of Computers.

ELECTRICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 41 for objective type paper and 43 for conventional paper)

1. Electrical Circuits

Network theorems, Response of network to step, ramp, impulse and sinusoidal inputs. Frequency domain analysis. Two port networks elements of network synthesis. Signal-flow graphs.

2. EM Theory

Electrostatics : Magnetostatics using vector methods. Fields in dielectrics in conductors and in magnetic materials. Time varying fields, Maxwell's equations.

Planewave propagation in conducting & Dielectric media; properties of Transmission lines.

3. Material Science : (Electric Materials)

Band Theory. Behaviour of dielectrics in static and alternating fields. Piezoelectricity. Conductivity of Metals. Super conductivity. Magnetic Properties of materials. Ferro and ferri-magnetism. Conduction in Semiconductors, Hall effect.

4. Electrical Measurements

Principles of Measurement. Bridge measurement of Circuit parameters. Measuring Instruments. VTVM and CRO, Q-Meter, Spectrum analyser. Transducers and measurement of non-electrical quantities, Digital measurement, telemetering, data recording and display.

Paper II (Code No. 42 for objective type paper and 44 for conventional paper)

5. Elements of Computation

Digital system algorithms, flow-charting. Storage : Type statements, array storage Arithmetics expression, logical expressions, Assignments statements. Programme structure. Scientific and Engineering applications.

6. Power Apparatus & Systems

Electromechanics : Principles of electro mechanical energy conversion. Analysis of D.C., synchronous and Induction Machines. Fractional horse-power motors. Machines in Control Systems. Transformers. Magnetic Circuits and Selection of motors for drives. Power System : Power generation : Thermal Hydro and Nuclear Power Transmission, Corona Bundle conductors. Power Systems Protection. Economic operation. Load frequency-control, stability analysis.

7. Control Systems

Open-loop and closed loop systems, Response analysis Root-locus technique, stability, compensation and design techniques. State-variable approach.

8. Electronics & Communications

Electronics : Solid state devices and circuits. Small signal amplifier design. Feedback amplifiers Oscillators and operational amplifiers, FET circuit and linear ICs Switching circuits Boolean Algebra. Logic circuits. Combinational and sequential digital circuits.

Communications : Signal analysis. Transmission of signals. Modulation & Detection. Various types of communication systems. Performance of communication systems.

ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I (Code No. 61 for objective type paper and 63 for conventional paper)

1. Materials Components and Devices

Structure and properties of electrical engineering materials. Passive Components—types and properties. Active components—type and properties.

Solid State Devices—Physics, Characteristics and models.

2. Network Theory

Network Theorems. Steady State and transient response of electric circuits. Network analysis Elementary network synthesis.

3. Electromagnetic Theory

Field theory. Transmission line theory. Antenna Theory. Propagation of electromagnetic waves in bounded and unbounded media.

4. Measurements and Instrumentation

Measurement of basic-electrical quantities. Measuring instruments and their principles of working. Transducers.

Measurement of non-electrical quantities

Paper II (Code No. 62 for objective type paper and 64 for conventional paper)

1. Linear and Non-linear Analog Circuits.

Basic Linear electronics circuits. Pulse shaping circuits Wave from Generators, Stabilizers.

2. Digital Circuits

Logic circuits and Gates. Computing Circuits. Combinational and sequential circuits.

3. Control Systems

Feedback theory. Control system components. Response of Control Systems. Design of practical system.

4. Communication Systems

Basic Information Theory. Modulation and Detection processes. Various types of communication systems. Radio and Line communications. Television and Radar Navigational Aids Satellite communication principles.

5. Microwave Engineering

Microwave Sources. Microwave Components and networks. Measurement at microwave frequencies Microwave Communication Systems.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL
EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.]

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board].

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

(b) However, for certain Services the minimum standards for height and chest girth, without which candidate cannot be accepted are as follows :

Name of Services	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) and Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A in the C.P.W.D.	152 cm.	84 cm.	5 cm.
(a) For Male candidates	152 cm.	84 cm.	5 cm.
(b) For Female candidates	150 cm.	79 cm.	5 cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidate belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc., whose average height is distinctly lower.

(c) For the Military Engineer Services, Group A the Indian Ordnance Factories Service Group A and Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B' a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

10—461 GI/86

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standards, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hand loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89, 86—92.5 etc. In recording the measurements fraction of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms—fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidates eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) *General.*—The candidates eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows:—

Services	Distant Vision		Near Vision	
	Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
1	2	3	4	5

A. Technical

1. Railway Engineering Service (Civil, Electrical, Mechanical and Signal)

Central Engineering Service Group A, Central Electrical, and Mechanical Engineering Service Group A, Central water Engineering Service Group A, Central Power Engineering Service Group A, Central Engineering Service (Roads) Group A and Indian Telecommunication Service Group A, Assistant Executive Engineering Civil & Electrical) Group A: (P & T) Civil Engineering Wing Post of Engineer, Group A, in W.P. & C. Wing Monitoring Organisation Ministry of Communications, Indian Broadcasting (Engineers) Service Indian Naval Armament Service, Indian Ordnance Factories Service Group A, Border Roads Engineering Service Group 'A' Assistant Engineer, Group B Civil Construction Wing in AIR Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

6/6 or 6/9 6/12 6/9 J I J II

3. Military Engineer Services, Group A, and post of Assistant Manager (Factories) Group A. P & T Telecommunication Factories Organisation Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B'.

B. Non-Technical

4. Indian Railway Stores Service, Indian Supply Service, Group A.

NOTE (1)

*(a) In respect of the Technical Services mentioned at A above, the total amount of myopia (including the cylinder), shall not exceed —4.00D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00 D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit of grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE (2)

The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned at A above except the Indian Telecommunication Service, Group A and Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :

Grade	Higher grade of colour perception	Lower grade of colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16'	16'
2. Size of aperture	1.3 mm	13 mm
3. Times of exposures	5 seconds	5 seconds

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other Services connected with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for other lower grade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Services/posts which require higher or lower grade colour perception are as indicated below:—

Technical Services or posts requiring higher grade colour Perception

- (i) Railway Engineering Services.
- (ii) Military Engineering Services.
- (iii) Central Engineering Service (Roads).
- (iv) Central Power Engineering Service.
- (v) Assistant Manager (Factories) Group 'A' (P&T) Telecom, Factories Organisation.
- (vi) Border Roads Engineering Service, Group 'A'.
- (vii) Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B'.

Technical Services or posts requiring lower grade colour perception

- (i) Central Engineering Service.
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service.
- (iv) Indian Ordnance Factory Service.
- (v) Central Water Engineering Service.
- (vi) Assistant Executive Engineering (Civil & Electrical), Group A (P&T, Civil Engineering Wing).
- (vii) Junior Scale in Indian Broadcasting (Engineers) Service.
- (viii) Engineer Group 'A' in Wireless, Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation.
- (ix) Assistant Engineer (Civil, Electrical) Group 'B' Civil Construction Wing in A.I.R.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridges Green's lanterns, shall be used for testing colour vision.

NOTE (3) *Field of vision*.—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (4) *Night Blindness*.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual

acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (5) For Central Engineering Services the Candidates may be required to pass the colour vision test and undergo tests for night blindness when considered necessary by the Medical Board.

NOTE (6) *Ocular conditions, other than visual acuity*—

(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Squint*.—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential squint even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has sub-normal vision, the usual effect be that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has :

(i) 6/6 distant vision and J 1 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for Posts/Services classified as "TECHNICAL".

NOTE (7) *Contact Lenses*.—During the medical examination all the functions for the particular job in question. allowed.

NOTE (8) It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15-foot candles.

NOTE (9) It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

7. Blood pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows:—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age general rule 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also done as routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either laying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be free from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to above 200 mm. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and

the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion fit or unfit. The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case, it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Services, the Military Engineer Services, the Indian Telecommunication Service Group A, Central Engineering Service Group A, Central Electrical Engineering Service Group A and the Border Roads Engineering Service Group 'A'. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

1	2	3
(1) Marked or total deafness in one ear other being normal.		Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.
(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.		Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000.
(3) Perforation of tympanic membrane or Central or marginal type.		One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by

1	2	3	1	2	3
		declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.	(10) Congenital defects of ear, nose or throat.	(i) If not interfering with functions—Fit.	
		(i) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.	(11) Nasal Poly	(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.	Temporarily Unfit.
		(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.	(b) that his/her speech is without impediment;		
(4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.		(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both, technical and non-technical jobs.	(c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth) will be considered as sound;		
		(ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.	(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;		
(5) Persistently discharging ear operated/unoperated.		Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.	(e) that there is no evidence of any abdominal disease;		
			(f) that he is not ruptured;		
			(g) that he does not suffer from hydrocele, varicose, veins or piles;		
			(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;		
(6) Chronic Inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.		(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.	(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;		
		(ii) If deviated nasal septum is present with Symptoms—Temporary Unfit.	(j) that there is no congenital malformation or defect;		
(7) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and or Larynx.		(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.	(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;		
		(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily Unfit.	(l) that he bears marks of efficient vaccination;		
(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.		(i) Benign Tumours—Temporarily Unfit	(m) that he is free from communicable disease.		
		(ii) Malignant Tumours—Unfit.			
(9) Otosclerosis		If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.	11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.		

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration; the Chairman of the Board may consult a Hospital psychiatrist etc.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The Candidates who desire to file an appeal against the decision of the Medical Board are required to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such a manner as may be prescribed by the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board) in this behalf. This fee will be refundable only to those candidates who are declared fit by the Appellate Medical Board whereas in the case of others it will be forfeited. The candidates may if they like enclose medical certificate in support of their claim of being fit. The appeals should be submitted within 21 days of the date of communication in which the decision of the first Medical Board is conveyed to the candidate; otherwise request for medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board will be arranged only at candidate's own cost. No travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination of the Appellate Medical Board. Necessary action to arrange medical examination by the Appellate Medical Board will be taken by the Ministry of Railways (Railway Board) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fees within the stipulated time.

13. The decision of the Appellate Medical Board will be final and no appeal shall lie against the same.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments, in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidate should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

The Medical re-examination shall be deemed to be part of the 1st Medical Examination and candidates may, if they so desire, appeal against its decision.

(a) Candidates statement and declaration

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (block letters).....
.....
.....

2. State your age and birth place.....
.....

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No', and if the answer is, 'Yes', state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, cheumatism appendicitis :

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?
.....
.....

4. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause.
.....
.....

5. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
(1)	(2)	(3)	(4)

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
(5)	(6)	(7)	(8)

6. Have you been examined by a Medical Board before ?

.....

7. If answer to the above is Yes, please state what Service(s)/posts(s) you have examined for ?

8. Who was the examining authority ?

9. When and where was the Medical Board held ?

.....

10. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known.....

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature

Signed in my presence

Signature of Chairman of the Board

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate) Physical examination.

1. General development Good
 Fair Poor Nutrition : Thin
 Average Obese Height (without shoes) Weight Best Weight

When ? Any recent change in weight
 Temperature

Girth of chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes

(1) Any disease

(2) Night Blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual acuity

(6) Fundus Examination

Strength of
glasses

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Sph.	Cyl	Axis
Distant Vision	R.E. L.E.				
Near Vision	R.E. L.E.				
Hypermetropia (Manifest)	R.E. L.E.				

4. Ears : Inspection..... Hearing Right Ear Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.

.....

If yes, explain fully

.....

8. Circulatory system :

(a) Heart : Any organic lesions

Rate Standing
 After hopping 25 times
 Two minutes after hopping

(b) Blood Pressure : Systolic
 Diastolic9. Abdomen : Girth Tenderness
 Hernia

(a) Palpable Liver Spleen

Kidneys

Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele etc., Urine analysis :

(a) Physical Appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate.

NOTE.—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide Regulation 9.

15. For which Services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit ?

Is the candidate fit for Field Service ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following categories :—

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

President

Member

Place

Date

APPENDIX III

BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE ON THE RESULTS OF THIS EXAMINATION

NOTE.—The Scales of pay now prevalent for various Services/Posts are likely to be revised by Government after taking into account the recommendations of the 4th Central Pay Commission.

1. Indian Railway Service of Engineers, Indian Railway Service of Electrical Engineers, Indian Railway Service of Signal Engineers, Indian Railway Service of Mechanical Engineers and Indian Railways Stores Service.

(a) *Probation* :—Candidates recruited to these Services will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in a minimum of one year's probation in a working post. If the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the working post is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered necessary by the Government.

(b) *Training* :—All the probationers will be required to undergo training for a period of two years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular Service/post at such places and in such manner and pass such examinations during this period as the Government may determine from time to time.

(c) *Termination of appointment* :—(i) The appointment of probationers can be terminated by three months' notice in writing on either side during the period of probation. Such notice is not, however, required in cases of dismissal or removal as a disciplinary measure after compliance with the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government, however, reserve the right to terminate the services forthwith.

(ii) If in the opinion of the Government the work as conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(iii) Failure to pass the departmental examination may result in termination of services. Failure to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation shall be liable to termination of services.

(d) *Confirmation* :—On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed departmental and Hindi examinations, the probationers will be confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respects.

(e) *Scales of pay* :

(i) *Junior Scale* :—Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.

(ii) *Senior Scale* :—Rs. 1100-(5th year or under) -50-1600.

(iii) *Junior Administrative Grade* :—Rs. 1500-60-1800-100-2000.

(iv) *Senior Administrative Grade—Level II* :—RS. 2250-125/2-2500.

(v) *Senior Administrative Grade—Level I* :—Rs. 2500-125/2-2750.

In addition there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 2500 and Rs. 3500 to which the officers of the above Services are eligible.

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.

Failure to pass the departmental and other examinations during the period of probation may result in stoppage or postponement of increments.

(f) *Refund of the cost of training* :—If for any reasons which, in the opinion of the Government, are not beyond the control of the probationer, a probationer wishes to withdraw from training or probation, he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation. For this purpose probationers will be required to furnish a Bond, a copy of which will be enclosed along with their offers of appointment. The probationers permitted to apply for examination for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not however, be required to refund the cost of the training.

(g) *Leave* :—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) *Medical attendance* :—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) *Passes and Privilege Ticket Orders* :—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) *Provident Fund and Pension* :—Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(k) Candidates recruited to the Services/posts are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

(l) *Liability to serve in Defence Services* :—The probationers appointed shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

2. CENTRAL ENGINEERING SERVICE GROUP A AND CENTRAL ELECTRICAL & MECHANICAL ENGINEERING SERVICE, GROUP A.

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they would be considered for confirmation or continuance in their appointment if permanent posts are available. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Services Group 'A' are eligible for promotion to the next higher grade viz., Executive Engineer after completion of five years service in the grade of Assistant Executive Engineer, subject to availability of vacancies, and on condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India.

for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale :—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

Senior Scale :—Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.

Administrative (Selection) Posts :

Superintending Engineers.—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

Chief Engineers :

(i) Rs. 2,250—125/2—2,500.

(ii) Rs. 2,500—125/2—2,750.

Engineer-in-Chief.—Rs. 3,000—100—3,500—(for Central Engineering Service Group A).

NOTE.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I).

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).

(i) *Central Engineering Service Group A*

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes, highways and bridges, etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

(ii) *Central Electrical & Mechanical Engineering Service Group A*

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electric substations and power houses, air-conditioning and refrigeration, runway lighting of aerodromes, operation of mechanical workshops, procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

3. MILITARY ENGINEERING SERVICES, GROUP A

(a) The selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. A probationer during his probationary period may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient or if the probationer fails to pass the prescribed tests during the period Government may discharge him. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if, his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further periods as Government may consider fit.

Probationers will be required to pass the MES Procedure Supdts. (B/R & E/M) Grade I Examination and Hindi Test during their probationary period of two years. The standard for Hindi Test should be "PRAGYA" (equivalent to Matriculation standard).

(b) The selected candidates shall if so required be liable to serve as commissioned officers in the Armed Forces for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any :

Provided that such a candidate—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

II The candidates shall also be subject to Civilian in Defence Service (Field Liability) Rules of 1957 published under SRO, No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay :—

	Pay Scale
Assistant Executive Engineer	} Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300
Assistant Surveyor of Works	
Executive Engineer	} Rs. 1100 (6th year or under)-50-1600.
Surveyor of Works	
Superintending Engineer (Ordinary Grade)	} Rs. 1500-60-1800-100-2000.
Superintending Surveyor of Works (Ordinary Grade)	
Superintending Engineer (Selection Grade)	} Rs. 2000-125/2-2250.
Superintending Surveyor of Works (Selection Grade)	
Deputy Chief Engineer	} Rs. 1500-60-1800-100-2000 plus special pay of Rs. 200.00 (per month)
Chief Engineer (Level II)	
Chief Surveyor of Works (Level II)	} Rs. 2250-125/2-2500
Chief Engineer (Level I)	
Chief Surveyor of Works (Level-I)	} Rs. 2500-125/2-2750

4. INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE, GROUP A

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of 3 years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of Director General, Ordnance Factories/Chairman, O.F. Board. Probationer will undergo such practical training as shall be provided by the Government and may be required to pass such departmental and language tests as Govt. may prescribe. The language test will be a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any; provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Time Scale	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300
Senior Time Scale	Rs. 1180-(6th year or under)-50-1600.
Junior Administrative Grade (Ordinary Grade)	Rs. 1500-60-1800-100-2000.
Jr. Administrative (Selection Grade)	Rs. 2000-125/2-2250.
Senior Administrative Grade Level-II	Rs. 2250-125/2-2500.
Sr. Administrative Grade Level-I Additional Director General	Rs. 2500-125/2-2750.
Ordnance factories/Member/O.F. Board	Rs. 3000 (Fixed).
Director General, Ordnance Factories/Chairman of O.F. Board	Rs. 3500 (Fixed).

NOTE :—The pay of Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 15(6)/64/D(Appts) 1051/D(Civ-1) dated the 25th November, 1985 as amended from time to time.

(d) Probationers are required to undergo Foundational course at Mussoorie/Nagpur.

(e) A probationer so recruited shall have to execute bond before joining the service.

5. INDIAN TELE-COMMUNICATION SERVICES, GROUP A

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass any departmental examination or examination that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Officers will also be required to pass professional and language test.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.
Senior Scale : Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.
Junior Administrative Grade : Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.
Senior Administrative Grade :—
(i) Rs. 2,250—125/2—2,500.
(ii) Rs. 2,500—125/2—2,750.

NOTE :—The pay of a Government Servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 780 an officer in the Junior Scale of Indian Telecommunication Service Group A will not draw any increment till he passes the departmental examination.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Indian Telecommunication Service (Group A).

Assistant Divisional Engineers Telegraphs

Assistant Divisional Engineers Telegraphs will be Incharge of a Telegraphs/Telephones Engineering Sub-Division, Incharge of Carrier VFT, Coaxial, Microwave, Long Distance, Electrical and Wireless and will work generally under a Divisional Engineer. They may also attend to Project Organisation to carry out installation/construction job of various Telecommunication works.

Divisional Engineer

Divisional Engineers are placed Incharge of Telegraphs/Telephones Engineering Division including Long Distance, Coaxial, Microwave maintenance Divisions and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in their charge and will also execute work within their Division. When Divisional Engineers are attached to Projects Organisations they will be required to do construction/installation job in the unit.

Junior Administrative Grade

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephone Districts and administration and Planning of Telecommunication installations research and development in Telecommunication systems etc. Overall incharge of management and administration of Minor Telephone Districts, Telecommunication Circles etc.

Senior Administrative Grade

Head of Telecommunications Circle/Telephone District/Project Circle/Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. Deputy Director General in the P&T Board—Provides the top level assistance to the P&T Board in framing policy and in overall administration. Director Telecommunication Research Centre and Additional Director Telecommunication Research Centre responsible for overall research activities of the Telecommunication Research Centre.

6. CENTRAL WATER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Water Commission shall be on probation for a period of two years;

Provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and

tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person :—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) The officers appointed to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to higher grade of Deputy Director/Executive Engineer/Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)/Director/Superintending Engineer (Selection Grade) Chief Engineer (L-II) CE (Level-I)/Member/Chairman,

CWC after fulfilling the prescribed conditions.

(iv) The scales of pay for Group 'A' Engineering post in Central Water Commission are as follows :—

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Commission).

1. Assistant Director/Assistant Executive Engineer	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300
2. Deputy Director/Executive Engineer	Rs. 1100- (6th—year or under)-50-1600.
3. Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)	Rs. 1500-60-1800-100-2000.
4. Director Selection Grade/Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 2000-125/2-2250
5. Chief Engineer	(i) Rs. 2250-125/2-2500 (Level II) (ii) Rs. 2500-125/2-2750 (Level I)
6. Member, CWC/Chairman CFCC	Rs. 3000/- fixed.
7. Chairman, CWC	Rs. 3500/- fixed

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group A) Service.

Assistant Director (Civil and Mechanical)

Planning, Surveys, investigation and design of projects including preparation of estimates, reports etc. for the conservation and regulation of water resources for the development of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood control and other purposes.

Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical)

Responsible for the Sub-Division or other units of works allotted to him. He is required to maintain accounts records of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood with certain accompaniments for each work is progress in the

Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc. etc.

7. CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

(i) Description of the Organisation

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission, Distribution and Utilization of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility technical analysis, economic viability, etc. to ensure that the schemes would fit into the overall development of the States as well as the Region and will conform the overall context of National economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy, power providing its main motive force.

(ii) Description of the grade to which the recruitment is made through the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission.

Sixty per cent of posts in the grade of Assistant Director/ Assistant Executive Engineer in the scale of Rs. 700—1300 are filled by direct recruitment on the results of the Combined Engineering Services, Examination held by the Union Public Service Commission annually.

Persons appointed to the posts of Assistant Director/ Assistant Executive Engineer of the Central Power Engineering (Group A) shall be on probation for a period of two years provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof, as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if any time during such period of probation or extension, they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation, the candidates may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as it may think fit, as a condition to satisfactory completion of probation.

Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Services or post connected with the Defence of India

for a period of not less than four years including the period spent on training, if any. Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) Promotion to higher grades

The officers appointed to the posts of Assistant Director/ Assistant executive Engineers are eligible for promotion to higher grade viz. Deputy Director/Executive Engineer/ Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade), Deputy Chief Engineer, Chief Engineer (Level II) and Chief Engineer (Level I), subject to availability of vacancies in the grades concerned, after fulfilling the conditions laid down in the Central Power Engineering (Group A) Service Rules, 1965 as amended from time to time.

(iv) Scale of pay

The scale of pay for the posts of the Central Power Engineering (Group A) Services in the Central Electricity Authority are as follows :—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority :—

S. No.	Name of Post	Scale of Pay
1.	Assistant Director/Assistant Executive Engineer	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.
2.	Deputy Director/Executive Engineer	Rs. 1100-(Sixth year or under) -50-1600.
3.	Director Superintending Engineer (Ordinary Grade)	Rs. 1500-60-1800-100-2000.
4.	Director/Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 2000-12512-2250
5.	Deputy Chief Engineer	Rs. 2000-125/2-2250.
6.	Chief Engineer (Level II)	Rs. 2250-125/2-2500.
7.	Chief Engineer (Level I)	Rs. 2500-125/2-2750.

NOTE : For purpose of fixation of pay on promotion from the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer to that of Deputy Director/Executive Engineer, Concordance Tables adopted on the recommendations of the Third Pay Commission, are applicable to the members of this Service.

(v) Duties and responsibilities

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical data required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including erection, operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution/

Power Systems, studying project reports, providing assistance in preparation of power plans, designs or projects etc. While working in field Units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him.

8. POSTS OF ASSISTANT MANAGER (FACTORIES) GROUP A IN THE P&T TELECOM FACTORIES ORGANISATION.—

- (i) Persons recruited to the post of Assistant Manager (Factories) in the scale of pay of Rs. 700-1300 shall be on a probation for a period of 2 years.
- (ii) During the period of probation, the candidate shall be required to undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed by the Central Government from time to time and are required to pass a professional examination and a test in Hindi.
- (iii) Any person appointed to the post of Assistant Manager (Factories) shall, if so required, be liable to serve in the Defence Service or posts connected with the Defence of India, for a period not less than four years including the period spent on training, if any :

Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (iv) Prospect of promotion to higher grades :
 - (a) Assistant Managers with a minimum of five years of a regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Engineer (Sr. Time Scale) in the scale of Rs. 1100—1600.
 - (b) Senior Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy General Manager/Manager (Factories) in Jr. Admn. Grade in the scale of pay of Rs. 1500-1800.
 - (c) Deputy General Manager/Manager with 7 years regular service rendered in the grade are eligible for promotion to the grade of General Manager, Telecom. Factory (Sr. Admn. Grade—Level II) in the scale of Rs. 2,250—125/2—2,500.
- (v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts :

Asstt. Manager.—Overall supervision of two or more production/non-production units. To act as Appointing Disciplinary Authority for various trades/cadres in Telecom. Factories.

Senior Engineer.—Head of a branch viz., Production Planning, Development, Maintenance, Tools, etc. and to work as Appointing and Disciplinary Authority for various trades/cadres in Telecom. Factories.

Deputy General Manager/Manager.—To assist the General Manager in day-to-day work of general administration, production, discipline, planning etc..

In-charge of a Factory or Production Unit/Wing.
General Manager.—Head of the Telecom. Factory, Responsible for overall control of general administration, production, planning discipline, etc. in the Factory.

(9) ENGINEERS (GROUP A) IN THE WIRELESS PLANNING AND COORDINATION WING/MONITORING ORGANISATION, MINISTRY OF COMMUNICATIONS.—

- (a) Scale of pay Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.
- (b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless Planning and Coordination Wing Engineer-in-Charge Monitoring Organisation (Scale of Pay Rs. 1,100—50—1600—plus Rs. 100/- per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser Engineer-in-charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

All Assistant Wireless Advisers and Engineers-in-charge with 5 years service in the Grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser (Scale Rs. 1,500—60—1,800). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for Group A posts.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

- (c) The person appointed to the post of Engineer is liable to be posted anywhere in India.
- (d) Any person appointed to the post of Engineer shall, if so required, be liable to serve in any Defence service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (e) Nature of Duties and Responsibilities Attached to the Posts.
 - (i) Supervision guidance and training of staff in the different units of the WPC Wing/Wireless Monitoring Organisation.
 - (ii) Installation, calibration, testing and maintenance of various categories of electronic equipment, antennae and ancillaries employed in radio frequency monitoring, covering the entire radio frequency spectrum and various types of emissions.

- (iii) Licensing and inspection of wireless installations of the various user departments/organisations for different types of the radio communication services.
- (iv) All aspects relating to national and international co-ordination for the use of radio frequency spectrum and geostationary satellite orbit, including preparation of allocation plans, establishment or relevant technical standards type-approval of equipment studies of electro-magnetic interference/compatibility etc.
- (v) Administration of Internal Radio Regulations including formulation and implementation of corresponding national rules and regulations.
- (vi) Conducting of examinations for Certificate of Proficiency/Radio Amateurs etc. and issuing of respective licences.
- (vii) Research and development work relevant to radio frequency management and monitoring.
- (viii) National level preparation for the conference and meeting of International Telecommunication Union, and as appropriate, of other international/regional organisation dealing with telecommunications.

CENTRAL ENGINEERING SERVICE (ROADS), GROUP A :

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointments, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if any time during such period of probation or extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods of extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

The officers will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years

(c) The following are the rates of pay admissible :

Assistant Executive Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)
—Rs. 700-40-900-EB-40-1,100-50-1,300.

Executive Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—Rs. 1,100
(6th year or under)—50—1,600.

Superintending Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—
Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

Chief Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—

(i) Rs. 2,250—125/2—2,500.

(ii) Rs. 2,500—125/2—2,750.

Additional Director General (Roads/Bridges)—Rs. 2,500—
125/2—3,000.

Director General (Roads Development)—Rs. 3,000—100—
3,500.

NOTE : The pay of Government Servant, who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services. Group A/Group B will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B (1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

To assist the senior technical officers at Headquarters and in the Regional Offices, etc. of the Roads Wing, Ministry of Shipping and Transport in planning, preparing designs and estimates of Roads—Bridge works and scrutiny of proposals for such works received from the States and/or in procurement and upkeep of Central machinery.

11. INDIAN BROADCASTING (ENGINEERS) SERVICE, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

(a) Every officer on appointment to the Service either by direct recruitment or by promotion in Junior Scale shall be on probation for a period of two years.

(i) Provided that the controlling Authority may extend or curtail the period of probation in accordance with the instructions issued by Government from time to time.

(ii) Provided further that any decision for Extension of a probation period shall be taken within eight weeks after the expiry of the previous probationary period and communicated in writing to the concerned officer together with the reasons for so doing within the said period.

(iii) On completion of the period of probation or any extension thereof, Officers shall, if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointments on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies, as the case may be.

(iv) if, during the period of probation or any extension thereof, as the case may be Govt. is of opinion that an officer is not fit for permanent appointment in Government it may discharge or revert the candidate

to the post held by him prior to his appointment in the Service, as the case may be or pass such orders as they deem fit.

- (v) During the period of probation or any extension thereof candidates may be required by Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests (including examination in Hindi) as Govt. may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation.

- (b) Appointment to the Service :—All appointments to the service shall be made by the Controlling Authority for all the posts in various grades of the Service, whether in 'Akashvani' or in 'Door-darshan'.

- (c) Liability for service in any part of India and other conditions of service : (1) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

Any officer appointed to the Service if, so required, shall be liable to serve in any Defence Service or a post connected with the defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any, provided that such officers.

- (a) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of his appointment to the Service or from the date of his joining prior to the initial constitution of the Services.

- (b) Shall not ordinarily be required to serve as aforesaid if he has attained the age of 40 years.

The conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are applicable from time to time, to officers of Central Civil Services in general.

The following are the rates of pay admissible.

1. Junior Scale . . . 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.
2. Senior Scale . . . 1100 (6th year or under)-50-1600.
3. Junior Administrative Grade 1500-60-1800-100-2000.
4. Junior Administrative Grade (Selection Grade) 2000-125/2-2250.
5. Senior Administrative Grade Level II 2250-125/2-2500.
6. Engineer in Chief . 2500-125/2-3000.
Nature of duties and responsibilities attached to the post of Junior Scale of IB (E) S (Group 'A' Design, installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters, Responsibility for the supervision of the work of subordinate Engineers.

12. ASSISTANT ENGINEER (GROUP B) (CIVIL AND ELECTRICAL), CIVIL CONSTRUCTION WING, ALL INDIA RADIO, MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING.

- (a) Appointment will be made on probation for a period of two years.

- (b) (i) An Officer appointed to the post will be liable to serve anywhere in India and also will be liable to transfer at any time to serve under a public corporation and on such transfer, he will be liable to be governed by the condition of service laid down for employees of the Corporation.

- (ii) Any person appointed to the post of Assistant Station Engineer or Assistant Engineer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) The Government can terminate the appointment of an officer in following events without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation, (ii) for insubordination Intemperance, misconduct or breach or non-performance of any of the provisions of the rules pertaining to the service for the time being in force, (iii) if he is found medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill-health for the discharge of his duties.

In case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

- (d) Assistant Engineer (Civil & Electrical) Rs. 650—30—740 —35 —810 —EB —880—40—1000—EB —40—1200/—.

- (e) Prospects of Promotion to higher grades :—

(i) Assistant Engineers (Civil & Electricals), with a minimum of 8 years of regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Executive Engineer in the scale of Rs. 1100—50—1600/—.

(ii) Executive Engineers with a minimum of 7 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Superintending Engineer in the scale of Rs. 1500—60—1800—100—2000/—.

(iii) Superintending Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade, are eligible for promotion to the post of Additional Chief Engineer (Civil) in the scale of Rs. 2000—125/2—2250.

NOTE—The remaining conditions of service such as leave, travelling allowance on transfers/tour, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concession, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc. will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

- (f) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Engineer (Civil & Electrical) : To execute the works according to the norms and standards laid down for the same in designs and drawings.

13. INDIAN NAVAL ARMAMENT SERVICE

- (a) Candidate selected for appointment to the service will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of the competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service. During the period for probation, they will have to undergo a technical training course for a period of 9—12 months and are also to pass the departmental examination in not more than three attempts. In case they fail to pass in departmental examination their services will be liable to be terminated at the discretion of the Government.
- (b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment by competent authority). The Government, however, reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion thereof.
- (c) They will be subject to terms and conditions of Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time. They will be subjected to Field Service Liability Rules 1957 as amended from time to time.
- (d) They will be liable for transfer anywhere in India or abroad.
- (e) Scale of pay and classification—Group A Gazetted.
- (i) Deputy Armament Supply Officer, Grade II—Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.
 - (ii) Deputy Armament Supply Officer, Grade-I—Rs. 1100-50-1600
 - (iii) Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)—Rs. 1500-60-1800.
 - (iv) Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)—Rs. 1500-60-1800-100-2000.
 - (v) Director of Armament Supply—Rs. 2000-125/2-2250.

NOTE—The cadre review of the service is under consideration of the Government. The posts mentioned at (iii) and (iv) are likely to be merged in the grade of Rs. 1500-60-1800-100-2000. The pay scale of the post of Director of Armament Supply is under revision.

- (f) Prospects of Promotion to higher grades—

- (i) Deputy Armament Supply Officer, Grade I DASOs Grade II with 5 years service are eligible for promotion to the grade of DASO Grade I in the scale of pay of Rs. 1100—1,600, on the basis of selection on the recommendations of DPC provided that only those officers will be considered for promotion who have passed the departmental examination which may be held after technical training course or the Naval Technical Staff Officers course at the I.A.T., Kirkee. It has been proposed to reduce the qualifying service to 4 years for promotion to the post of DASO Grade I from DASO Grade II in the cadre review. The syllabus of the Departmental examination is reproduced below :—

1. Naval Armament Depot, Visakhapatnam

- | | |
|---|------------|
| (a) Shop-work (Three months) | |
| (b) Gunwharf Technical Course I | } 37 weeks |
| (c) Ammunition Technical Course I | |
| (d) Administration and Accounts Course | |
| (e) Visit to Balasore, Cosipore, Ishapore and Jabalpur. | |

2. Gunnery School and TAS School

- | | |
|--|-----------|
| 3. Visits of Heavy Vehicle Factory AVADI and Cordite Factory. ARUVANKADU | } 2 weeks |
| 4. Naval Armament Depot, Bombay | |
| (a) Gunwharf Technical Course II | } 5 weeks |
| (b) Ammunition Technical Course II | |
| (c) Visit to Ordnance Factory, AMBARNATH | |

5. Institute of Armament Technology, KIRKEE.

- | | |
|---|----------|
| 1. Visit to HE Factory, Ammunition Factory, ARDF and ERDL, KIRKEE. | 4½ weeks |
| 2. Visit to Ordnance Factory & Shell Arms Factory KANPUR Enroute Naval Headquarters, New Delhi. | ½ week |
| 3. Naval Headquarters, New Delhi
Visit to Defence Science Laboratories | 1½ weeks |

DELHI, FINAL EXAMINATION

(ii) *Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)*

Deputy Armament Supply Officer, Grade I with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) in the pay scale of Rs. 1,500—60—1800/- on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iii) *Naval Armament Supply Officer (Selection Grade)*

Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) with 3 years service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) in the pay scale of Rs. 1500—60—1800—100—2000/- on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iv) *Director of Armament Supply*

Naval Armament Supply Officer (Selection Grade/Ordinary Grade) with 5 years' service in the grade (s) are eligible for promotion to the grade of Director of Armament Supply in the pay scale of Rs. 2000—125/2—2250/- on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above, are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

NOTE : The pay of the Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity immediately prior to his appointment as a probationer may be regulated subject to the provision of F.R. 22B(1) and the Corresponding article in CSR applicable to probationer in the Indian Navy.

(g) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Armament Supply Officer Grade II in the Indian Navy, Ministry of Defence.

(i) Production, planning and direction of work relating to repair, modification and maintenance of armaments, incorporating various mechanical electronics and electrical devices and system Production and productivity.

(ii) Provision of machinery, electronic and electrical equipment or repair maintenance and overhaul.

(iii) Developmental work to establish import substitutes, preparation of indigenous design specifications.

(iv) Providing of mechanical electronics and electrical spare for armaments.

(v) Periodical calibration testing/examination of sub-assemblies and assemblies of mechanical electronics and electrical items of armaments (missiles, torpedos mines and guns) measuring instruments etc.

(vi) Supply of armament to fleet and Naval Establishments.

(vii) Rendition of technical advice to the service in all matters relating to mechanical, electronic and electrical engineering in respect of armaments.

14. ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEER IN P & T CIVIL ENGINEERING WING—

(a) The candidates will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo a training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available and if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may, either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

(b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Group B Assistant Engineer (Civil/Electrical) Rs. 650—30—740—35—810 EB—35—880—40—1000—EB 40—1200.
Group A :—

(i) Assistant Executive Engineer (Civil)/(Electrical) Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

(ii) Executive Engineer/Surveyor of Works (Civil)/(Electrical) Rs. 1100—50—1600.

(iii) Superintending Engineer/Superintending Surveyor of Works (Civil)/(Electrical) Rs. 1500—60—1800—100—2000.

(iv) Chief Engineer (Civil/Electrical) Rs. 2250—125/2—2500.

(c) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in P&T Civil Wing are as follows :—

Candidates recruited to P&T, Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P. & T. Department comprising of Residential Building Office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Buildings, Factories, store and training centres etc. The candidates start their service in the department as Asstt. Executive Engineers/Asstt. Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the department.

15. POST OF ASSISTANT DEVELOPMENT OFFICER (ENGINEERING) IN THE DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT :—

- (a) Persons recruited to the post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development will be on probation for a period of two years.
- (b) The scale of pay of this Group A Gazetted post is Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.
- (c) Assistant Development Officers with 5-years service in the grade are eligible for promotion to the post of Development Officer in the Directorate General of Technical Development in the scale of pay of Rs. 1100-50-1500-EB-60-1800/- 90% of the post in the cadre of Development Officer are filled by promotion. Development Officers are eligible for promotion as Additional Industrial Adviser in the scale of pay of Rs. 1800-100-2000/-. Additional Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Industrial Adviser (Rs. 2000-125/2-2500/-). Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Deputy Director General (Rs. 2500-125/2-3000) and Deputy Director General in turn are eligible for promotion to the post of Secretary (TD) & DG (TD) which carries a fixed salary of Rs. 3500/-.
- (d) Any person appointed on the result of this competitive examination shall if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any.

Provided that such persons—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years;
- (e) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Development Officer :—

He is required to assist the Development Officer in the development of industries in the respective divisions viz. Mechanical Engineering, Industrial Machinery, Machine Tools, Electrical Engineering, Automobile Electronic Engineering Industries etc.

(16) POST OF WORKSHOP OFFICER IN THE CORPS OF EME, MINISTRY OF DEFENCE :—

- (a) Persons recruited to the post of Workshop Officer in the Corps of EME will be on probation for a period of two years.
- (b) Candidates appointed to the post will be liable to serve anywhere in India.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

(i) Workshop Officer Group 'B' Rs. 650—30—740—35—810 —EB—35—880 —40—1000—EB—40—1200.

(ii) Workshop Officer Group 'A', Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

(iii) Senior Workshop Officer Rs. 1100—50—1600.

(iv) Workshop Superintendent Rs. 1500—60—1800.

(v) Workshop Superintendent (Selection Grade) :—1800—100—2000.

(d) Duties. To function as an incharge of a section undertaking repairs of 'A', 'B' and 'C' Vehicles, Guns, Wireless and Radar Equipment and instruments, will be required to work as Workshop Officer in EME Army Base Workshops/Station Workshops and/or Staff EME (Extra-Regimental Employment) appointments in lieu of captain (EME) or as Instructor in EME Training Establishments including administrative duties.

(e) The posts are non-pensionable in the initial stage, but become pensionable if and when made permanent. However, if a person holding a permanent pensionable post under Government is appointed he will continue to enjoy his pensionary status.

(f) Candidates selected for the post are bound for field service liability and should possess medical category 1 (one).

17. INDIAN SUPPLY SERVICE/INDIAN INSPECTION SERVICE :—

(a) Selected candidates will be appointed on probation for a period of two years. On completion of the period of probation the officers, if considered fit for permanent appointment, will be confirmed in their appointments subject to availability of permanent posts. The Government may extend the period of two years of probation.

If on the expiry of the period of probation or any extension thereof, the Government are of the opinion that an officer is not fit for permanent employment, or if at any time during such period of probation or extension thereof they are satisfied that any officer will not be fit for permanent appointment on the expiry of such period or extension thereof they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

The officer will also be required to pass a prescribed test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :—

Provided that such persons—

- (i) Shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (o) The following are the rates of pay admissible :—
Grade III—Junior (Group A) Scale Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

Grade II—Senior (Group A) Scale Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.

Grade I—Administrative Selection Posts—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

Supertime scale posts.

- (a) Rs. 2,000—125/2—2,250.
- (b) Rs. 2,250—125/2—2,500.
- (c) Rs. 2,500—125/2—2,750.

NOTE :—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to this appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Indian Supply Service Group A/Indian Inspection Service Group 'A'.

INDIAN SUPPLY SERVICE GROUP 'A'

The main item of work of the officers of the Indian Supply Service is the purchase of stores as also disposal of surplus stores on behalf of Government of India/Public Sector Undertakings etc. The officers of the Indian Supply Service are expected to possess requisite technical backgrounds to deal with the diversified nature of Indents placed on the DGS & D and the Supply Wings of Embassies/High Commission abroad.

INDIAN INSPECTION SERVICE (GROUP A)

Inspection and test of Engineering articles and materials and stores of allied nature, supervision of Junior Officers work and ensuring that they are adequately instructed on their work and duties : personal attention to work of importance, drafting of Technical reports, specification and Schedules of requirements and checking of the technical particulars of indents for engineering stores rendering of technical advice and assistance in engineering matters to offices of other branches of the Department indentors and manufacturers.

18. BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE Group 'A'

- (i) The Selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during the probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. At any time during the period of probation or on conclusion thereof, if his work and conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.
- (ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.
- (iii) The following are the rates of pay admissible to them :—
Assistance Executive Engineer—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
Executive Engineer Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.
Superintending Engineer—Rs. 1500—60—1800—100—2,000.
Chief Engineer (Civil) Grade II—Rs. 2250—125/2—2500.
Chief Engineer (Civil) Grade I—Rs. 2500—125/2—2750.
- (iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.

The requirements for promotion to next higher grade, as laid down above are those of minimum eligibility and that promotion in the grade concerned will take place subject to availability of vacancies only.

- (v) The Officers appointed to the service are entitled to special compensatory allowance and free ration at prescribed scales when employed in certain specified areas besides the other usual allowance such as H.R.A. and C.C.A. etc., as admissible to Central Government Servants. They are also entitled to outfit allowances for the uniform.
- (vi) The Officers appointed to the Border Roads Engineering Service Group 'A' post would also be subject to Army Act, 1950 for the purpose of discipline.